राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 मैं दिमागी नक्सल हूं, क्योंकि मैं देशभक्त हूं और मुझे इस....

रविंद्र जडेजा के 350 विकेट पूरे, एक-दो नही.... 11

वर्ष : 17 | अंक : 115 | नई दिल्ली, मंगलवार, 18 अगस्त, 2026 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 40.0°C

न्यूनतम तापमान 30.3°C

राजधानी पटना व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	60%
नहीं	45%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	1,44,525
चांदी	2,37,900
सेंसेक्स	76,884.87
निफ्टी	24,554.65

सैन्य अभ्यास मैत्री में भाग लेने के लिए भारतीय सेना की टुकड़ी थाईलैंड रवाना

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत-थाईलैंड संयुक्त सैन्य अभ्यास मैत्री के 15वें संस्करण में भाग लेने के लिए भारतीय सेना की टुकड़ी सोमवार को थाईलैंड रवाना हुई। यह अभ्यास संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय सात के अन्तर्गत जंगल और शहरी वातावरण में उग्रवाद और आतंकवाद से निपटने के लिए संयुक्त अभियानों को अंजाम देने में दोनों देशों की क्षमताओं को बढ़ाएगा।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक यह अभ्यास 18 से 31 अगस्त तक थाईलैंड के सूरत थानी स्थित विभावादी रंगसिट कैंप में होगा। इस अभ्यास का पिछला संस्करण सितंबर 2025 में मेघालय के उमरोई में आयोजित किया गया था। भारतीय सेना और थाई शाही सेना की टुकड़ियों में 85-85 जवान शामिल हैं। भारतीय सेना की टुकड़ी में मुख्य रूप से 9 गोरखा राइफल्स के सैनिक हैं, जबकि थाई सेना की टुकड़ी में 5वीं डिवीजन की 25वीं इन्फैंट्री ब्रिगेड की तीसरी बटालियन के जवान शामिल हैं। इस अभ्यास में कंपनी स्तर का संयुक्त प्रशिक्षण शामिल होगा जो जंगल और अर्ध-शहरी इलाकों में संचालन पर केंद्रित होगा। मैत्री अभ्यास का उद्देश्य भारत और थाईलैंड के बीच सैन्य सहयोग को प्रोत्साहन देना है। इस प्रशिक्षण में क्षेत्र अभ्यास, युद्ध से संबंधित चचार्एं, व्याख्यान, प्रदर्शन और समापन सत्यापन अभ्यास भी होंगे। टुकड़ियां परिचालन अनुभव का आदान-प्रदान भी करेंगी और संयुक्त अभियानों के दौरान उपयोग किए जाने वाले आधुनिक उपकरणों और प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन करेंगी। वर्ष 2006 में शुरू हुआ मैत्री अभ्यास भारत और थाईलैंड के बीच सैन्य सहयोग को सुदृढ़ बनाने और सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों के आदान-प्रदान का एक महत्वपूर्ण मंच है। यह अभ्यास दोनों सेनाओं के बीच अंतर-संचालन, आपसी समझ और सद्भावना को बढ़ाता है, जिससे दोनों देशों के दीर्घकालिक द्विपक्षीय संबंध और भी सशक्त होते हैं।

दिल्लीवासियों ने कनॉट प्लेस को देशभक्ति के रंग में रंग दिया : रेखा गुप्ता

उन्होंने कहा कि इस यादगार तिरंगा यात्रा में एनडीएमसी अध्यक्ष मनोज कुमार द्विवेदी, उपाध्यक्ष कुलजीत चहल, एनडीएमसी के अधिकारी और बड़ी संख्या में युवा साथी शामिल रहे।

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) द्वारा आयोजित तिरंगा यात्रा में भाग लिया। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा में शामिल हर दिल्लीवासी ने आज कनॉट प्लेस को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। युवाओं के हाथों में शान से लहराता तिरंगा और एक साथ गूंजता ह्यवंदे मातरम्ह्न ऐसा दृश्य था, जिसने असंख्य वीरों के त्याग, बलिदान और देश के लिए उनके समर्पण को हम सभी के हृदय में फिर जीवंत कर दिया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि दिल्ली स्वतंत्रता संग्राम के अनेक निर्णायक अध्यायों का केंद्र रही है और स्वतंत्र भारत की विकास यात्रा की साक्षी भी। आज उसी दिल्ली की नई पीढ़ी तिरंगा थामे, राष्ट्रगौरव के उसी भाव को आगे बढ़ाती हुई कदम से कदम मिलाकर चली। उन्होंने कहा कि इस यादगार तिरंगा यात्रा में एनडीएमसी अध्यक्ष मनोज कुमार द्विवेदी, उपाध्यक्ष कुलजीत चहल, एनडीएमसी के अधिकारी और बड़ी संख्या में युवा साथी शामिल रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे देश में स्वतंत्रता दिवस और उससे जुड़ा 'हर घर तिरंगा' उत्सव मनाया गया। इससे फिर साबित हुआ कि तिरंगा हमारे सम्मान, प्रतिष्ठा और गौरव का प्रतीक है; यह हमारे दिलों में बसता है और हमारे गर्व को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि हर नागरिक की 'जय भारत माता' की गूंजती आवाज के बीच, यह संकल्प लिया गया कि विकसित भारत का सपना सिर्फ.एक संकल्प नहीं है—बल्कि पूरा देश, सभी सरकारें और हर एक नागरिक 'मिशन मोड' में इस काम के लिए खुद को समर्पित करेंगे।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री फडणवीस की पीएम मोदी से मुलाकात, इन मुद्दों पर हुई चर्चा

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की। इसकी जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया के जरिए दी। पीएमओ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस मुलाकात की फोटो शेयर करते हुए लिखा, ह्रमहाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को महाराष्ट्र में चल रहे विकास कार्यों, अधोसंरचना परियोजनाओं तथा केंद्र और राज्य सरकार के समन्वय से संचालित योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। सीएम फडणवीस ने प्रधानमंत्री मोदी को राज्य के विभिन्न विकास प्रकल्पों की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि महाराष्ट्र को देश की विकास यात्रा में अग्रणी बनाए रखने के लिए केंद्र सरकार का सहयोग महत्वपूर्ण है। उन्होंने कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं और योजनाओं के लिए केंद्र से निरंतर सहयोग का आग्रह भी किया। मुख्यमंत्री फडणवीस ने पीएम मोदी से मुलाकात के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फोटो भी शेयर की। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा मिल रहे सपोर्ट के प्रति प्रधानमंत्री मोदी का आभार भी जताया। सीएम फडणवीस ने एक्स पोस्ट में लिखा, ह्रनई दिल्ली में आज मैंने देश के लोकप्रिय और भारत के वैश्विक नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। हमने कई विषयों पर विस्तार से चर्चा की। मैंने उन्हें कई विकास परियोजनाओं की प्रगति के बारे में जानकारी दी और केंद्र-राज्य की संयुक्त परियोजनाओं के लिए भारत सरकार से और सहयोग का अनुरोध भी किया।ह्व उन्होंने आगे बताया कि हमेशा की तरह, प्रधानमंत्री से मिलना प्रेरणादायक रहा और इससे सकारात्मक ऊर्जा मिलती है।

संक्षिप्त खबरें

अनुराग जैन ने नीति आयोग के नए सीईओ के रूप में संभाला कार्यभार

नई दिल्ली। नीति आयोग ने सोमवार को अनुराग जैन का नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में स्वागत किया। उनकी नियुक्ति भारत सरकार के प्रमुख नीति-निर्माण थिंक टैंक में एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के रूप में देखी जा रही है। मध्य प्रदेश कैडर के 1989 बैच के आईएएस अधिकारी अनुराग जैन को प्रशासन, सुशासन और नीति निर्माण के क्षेत्र में लगभग चार दशक का अनुभव है। अपने लंबे करियर के दौरान उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं। नीति आयोग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ह्लनीति आयोग नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनुराग जैन का स्वागत करता है। अनुराग जैन इससे पहले मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव के पद पर कार्य कर चुके हैं। केंद्र सरकार में भी उन्होंने कई महत्वपूर्ण मंत्रालयों और विभागों में जिम्मेदारियां संभाली हैं। वे सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय में सचिव रह चुके हैं और उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव के रूप में भी कार्य कर चुके हैं। बुनियादी ढांचा विकास, औद्योगिक नीति, प्रशासनिक सुधार और आर्थिक विकास जैसे क्षेत्रों में उनके व्यापक अनुभव को नीति आयोग के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उनकी नियुक्ति से नीति निर्माण, परियोजना क्रियान्वयन और राज्यों के साथ समन्वय को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।सीईओ के रूप में अनुराग जैन केंद्र सरकार की विकास संबंधी प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने, विभिन्न मंत्रालयों और राज्यों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने और प्रमुख नीतिगत पहलों के कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस वर्ष की शुरूआत में मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी दी थी। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) द्वारा जारी आदेश के अनुसार, उनका कार्यकाल दो वर्ष या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, रहेगा।

विकसित भारत 2047 बैंकिंग सेक्टर की भूमिका जल्द बनेगी उच्च स्तरीय कमेटी: वित्त मंत्री सीतारमण

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि जल्द ही एक उच्च स्तरीय कमेटी का गठन किया जाएगा, जो यह तय करेगी कि विकसित भारत 2047 के विजन को साकार करने में देश का बैंकिंग सेक्टर क्या भूमिका निभा सकता है। राष्ट्रीय राजधानी में पब्लिक सेक्टर बैंकों और वित्तीय संस्थानों के प्रमुखों के दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए सीतारमण ने कहा, ह्लएक बार जब समिति अपनी रिपोर्ट सौंप देगी, तो हम उसकी सिफारिशों पर तेजी से काम करेंगे। वित्त मंत्री सीतारमण ने 2026-27 के केंद्रीय बजट को पेश करते हुए बैंकिंग सेक्टर के लिए एक उच्च स्तरीय कमिटी बनाने का प्रस्ताव रखा था, ताकि भारत के विकास लक्ष्यों के साथ इस सेक्टर के तालमेल की समीक्षा की जा सके। वित्त मंत्री ने कहा, ह्लयह कमिटी ह्यविकसित भारतह्न के लक्ष्य को हासिल करने में बैंकों की भूमिका पर विचार करेगी। 2047 का लक्ष्य बहुत दूर नहीं है। अभी 2026 चल रहा है, यानी हमारे पास 20 साल से भी कम समय बचा है। उन्होंने बैंकिंग सेक्टर में एसेट क्वालिटी में आए मजबूत सुधार का भी जिक्र किया और कहा कि यह सुधार अब बैंकिंग सेक्टर में सुधारों को आगे बढ़ाने का एक बेहतरीन मौका देता है। उन्होंने सरकारी बैंकों से कहा कि वे अपनी मजबूत बैलेंस शीट का इस्तेमाल आर्थिक विकास के अगले चरण को सहारा देने और बैंकिंग सुधारों की तैयारी के लिए करें। इन सुधारों का मकसद एक ऐसी वित्तीय प्रणाली बनाना है जो सरकार के ह्यविकसित भारत 2047ह्न के विजन के अनुरूप हो। वित्त मंत्री ने कहा कि बैंकिंग सेक्टर मजबूत स्थिति के साथ अगले चरण में प्रवेश कर रहा है, क्योंकि नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स (एनपीए) अपने सबसे निचले स्तर पर हैं। उन्होंने बताया कि एनपीए के अब तक के सबसे निचले स्तर पर होने के कारण, बैंकों के लिए सुधारों को आगे बढ़ाने की इससे बेहतर मजबूत स्थिति

बिहार के लखीसराय में अशोक धाम मंदिर में भगदड़, सात श्रद्धालुओं की मौत, 12 से अधिक लोग घायल

प्रात: किरण, एजेंसी

लखीसराय। बिहार के लखीसराय जिले में मंदिर के बाहर भगदड़ से कम से कम सात श्रद्धालुओं की मौत हो गई। 12 से अधिक लोग इस घटना में घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना अशोक धाम स्टेशन से मंदिर जाने वाले रास्ते पर हुई। पवित्र सावन महीने के तीसरे सोमवार पर अशोक धाम मंदिर में पूजा-अर्चना और अनुष्ठान करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु वहां जमा हुए थे। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, रात में इस रास्ते पर बिजली का पोल तार समेत गिर गया था। श्रद्धालुओं के बीच यह अफवाह फैल गई कि एक खंभे में बिजली का करंट आ गया है। इससे लोग घबरा गए और बचने की कोशिश में अलग-अलग दिशाओं में भागने लगे। इसके बाद भगदड़ मच गई, जिसमें कई श्रद्धालु फंस गए और एक-दूसरे के नीचे दब गए। स्थानीय लोगों और अन्य श्रद्धालुओं ने तुरंत भीड़ में फंसे लोगों को बचाने की कोशिशें शुरू कर दीं। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए। बचाव कार्य शुरू किए गए और घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाने की व्यवस्था की गई। अभी तक कम से कम सात श्रद्धालुओं की मौत होने की जानकारी सामने आई। बताया गया कि मृतकों में सभी महिलाएं थीं। अभी मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है। अशोक धाम मंदिर को श्री इंद्रदमनेश्वर महादेव मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। यहां एक विशाल शिवलिंग है, जो खुदाई के दौरान मिला था। खासकर सावन के पवित्र महीने के दौरान मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। हिंदू धर्म में सावन के महीने का आध्यात्मिक महत्व है और इसे साल के सबसे पवित्र समय में से एक माना जाता है। श्रावण, जिसे सावन कहा जाता है, आमतौर पर जुलाई और अगस्त में आता है। सावन के दौरान, श्रद्धालु भगवान शिव का आशीर्वाद पाने के लिए पूजा और विभिन्न अनुष्ठान करते हैं।

दिमागी नक्सल पर सुधांशु त्रिवेदी का कांग्रेस पर हमला, चिदंबरम से पूछा-मनमोहन इसे क्यों मानते थे सबसे बड़ा खतरा

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने सोमवार को नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम पर निशाना साधा है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में उठाए गए ह्यदिमागी नक्सलह्न के मुद्दे का जिक्र करते हुए कहा कि इस विषय पर प्रधानमंत्री की टिप्पणी के 24 घंटे के भीतर ही इसके विरोध में सामने आए लोगों ने यह स्पष्ट कर दिया कि ह्यनक्सली दिमागह्न किसके भीतर है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने पत्रकारों से कहा कि देश स्वतंत्रता के 80वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है और ऐसे समय में प्रधानमंत्री द्वारा ह्यदिमागी नक्सलह्न का विषय उठाना बेहद महत्वपूर्ण और मौजूदा परिस्थितियों के अनुरूप है। उन्होंने दावा किया कि पूर्व वित्त मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने खुद को ह्यदिमागी नक्सलह्न कहे जाने पर गर्व जताया है। भाजपा सांसद ने कांग्रेस और चिदंबरम को पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का 13 अप्रैल 2006 का बयान याद दिलाया। उन्होंने कहा कि उस समय मनमोहन सिंह ने नक्सलवाद को देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया था। त्रिवेदी ने सवाल उठाया कि कांग्रेस के लिए मनमोहन सिंह की बात सही है या आज चिदंबरम द्वारा कही गई बात। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दौरान देश में नक्सलवाद का प्रभाव काफी व्यापक था। उस समय ह्यपशुपति से तिरुपतिह्न तक रेड कॉरिडोर की चर्चा होती थी और 180 से अधिक जिले नक्सलवाद से प्रभावित बताए जाते थे। उन्होंने 2010 के दंतेवाड़ा हमले का भी उल्लेख किया, जिसमें सीआरपीएफ के 75 से अधिक जवानों की मौत हुई थी। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि जिन समस्याओं को कांग्रेस सरकारें खत्म करने में नाकाम रहीं, उन्हें प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने निर्णायक रूप से नियंत्रित किया। उन्होंने कहा कि इस समय उस क्षेत्र में 1800 से अधिक बैंक की ब्रांच खुल चुकी हैं, 1200 से अधिक एटीएम खुल चुके हैं और 6 हजार से अधिक मोबाइल टॉवर लग चुके हैं ताकि राष्ट्र की मुख्यधारा के साथ इन इलाकों का भी विकास हो सके।

आज ओखला स्थित कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया है।

यूजीसी-नेट 2026 की परीक्षा में गड़बड़ी और पेपर रद्द होने के खिलाफ में विरोध

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। यूजीसी-नेट जून 2026 की परीक्षा में कथित अनियमितताओं और तीन विषयों के पेपर रद्द किए जाने के बाद छात्रों में भारी आक्रोश है। एनएसयूआई, एसएफआई और आईसा जैसे प्रमुख छात्र संगठनों ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए आज ओखला स्थित कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया है।

पेपर रद्द होने और गड़बड़ियों पर सवाल

परीक्षा के दौरान अंग्रेजी, कॉमर्स और समाजशास्त्र के प्रश्नपत्रों में तथ्यात्मक, व्याकरण और अनुवाद से जुड़ी गंभीर गलतियों के साथ-साथ पेपर लीक के आरोप सामने आए थे। परीक्षा रद्द होने के कारण छात्रों के सामने दोबारा परीक्षा तैयारी और पीएचडी दाखिले जैसी अकादमिक प्रक्रियाओं में भारी विलंब की समस्या खड़ी हो गई है।

जवाबदेही और सख्त कार्रवाई की मांग

छात्र संगठनों ने पूरी परीक्षा प्रणाली की निष्पक्ष जांच कराने और दोषी अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की है।

एसएफआई ने तो ठळअ को ही समाप्त करने की मांग करते हुए कहा है कि राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में ऐसी लापरवाही किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी।

बंगाल के तारापीठ में आग का कहर; 6 लोगों की दर्दनाक मौत, कई घायल अस्पताल में भर्ती

प्रात: किरण, एजेंसी

तारापीठ। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के तारापीठ से एक दर्दनाक खबर सामने आई है, जहां भोर में करीब 4:30 बजे तारापीठ पुलिस स्टेशन के पास एक तालाब के किनारे स्थित विदेशिनी होटल में आग लग गई। इस आग में 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग झुलस गए। घटना की जानकारी दमकल विभाग को दी गई। मामले की जानकारी होते ही दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस हादसे में कई लोग घायल हो गए हैं। घायलों को इलाज के लिए रामपुरहाट सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल ले जाया गया। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है, लेकिन फायर डिपार्टमेंट को आशंका है कि आग बिजली के शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी हो सकती है। घटना की जानकारी मिलने के बाद तारापीठ और रामपुरहाट पुलिस स्टेशनों की पुलिस मौके पर हैं। बीरभूम के एएसपी नीलेश श्रीकांत गाइकर ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया, ह्लकोशिशें अभी भी जारी हैं। सभी को रामपुरहाट अस्पताल भेज दिया गया है। अब तक 11-12 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हम अभी और कोई जानकारी नहीं दे सकते।ह्व बता दें कि सोमवार तड़के पड़ोसी राज्य बिहार में भी एक भगदड़ में कई लोगों की जान चली गई है। लखीसराय जिले में मंदिर के बाहर भगदड़ से कम से कम सात श्रद्धालुओं की मौत हो गई। 12 से अधिक लोग इस घटना में घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

संक्षिप्त समाचार

संदिग्ध हालात में 35 वर्षीय मजदूर की मौत

देहरादून, एजेंसी। रायपुर थाना क्षेत्र के भोपालपानी में 35 वर्षीय मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव कमरे में पंखे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। रायपुर थाना प्रभारी संजीत कुमार ने बताया कि 14 अगस्त को ग्राम प्रधान भोपालपानी रघुनाथ सिंह ने चौकी मालदेवता को सूचना दी कि एक व्यक्ति ने फांसी लगा ली है। सूचना मिलते ही रायपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। वहां मुकेश कुमार (35) निवासी भोपालपानी का शव मिला। परिजनों ने पुलिस को बताया कि मुकेश मजदूरी करता था और अविवाहित था। वह शराब का अधिक सेवन करता था। परिजनों के अनुसार 13 अगस्त की दोपहर करीब 2:30 बजे शराब पीने के बाद मुकेश अपने कमरे में चला गया था। शुक्रवार सुबह करीब नौ बजे परिजनों ने उसे कमरे में पंखे से लटका देखा। इसके बाद उसे नीचे उतारा गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल मामले में संदिग्ध परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है।

उत्तराखंड के ग्रामीण इलाकों में बजेगी बीएसएनएल की घंटी

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के दूरस्थ व ग्रामीण इलाकों में बीएसएनएल की घंटी बजेगी। बीएसएनएल प्रदेश में डिजिटल कनेक्टिविटी को मजबूत बनाने के लिए कार्य कर रहा है। इसके लिए बीएसएनएल की ओर से स्वदेशी 4जी तकनीक के विस्तार, भारतनेट परियोजना और दूरस्थ क्षेत्रों तक मोबाइल नेटवर्क पहुंचाने की योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। यह बातें शुक्रवार को बीएसएनएल के पटेलनगर स्थित मुख्य महाप्रबंधक कार्यालय में मुख्य महाप्रबंधक मनमोहन सिंह ने कहीं। उन्होंने कहा कि बीएसएनएल ने पिछले कुछ वर्षों में अपने नेटवर्क के आधुनिकीकरण पर विशेष ध्यान दिया है। 4जी सेवाओं के विस्तार के साथ-साथ हाई-स्पीड उपकरणों की स्थापना और नेटवर्क अपग्रेडेशन का कार्य किया गया है। इतना ही नहीं निगम निजी कंपनियों की तुलना में सस्ती व गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। बताया कि उत्तराखंड टेलीकॉम सर्किल में पिछले दो-तीन वर्षों के दौरान मोबाइल नेटवर्क से जोड़ा जा रहा है, जहां पहले मोबाइल सेवाएं उपलब्ध नहीं थीं। अब तक लगभग 500 टावरों के माध्यम से 2,600 गांवों को बीएसएनएल 4जी नेटवर्क से जोड़ा जा चुका है।

अवैध भूमि विकास पर खनन विभाग की कार्रवाई

देहरादून, एजेंसी। जिला खान अधिकारी के निर्देश पर खनन विभाग की टीम ने कुठालगेट स्थित शिव मंदिर के निकट निरीक्षण कर अवैध रूप से भूमि समतलीकरण एवं विकास का कार्य किए जाने का मामला पकड़ा। कार्रवाई के दौरान मौके पर अवैध रूप से कार्य में लगी एक मशीन को सीज कर दिया गया। सहायक खनिज पर्यवेक्षक पंकज चंद ने बताया कि विभागीय टीम के साथ शिव मंदिर के निकट कुठालगेट क्षेत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मौके पर एक जेसीबी द्वारा बिना अनुमति भूमि का समतलीकरण कार्य किया जाता हुआ पाया गया। टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए जेसीबी को सीज कर भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय के परिसर में खड़ा कर दिया। मामले में वर्तमान में प्रख्यापित नीति में निर्धारित प्रावधानों के तहत संबंधित पक्ष पर दो लाख रुपये का अर्थदंड लगाया गया है। कहा जिले में अवैध खनन, भूमि समतलीकरण और खनिज नियमों के उल्लंघन के मामलों में आगे भी लगातार निरीक्षण एवं कार्रवाई जारी रहेगी। विभाग की इस कार्रवाई से अवैध खनन एवं बिना अनुमति भूमि विकास कार्य करने वालों में हड़कंप मचा है।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की सजा

देहरादून, एजेंसी। एक आश्रय गृह में रहने वाली नाबालिग से दुष्कर्म और उसके गर्भवती होने के मामले में अदालत ने मुख्य आरोपी सर्वेश को दोषी ठहराते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास और 70 हजार के अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड नहीं देने पर अतिरिक्त कारावास भी भुगतना होगा। एक आरोपी अनिल को बरी कर दिया। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/एफटीएससी (पॉक्सो) मंजू सिंह मुंडे की अदालत में शुक्रवार को मामले की सुनवाई हुई। अदालत ने मामले में एक महिला आरोपी को पुलिस को सूचना न देने का दोषी पाते हुए 10 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। घटना दो जून 2022 की है और शहर कोतवाली में मुकदमा दर्ज हुआ था। पुलिस ने सात फरवरी 2023 को आरोपपत्र दाखिल किया, जबकि 21 मार्च 2023 को आरोप तय किए गए। मामले में साक्ष्य की कार्रवाई 15 मई 2023 से शुरू हुई और अदालत ने 14 अगस्त 2026 को फैसला सुनाया। अभियोजन के अनुसार एक आश्रय गृह में रहने वाली किशोरी ने वहां की काउंसलर को अपने साथ हुई घटना की जानकारी दी थी। इसके बाद आश्रय गृह की ओर से पुलिस को सूचना दी गई। जांच में किशोरी की उम्र घटना के समय नाबालिग पाई गई। रिकॉर्ड में उसके जन्म संबंधी स्कूल दस्तावेज और अन्य अभिलेखों को साक्ष्य के तौर पर पेश किया गया।

हाथियों के झुंड ने शिक्षकों से भरे टेंपो ट्रैवलर पर किया हमला, वाहनों में भी तोड़फोड़

पौड़ी गढ़वाल, एजेंसी। लैंसडौन वन प्रभाग की कोटद्वार रेंज के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग-534 पर सोमवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब हाथियों के एक विशाल झुंड ने हाईवे पर पहुंचकर जमकर उत्पात मचाया. हाथियों के झुंड ने कई वाहनों को निशाना बनाया और एक टेंपो ट्रैवलर को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया. घटना के दौरान हाईवे पर करीब ढाई घंटे तक जाम की स्थिति बनी रही. जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं.

जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के स्टोर के समीप हाथियों का झुंड अचानक हाईवे पर आ गया. इसी दौरान वहां से गुजर रहे एक टेंपो ट्रैवलर को हाथियों ने घेर लिया. वाहन में स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाएं सवार थे. उसमें विद्यालय के मध्याह्न भोजन (एमडीएम) से संबंधित सामान के साथ शिक्षकों के लंच टिफिन भी रखे हुए थे.

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हाथियों ने वाहन को बुरी तरह नुकसान पहुंचाया. उसमें रखा सामान तहस-नहस कर दिया. शिक्षकों के पर्स में रखी नकदी भी इस दौरान नष्ट हो गई. हाथियों के अचानक आक्रामक होने से वाहन में सवार शिक्षकों में दहशत फैल गई. किसी तरह सभी ने वाहन से दूर हटकर अपनी जान बचाई. घटना के बाद शिक्षक वापस अपने घर लौट गए.

बताया जा रहा है कि हाथियों के झुंड ने हाईवे से गुजर रहे कई अन्य वाहनों को भी नुकसान पहुंचाया. सुबह करीब पांच बजे से साढ़े सात बजे तक हाईवे पर यातायात प्रभावित रहा. हाथियों की मौजूदगी के कारण वाहन चालक आगे बढ़ने की हिम्मत नहीं जुटा सके. दोनों ओर लंबा जाम लग गया. कोटद्वार रेंज के रेंजर विपिन चंद्र जोशी ने बताया घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई थी. उन्होंने बताया कि कुछ वाहन चालकों ने अनजाने में हाथियों के झुंड का दोनों ओर से रास्ता रोक दिया. जिससे स्थिति और तनावपूर्ण हो गई. नीचे बह रही नदी में जलस्तर अधिक होने के कारण हाथियों के लिए सुरक्षित रास्ता भी सीमित हो गया था. रेंजर के अनुसार झुंड में कई शिशु हाथी भी शामिल थे. बच्चों की मौजूदगी के कारण हाथी अधिक सतर्क और आक्रोशित हो गए. जिसके चलते उन्होंने वाहनों पर हमला कर दिया. वन विभाग की टीम ने काफी मशक्कत के बाद हाथियों के झुंड को सुरक्षित रूप से जंगल की ओर खदेड़ा. जिसके बाद हाईवे पर यातायात बहाल किया जा सका.

यह घटना एक बार फिर कोटद्वार क्षेत्र में बढ़ते मानव-वन्यजीव संघर्ष और वन्यजीव गलियारों से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर रही है. सुबह के समय हाईवे पर हाथियों के पहुंचने से स्थानीय लोगों और वाहन चालकों में दहशत का माहौल बना रहा. वन विभाग ने लोगों से अपील की है कि हाथियों के झुंड दिखाई देने पर उनसे सुरक्षित दूरी बनाए रखें. किसी भी स्थिति में उनके रास्ते को अवरुद्ध करने का प्रयास न करें।

छह महीने में जन्मा बच्चा, 700 ग्राम था वजन; डॉक्टरों ने दो महीने में ऐसे दिया नया जीवन

पौड़ी, एजेंसी। महिला ने समय से पहले बच्चे को जन्म दिया। उसका वजन भी बेहद कम था। डॉक्टरों की दो महीने की मेहनत के बाद आज बच्चा बिल्कुल स्वस्थ है। श्रीनगर मेडिकल कॉलेज के बेस चिकित्सालय का निक्कू वार्ड समय से पहले जन्म लेने वाले नवजातों के लिए जीवन की उम्मीद बना है।

हाल ही में यहां एक नवजात का 25 सप्ताह में जन्म हुआ और वजन सिर्फ 700 ग्राम था। निक्कू वार्ड में उसका उपचार चला और स्वस्थ होने पर उसे घर भेज दिया गया। स्टाफ ने उसे 'निक्कू ग्रेजुएट' का खिताब दिया। इससे पहले भी यहां पिछले एक वर्ष में 25 से 30 सप्ताह के बीच जन्मे कई कम वजन वाले नवजातों का सफल उपचार किया गया है।

रुद्रप्रयाग के पुनाड़ क्षेत्र निवासी अल्पना नौटियाल के बच्चे का जन्म महज 25 सप्ताह में हुआ। जन्म के समय उसका वजन सिर्फ 700 ग्राम था और हालत गंभीर थी। निक्कू वार्ड में करीब दो माह तक उपचार और निगरानी के बाद बच्चे का वजन बढ़कर 1300 ग्राम हो गया और वह मां का दूध पीने लगा। स्वस्थ होने पर उसे घर भेज दिया गया। चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ ने बच्चे को 'निक्कू ग्रेजुएट' का खिताब देकर विदाई दी।

इसी तरह 27 सप्ताह में जन्मे नवजात समेत रुद्रप्रयाग से रेफर होकर आए कई प्री-मैच्योर बच्चों का उपचार यहां किया गया। 28 सप्ताह में जन्मे जुड़वां बच्चों में एक की रास्ते में मौत हो गई जबकि दूसरे को उपचार के बाद स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज किया गया।बाल रोग विभागाध्यक्ष प्रो. सीएम शर्मा ने बताया कि 25 से 30 सप्ताह में जन्मे बच्चों के फेफड़े और अन्य अंग पूरी तरह विकसित नहीं होते। ऐसे नवजातों को वेंटिलेटर सपोर्ट, विशेष दवाओं, पोषण और लगातार निगरानी की जरूरत होती है।

उन्होंने बताया कि निजी अस्पतालों में ऐसे उपचार पर 15 से 20 लाख रुपये तक खर्च हो सकते हैं जबकि बेस अस्पताल में पात्र मरीजों को सरकारी व्यवस्था के तहत उपचार मिल रहा है। प्राचार्य डॉ. सीएमएस रावत ने निक्कू वार्ड की टीम को बधाई दी।

तमकनाले में लापता बीआरओ चालक, हफ्तेभर बाद भी नहीं मिला सुराग, खोज अभियान जारी

चमोली, एजेंसी। उत्तराखंड के ज्योतिर्मठ तहसील क्षेत्र में तमक नाले में लापता हुए बीआरओ चालक पंकज रुधौला की तलाश के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार जारी है. ग्राम लोंग सेगड़ी के पास अतिवृष्टि के बाद नाले में आए तेज बहाव और मलबे की चपेट में आने के बाद पंकज लापता हुए थे. लापता चालक की तलाश में प्रशासन ने पूरी ताकत झोंक दी है. पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, सीमा सड़क संगठन और गढ़वाल राइफल्स के जवान लगातार सर्च ऑपरेशन में जुटे हैं. नाले के आसपास मलबे, बोल्डर, जलधारा और किनारों को एक-एक कर खंगाला जा रहा है.

रेस्क्यू अभियान में दो 20 टन क्षमता के एक्सकेवेटर और एक सात टन क्षमता का एक्सकेवेटर लगाया गया है. गढ़वाल राइफल्स के 25 से ज्यादा जवान और बीआरओ की 123 इकाई के 20 से अधिक जवान मौके पर तैनात हैं. वहीं एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें भी लगातार तलाशी अभियान चला रही हैं.

रेस्क्यू ऑपरेशन में सर्च डॉग और ड्रोन की भी मदद ली जा रही है. दुर्गम इलाकों में संभावित स्थानों की निगरानी के लिए ड्रोन से सर्चिंग की जा रही है, जबकि दो सर्च एंड रेस्क्यू डॉग मलबे और आसपास के हिस्सों में तलाश कर रहे हैं.

भारी बोल्डरों और मलबे को एक्सकेवेटर की मदद से हटाया जा रहा है. इसके बाद मलबे के नीचे और आसपास के हिस्सों की बारीकी से जांच की जा रही है. रेस्क्यू टीमों का पूरा फोकस इस बात पर है कि नाले का कोई भी हिस्सा बिना जांच के न छूटे. जिला प्रशासन पूरे अभियान की लगातार निगरानी कर रहा है. रेस्क्यू टीमों को जरूरी संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं. सर्च ऑपरेशन को तेज करने के निर्देश दिए गए हैं.

बता दें 10 अगस्त को चमोली जिले के ज्योतिर्मठ-मलारी मोटर मार्ग पर तमकनाला में अचानक अत्यधिक जलप्रवाह बढ़ने के चलते 123 बीआरटीएफ, सुराईथोटा की ओर से निर्मित वैली ब्रिज बह गया था. तेज बहाव की चपेट में एक व्यक्ति और एक कैंपर वाहन के बह गया. वैली ब्रिज बहने से ग्रामीणों का संपर्क ज्योतिर्मठ से टूट गया था।

गंगोत्री हाईवे पर फिर मंडराया खतरा, सोनगाड़ में सुरक्षा दीवार का 50 मीटर हिस्सा बहा

उत्तरकाशी, एजेंसी। गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोनगाड़ और लिम्चागाड़ में सुरक्षा कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल खड़े होने लगे हैं. सोनगाड़ में बॉर्डर रोड ऑर्गनाइजेशन (बीआरओ) की ओर से लगाई जा रही सुरक्षा दीवार का करीब 50 मीटर हिस्सा धंसकर नदी में बह गया. वहीं, लिम्चागाड़ में सड़क के नीचे बनाई गई. आरसीसी और वायरक्रेट सुरक्षा दीवार में भी धंसाव शुरू हो गया है. इससे गंगोत्री हाईवे पर दोबारा खतरा मंडराने लगा है. स्थानीय लोगों ने निर्माण कार्यों के मानकों की जांच की मांग उठाई है.

स्थानीय लोगों के अनुसार सोनगाड़ में बनाई गई सुरक्षा दीवार निर्माण के महज 22 दिन बाद ही धंसने लगी. उनका आरोप है कि निर्माण के दौरान ही दीवार में दरारें दिखाई देने लगी थीं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों की ओर से समय रहते इसकी निगरानी और जांच नहीं की गई. अब करीब 50 मीटर से अधिक हिस्सा नदी में बह जाने से हाईवे की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है.

स्थानीय निवासी राजेश रावत ने आरोप लगाया पिछले वर्ष आई आपदा में लिम्चागाड़ का पुल बहने के साथ ही सड़क को भी भारी नुकसान पहुंचा. वहीं सोनगाड़ के समीप गंगोत्री हाईवे का बड़ा हिस्सा नदी की भेंट चढ़ गया था. इसके चलते कई दिनों तक क्षेत्र में यातायात प्रभावित रहा था. उन्होंने कहा आपदा के करीब दस माह बाद क्षतिग्रस्त हिस्सों में निर्माण कार्य शुरू किया गया, लेकिन कार्य में गुणवत्ता और मानकों का पर्याप्त ध्यान नहीं रखा गया.

स्थानीय निवासी राजेश रावत का आरोप है कि सोनगाड़ और लिम्चागाड़ में बनाई गई चौड़ी सुरक्षा दीवारों में बड़े गोल पत्थरों और मिट्टी का अधिक इस्तेमाल किया गया है. उनका कहना है कि सीमेंट का उपयोग भी पर्याप्त मात्रा में नहीं किया गया. कई जगह केवल बाहरी सतह पर लीपापोती की गई. इसी का परिणाम है कि सोनगाड़ में सुरक्षा दीवार कुछ ही दिनों में धंस गई. उन्होंने पूरे निर्माण कार्य की तकनीकी जांच कराने और दोषी पाए जाने वालों पर कार्रवाई की मांग की है.

इधर, लिम्चागाड़ में हाईवे से करीब 100 मीटर नीचे बनाई गई आरसीसी दीवार और वायरक्रेट में भी धंसाव शुरू हो गया है. इससे भविष्य में सड़क की स्थिरता पर असर पड़ने की आशंका है. स्थानीय लोगों ने कहा यदि समय रहते सुरक्षा उपाय नहीं किए गए तो हाईवे को नुकसान पहुंचने के साथ यातायात के दौरान दुर्घटना का खतरा भी बढ़ सकता है।

प्रदेश के बहादुर बच्चों को इस साल से मिलेगा बाल वीरता पुरस्कार

चमोली, एजेंसी। प्रदेश के बहादुर बच्चों को इस साल से बाल वीरता पुरस्कार मिलेगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्वतंत्रता दिवस पर घोषणा कर बहादुर बच्चों को वीरता पुरस्कार मिलने का रास्ता साफ हो गया।

राज्य के बहादुर बच्चों को हर साल गणतंत्र दिवस पर सम्मानित किया जाता रहा है, लेकिन किन्हीं वजहों से पिछले कुछ वर्षों से इन बच्चों को सम्मानित नहीं किया जा रहा है। भारतीय बाल कल्याण परिषद की ओर से इन बच्चों से आवेदन तक नहीं लिए जा रहे हैं। जबकि राज्य में गुलदार से दूसरों की जान बचाकर अदम्य साहस का परिचय देने वाले बच्चों के मामले अक्सर सामने आते हैं। इसके अलावा प्रदेश के वीर बच्चे अपनी जान की परवाह किए बिना पानी में बहने से दूसरे को बचाने जैसे कई बहादुरी के काम करते रहे हैं।

राज्य के 15 बाल वीरों को अब तक राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार मिल चुका है। टिहरी गढ़वाल के हरीश राणा को वर्ष 2003, हरिद्वार की माजदा को 2004, अल्मोड़ा की पूजा कांडपाल को 2007, देहरादून के प्रियांशु जोशी को 2010, देहरादून की दिवंगत श्रुति लोधी को 2010, रुद्रप्रयाग के दिवंगत कपिल नेगी को 2011, चमोली की दिवंगत मोनिका उर्फ मनीषा को 2014, देहरादून के लाभांशु को 2014, टिहरी के अर्जुन को 2015, देहरादून के सुमित ममगाई को 2016, टिहरी गढ़वाल के पंकज सेमवाल को 2017, पौड़ी गढ़वाल की राखी को 2019, नैनीताल के सनी को 2020, पिथौरागढ़ के मोहित चंद उप्रेती को 2020 और रुद्रप्रयाग के नितिन रावत को 2022 में यह पुरस्कार मिल चुका है।

राखी ने गुलदार से बचाई थी अपने भाई की जान-पौड़ी जिले की बहादुर बिटिया राखी अपने चार साल के छोटे भाई की जान बचाने के लिए गुलदार से भिड़ गई थी। उसकी इस वीरता को देखते हुए उसे पूर्व में राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। राज्य में बाल वीरों के इस तरह के कई मामले हैं।

दो श्रमिक टनल में अभी भी लापता, तलाश जारी; यूकेडी ने टीएचडीसी के बाहर किया प्रदर्शन

चमोली, एजेंसी। पीपलकोटी-विष्णुगाड जल विद्युत परियोजना की टनल में अचानक भूस्खलन होने से 22 श्रमिक वहां फंस गए थे। 12 श्रमिकों को सुरक्षित निकाला गया, जबकि दो श्रमिक लापता हैं और आठ की जान जा चुकी है।

टीएचडीसी की पीपलकोटी-विष्णुगाड जल विद्युत परियोजना की टनल में हुए हादसे में दो श्रमिक अभी भी लापता हैं। श्रमिकों की तलाश के लिए खोज एवं बचाव अभियान जारी है।

पीपलकोटी में टीएचडीसी की टेल रेस टनल में बृहस्पतिवार को हुए हादसे के बाद से सर्च अभियान लगातार जारी है। सात शव पहले ही बरामद हो गए थे। वहीं, शनिवार को सर्च अभियान के दौरान एक और शव बरामद हुआ। जिसकी पहचान देवनाथ निवासी छत्तीसगढ़ के रूप में हुई है। अभी दो श्रमिकों की तलाश जारी है, जबकि 12 श्रमिकों को सुरक्षित निकाला गया है।

एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, आईटीबीपी, पुलिस व जिला प्रशासन की टीम सर्च अभियान में जुटी हैं। टनल के अंदर से पानी को बाहर निकालने के लिए पंप लगाया गया है। टनल के अंदर मशीन व अन्य निर्माण सामग्री पड़ी हुई है, पानी और मलबा भरा हुआ है, इससे सर्च अभियान में दिक्कत आ रही है। जिस जगह पर मलबा आया था टीमें वहां तक पहुंच गई हैं लेकिन अभी तक लापता दो श्रमिकों का पता नहीं चल पाया है।

टनल में हुए हादसे में मृतकों के परिजनों को उचित मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर यूकेडी ने आज टीएचडीसी के पीपलकोटी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया।

उनकी सुरक्षा कर्मियों के साथ

बेटियों का पहला सैनिक स्कूल खोलने में सिस्टम का अड़ंगा, शिक्षा निदेशक ने सभी सीईओ को दिए निर्देश

हरिद्वार, एजेंसी। सैन्य परंपरा के लिए पहचाने जाने वाले उत्तराखंड में बेटियों को भी सैन्य शिक्षा से जोड़ने की पहल फिलहाल अटकी हुई है। बालिकाओं के लिए पहला सैनिक स्कूल खोलने का प्रस्ताव लंबे समय से लंबित है। अब शिक्षा विभाग ने मामले को आगे बढ़ाने के लिए अधिकारियों को नए सिरे से निर्देश जारी किए हैं।

सैन्य बहुल प्रदेश उत्तराखंड में बेटियों की सेना में भागीदारी बढ़ाने के लिए बालिका सैनिक स्कूल खोलने का प्रस्ताव था। इस संबंध में शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत ने निर्देश भी दिए थे। इसके बावजूद सिस्टम ने इस प्रस्ताव को अब तक लटका रखा है। जिससे बेटियों के लिए पहला सैनिक स्कूल नहीं खुल पा रहा है। यदि यह स्कूल खुल जाता तो बेटियों को सैन्य शिक्षा के अधिक अवसर मिलते। अब माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने इस मामले में कार्रवाई के निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने सभी मुख्य शिक्षा अधिकारियों को इस संबंध में आवश्यक कदम उठाने के लिए कहा है।

प्रदेश के शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने एक जुलाई 2022 को सचिव विद्यालयी शिक्षा को इसके लिए प्रस्ताव तैयार करने के लिखित में निर्देश दिए थे। जिस पर 11 जुलाई 2022 को शासन ने शिक्षा महानिदेशक विद्यालयी शिक्षा को पत्र लिखकर राज्य में बालिका सैनिक स्कूल की स्थापना के लिए सुस्पष्ट प्रस्ताव मांगा लेकिन शिक्षा मंत्री और शासन के आदेश के बाद भी शिक्षा महानिदेशालय से इसके लिए प्रस्ताव तैयार कर शासन को नहीं भेजा गया।

हैरानी की बात यह है कि इस प्रकरण के अब चार साल बाद माध्यमिक शिक्षा निदेशक विनोद प्रसाद सिमल्टी ने सभी मुख्य शिक्षा अधिकारियों को बालिका एवं अन्य सैनिक स्कूलों की स्थापना के लिए कार्रवाई के लिए निर्देश दिए हैं। शिक्षा निदेशक ने 21 जुलाई 2026 को दिए निर्देश में कहा है कि शासन ने इस मामले में जिले की आवश्यकता के अनुरूप कार्रवाई की अपेक्षा की है।

राज्यकर विभाग से सेवानिवृत्त ज्वाइंट कमिश्नर एसपी नौटियाल बताते हैं कि उत्तराखंड में बालिका सैनिक स्कूल खोलने के मामले में जिस तरह से शासन और विभाग पिछले कुछ वर्षों से प्रस्ताव-प्रस्ताव खेल रहा है। इससे उसकी गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। वह बताते हैं कि बेटियां हर क्षेत्र में बराबरी की ओर बढ़ रही हैं इसके बावजूद सेना में अफसर बेटियां चार प्रतिशत से कम हैं। यदि बालिका सैनिक स्कूल उत्तराखंड में खुलता तो इससे बेटियों की सेना में भागीदारी बढ़ती।

मैं दिमागी नक्सल हूं, क्योंकि मैं देशभक्त हूं और मुझे इस पर गर्व है: केजरीवाल

● जो सवाल उठाए, सड़ी-गली व्यवस्था बदलना चाहे, भ्रष्टाचार मुक्त भारत का सपना देखे, पीएम के हिसाब से वह दिमागी नक्सल: केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री की ओर से देश में सरकार के खिलाफ उठने वाली हर आवाज को दिमागी नक्सल कहने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल खुद सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि हां, मैं दिमागी नक्सल हूं, क्योंकि मैं देशभक्त हूं और मुझे इस पर गर्व है। इस देश में जो सवाल उठाए, सड़ी-गली व्यवस्था बदला चाहे और भ्रष्टाचार मुक्त भारत का सपना देखे, प्रधानमंत्री के हिसाब से वह दिमागी नक्सल है। आज अगर भगत सिंह और बाबा साहब अंबेडकर जिंदा होते, तो प्रधानमंत्री उन्हें भी नहीं छोड़ते और उनको भी दिमागी नक्सल बोलते। उन्होंने कहा कि अगर देश के खिलाफ कोई कुछ करेगा या बोलेगा, तो मैं अपनी पूरी ताकत के साथ उसका मुकाबला करेगा। सोमवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के हिसाब से दिमागी नक्सल वह है, जो इस देश में प्रश्न उठाने की हिम्मत करता है। जो सड़ी-गली व्यवस्था को बदलना चाहता है, जो अच्छे सरकारी स्कूल, अस्पताल, बिजली, पानी, सीवर, ड्रेनेज और अच्छी व्यवस्था चाहता है, जो भ्रष्टाचार मुक्त भारत का सपना देखता है, वह प्रधानमंत्री के हिसाब से दिमागी नक्सल है। जो प्रधानमंत्री और भाजपा से डरता नहीं है और एक विकसित भारत का सपना देखता है, वह प्रधानमंत्री के हिसाब से दिमागी नक्सल है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज अगर भगत सिंह जिंदा होते, तो प्रधानमंत्री उन्हें भी दिमागी नक्सल बोलते। आज अगर बाबा साहब अंबेडकर जिंदा होते, जिन्होंने सबकी बराबरी के लिए लड़ाई लड़ी थी, तो प्रधानमंत्री उन्हें भी नहीं छोड़ते और उन्हें भी दिमागी नक्सल बोलते। मैं प्रधानमंत्री से कहना चाहता हूं कि मैं अरविंद केजरीवाल उनके हिसाब से दिमागी नक्सल हूं क्योंकि मैं देशभक्त हूं और मुझे इस बात का गर्व है। अगर देश के खिलाफ कोई कुछ करेगा या बोलेगा, तो केजरीवाल अपनी पूरी ताकत के साथ उसका मुकाबला करेगा। उधर, आप के वरिष्ठ नेता व राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री जी इस वक्त नौजवानों और जेन-जी के आंदोलन से बहुत परेशान हैं और अब जेन-अल्फा भी सड़कों पर आ गए हैं। वो कह रहे हैं कि पेपर लीक बंद करो, हमारे स्कूल ठीक करो और हमारी जिंदगी में सुधार लाओ। प्रधानमंत्री जी इतने परेशान हैं कि कभी रात में 12 बजे उठकर रील बनाने लगते हैं और कभी इन्हीं नौजवानों को दिमागी नक्सल कहते हैं। संजय सिंह ने पूछा कि प्रधानमंत्री जी आप दिमागी नक्सल किसको कहते हैं? वो नौजवान जो कह रहे हैं कि देश में पेपर लीक बंद करो और हमें रोजगार दो? वो छोटे-छोटे बच्चे जो सड़कों पर उतर कर कह रहे हैं कि हमारे स्कूल की छत टूट जा रही है, बच्चों के लिए बैठने का कमरा नहीं है, मिड-डे मील में नमक-रोटी खाने को मिलती है और हमारे खाने में कीड़े मिलते हैं, इसे ठीक कर दिया जाए।

एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने सीवर ओवरफ्लो, खुले गटर और जलभराव को लेकर जलमंत्री और डीजेबी सीईओ को लिखा पत्र

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने पश्चिमी पटेल नगर के रंजीत नगर वार्ड 87 में सीवर ओवरफ्लो, खुले गटर और जलभराव को लेकर जलमंत्री और डीजेबी सीईओ को पत्र लिखा है। उन्होंने सीवर ओवरफ्लो, खुले गटर और जलभराव से स्थानीय लोग बेहद परेशान हैं। गंदे पानी और दुर्गंध के कारण गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा हो रहा है। मैंने जल मंत्री और डीजेबी के सीईओ से तत्काल सीवर सफाई, खुले गटर बंद करने, जलनिकासी का स्थायी समाधान करने की मांग की है। साथ ही, लापरवाही बरतने वाले दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों की जवाबदेही तय करने और उन पर सख्त कार्रवाई की भी मांग की है। अंकुश नारंग ने पत्र में कहा है कि मेरे संज्ञान में पश्चिमी पटेल नगर एवं रंजीत नगर वार्ड नं. 87 के निवासियों की सीवर संबंधी गंभीर समस्या सामने आई है। क्षेत्र में लंबे समय से सीवर ओवरफ्लो, खुले गटर, गंदे पानी का फैलाव और जलभराव की समस्या बनी हुई है। इसके कारण स्थानीय निवासियों को अत्यंत कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है तथा क्षेत्र में गंदगी और दुर्गंध के कारण स्वास्थ्य संबंधी गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। उन्होंने पत्र में आगे कहा है कि स्थानीय निवासियों की ओर से संबंधित विभाग और उसके कर्मचारियों को कई बार शिकायतें दर्ज कराई गई हैं, लेकिन इसके बावजूद संबंधित कर्मचारियों की ओर से समस्या के समाधान के लिए अपेक्षित कार्रवाई नहीं की जा रही है। शिकायतों की लगातार अनदेखी किया जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं चिंताजनक है। अंकुश नारंग ने मांग की है कि क्षेत्र में सीवर ओवरफ्लो की समस्या का तत्काल समाधान कराया जाए। सभी खुले गटरों को प्राथमिकता के आधार पर बंद एवं सुरक्षित कराया जाए। जलभराव वाले स्थानों से तत्काल गंदे पानी की निकासी कराई जाए। सीवर लाइनों की पूरी तरह सफाई एवं आवश्यकतानुसार मरम्मत कराई जाए। पूर्व में दर्ज शिकायतों पर कार्रवाई न करने वाले संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जाए। क्षेत्र का निरीक्षण कर समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए और भविष्य में ऐसी समस्या दोबारा उत्पन्न न हो, इसकी उचित व्यवस्था की जाए। अंकुश नारंग ने जलमंत्री और डीजेबी के सीईओ से अपेक्षा की है कि जनहित में इस मामले को प्राथमिकता देते हुए तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे और संबंधित अधिकारियों से की गई कार्रवाई की रिपोर्ट भी प्राप्त करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

पेंशन और वेतन सीमा बढ़ाने की मांग को लेकर मजदूरों का प्रदर्शन

नई दिल्ली। न्यूनतम पेंशन बढ़ाने, ईपीएफ-ईएसआई की वेतन सीमा बढ़ाने और पुरानी पेंशन योजना बहाल करने समेत 12 मांगों को लेकर भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) ने सोमवार को जंतर मंतर पर प्रदर्शन किया। देशव्यापी आंदोलन के तहत हुए प्रदर्शन में मजदूर, कर्मचारी और पेंशनभोगी बैनर लेकर पहुंचे। उन्होंने केंद्र सरकार से उनकी लंबित मांगों पर जल्द फैसला लेने की मांग की। बीएमएस की प्रमुख मांग है कि ईपीएस 95 के तहत न्यूनतम पेंशन बढ़ाकर 7,500 रुपये प्रतिमाह की जाए। साथ ही इसे महंगाई भत्ते और आयुष्मान भारत योजना से जोड़ा जाए। संगठन ने ईएसआई की वेतन सीमा 21 हजार से बढ़ाकर 42 हजार रुपये और ईपीएफ की वेतन सीमा 15 हजार से बढ़ाकर 30 हजार रुपये करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने पूरे वेतन पर बोनस देने और बोनस की गणना की सीमा बढ़ाने की भी मांग रखी।

आरओबी को चौड़ा करना संभव नहीं, लेन का दायरा बढ़ाने पर मंथन शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के पांडव नगर की तरफ वाले कैरिजवे को चौड़ा किया जा सकता है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ऐसा करने के लिए अध्ययन कराने पर मंथन कर रहा है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की संस्तुति पर इस काम को कराने की तैयारी चल रही है। वहीं, एनएचएआई ने ट्रैफिक पुलिस को स्पष्ट कर दिया है कि इस कैरिजवे पर रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) को चौड़ा नहीं किया जा सकता, क्योंकि उसके बेहद करीब नेहरू एन्क्लेव के कई मकान है। अप्रैल में इस एक्सप्रेसवे का प्रधानमंत्री ने उद्घाटन किया था। तब से इस पर वाहनों का दबाव लगातार बढ़ रहा है। शकरपुर स्कूल ब्लॉक के पास जहां पर विकास मार्ग की स्लिप रोड एक्सप्रेसवे से मिल रही है, वहां से अक्षरधाम तक जाने वाले कैरिजवे पर रोज जाम लग रहा है। इस जाम का कारण है कि आरओबी और उससे आगे बन रहा बॉटलनेक है। पांच लेन का ट्रैफिक आगे तीन लेन में फंस जाता है। इस समस्या को देखते हुए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने दो सुझाव दिए थे। एक यह था कि पुराने आरओबी के साथ दो लेन का नया आरओबी बना दिया जाए।

राजधानी दिल्ली में सोमवार को जाम में फंस कर लोग हुए बेहाल

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में सोमवार को सड़कें जाम की चपेट में रहीं। सुबह से लेकर शाम तक शहर के अलग-अलग इलाकों से जाम की शिकायतें आती रहीं। खासतौर पर दक्षिणी दिल्ली में यह समस्या विकराल रही। कई जगह निर्माण कार्यों और ट्रैफिक पुलिस की गैर मौजूदगी के चलते यातायात व्यवस्था बिगड़ी नजर आई। लोगों की मानें तो सुबह के समय वजीराबाद फ्लाईओवर से कश्मीरी गेट जाने वाले मार्ग पर वाहन रेंगते नजर आए, वहीं मोदी मिल फ्लाईओवर के नीचे ट्रैफिक पूरी तरह ठप रहा। लोगों को अपने दफ्तरों की ओर जाने में देरी हुई। सीवी रमन मार्ग पर माता मंदिर सिग्नल से ईस्टर्न एवेन्यू तक लंबा जाम लगा, जिस कारण लोगों को समस्या हुई। डीएनडी फ्लाईवे पर आश्रम से नोएडा बॉर्डर तक वाहन रेंगते हुए चले, जबकि कालिंदी कुंज में रोज की तरह डेढ़ से दो किलोमीटर लंबा जाम लगा। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे के अक्षरधाम से मयूर विहार स्ट्रेच पर जाम की वजह से 20 मिनट से ज्यादा की देरी दर्ज की गई। इन इलाकों में जाम को लेकर लोगों ने दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के एक्स हैंडल पर शिकायत कर जाम का स्थायी समाधान करने की मांग की। दोपहर बाद हालात और बिगड़ गए।

एमजे5 की दमदार प्रस्तुति से स्वतंत्रता दिवस के रंग में रंगा वर्ल्डमार्क गुरुग्राम

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सेक्टर-65 स्थित वर्ल्डमार्क गुरुग्राम में संगीत, नृत्य और उत्सव से भरपूर शाम का आयोजन किया गया। बीजीआरई जिसे पहले ब्रुकफील्ड प्रॉपर्टीज के नाम से जाना जाता था, इस अवसर पर उत्सव के रंग में रंगा नजर आया। समारोह का मुख्य आकर्षण भारत के प्रसिद्ध डांस क्रू एमजे5 की लाइव प्रस्तुति रही। मूनवॉक, पॉपिंग, लॉकिंग, एनीमेशन और बॉलीवुड कोरियोग्राफी के अपने खास अंदाज के साथ एमजे 5 ने मंच संभाला और ऊर्जावान प्रस्तुति से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। प्रस्तुति के दौरान बड़ी संख्या में दर्शक उत्साह के साथ कार्यक्रम का आनंद लेते नजर आए। इस समारोह में एमजे5 के प्रशंसकों, लाइव परफॉर्मेंस के शौकीनों, परिवारों और अन्य आगंतुकों ने हिस्सा लिया। शानदार प्रस्तुति और उत्सवी माहौल ने स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या को यादगार बना दिया।

कल्याणपुरी में सफाईकर्मी की हत्या के बाद एक करोड़ रुपये मुआवजा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के विभिन्न इलाकों से आए सफाई कर्मचारियों और ऑटो-टिपर चालकों ने 27 वर्षीय सफाई कर्मचारी की कल्याणपुरी में चाकू मारकर हत्या किए जाने के विरोध में सोमवार को लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में प्रदर्शन किया और मृतक के परिवार को एक करोड़ रुपये का मुआवजा तथा परिवार के एक सदस्य को स्थाई सरकारी नौकरी देने की मांग की। कई कर्मचारी अस्पताल में एकत्र हुए, जहां अनिल का शव रखा गया था। उन्होंने आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी, परिवार को मुआवजा देने और उसे काम पर रखने वाली निजी कंपनी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों द्वारा नारेबाजी करने और मांगें पूरी होने तक परिवार को शव अंतिम संस्कार के लिए नहीं ले जाने देने के बीच अस्पताल में दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवान तैनात किए गए। दिल्ली सफाई कर्मचारी यूनियन के सदस्य करण सिंह महरोलिया ने कहा, हम परिवार के लिए एक करोड़ रुपये का मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को एमसीडी में स्थाई नौकरी देने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमारी मांगें पूरी होने तक अंतिम संस्कार नहीं होने देंगे। पूरी दिल्ली में ऑटो-टिपर सड़कों पर नहीं उतरेंगे। उन्होंने बताया कि प्रदर्शन के तहत कई इलाकों में ऑटो-टिपर सड़कों पर नहीं उतरे। अनिल को रविवार सुबह करीब 8.15 बजे कल्याणपुरी में कचरा एकत्र करने के दौरान चाकू मारा गया था। उसे लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल ले जाया गया, जहां बाद में उसकी चोटों के कारण मौत हो गई। पुलिस ने एक मामला दर्ज करके आरोपी की पहचान कर ली है, जो फरार है। पुलिस की टीम घटना की कड़ियों और हत्या के मकसद का पता लगाने के लिए सीसीटीवी फुटेज तथा अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही हैं। अनिल नगर निगम की ओर से एक निजी कंपनी के माध्यम से नियुक्त संविदा सफाई कर्मचारी था। घटना के बाद उसके सहकर्मियों ने धरना दिया था और आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी तथा परिवार को मुआवजा देने की मांग की थी। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने रविवार को कहा था कि वह अनिल के परिवार को मुआवजा दिलाना सुनिश्चित करेगी। निगम के प्रतिनिधियों ने परिवार से मुलाकात करके उन्हें यह आश्वासन भी दिया था।

नशा मुक्ति अभियान में विद्यार्थियों ने लिया नशे से दूर रहने का संकल्प

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

शाहदरा। डीएवी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-1, गांधीनगर, में 17 अगस्त को नशा मुक्ति जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय से पधारे भाई-बहनों का विद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस दौरान अतिथियों ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि दृढ़ संकल्प, सकारात्मक सोच, अच्छे संस्कार और आत्मविश्वास के माध्यम से नशे तथा अन्य बुरी आदतों से दूर रहा जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक, कर्मचारीगण एवं विद्यार्थियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। सभी ने संकल्प लिया कि वे स्वयं, अपने परिवार और समाज को नशामुक्त रखने के साथ तंबाकू, शराब एवं किसी भी प्रकार के मादक पदार्थ का सेवन नहीं करेंगे। साथ ही आसपास के लोगों, मित्रों और युवाओं को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करेंगे। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रमुख श्रीमान लखीराम जी ने प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय से पधारे सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया और विद्यार्थियों से नशामुक्त एवं स्वस्थ समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का आह्वान किया।

दिल्ली को कूड़े से आजादी अभियान में दफ्तरों से लेकर बाजारों तक होगी विशेष सफाई

नई दिल्ली। राजधानी को कूड़े और गंदगी से मुक्त बनाने के लिए 17 अगस्त से दो अक्तूबर तक दिल्ली को कूड़े से आजादी स्वच्छता अभियान-2026 में सरकारी कार्यालयों की सफाई से लेकर कूड़ा जमा होने वाले स्थानों, बाजारों, पार्कों, जलाशयों और अन्य सार्वजनिक स्थलों की सफाई पर विशेष जोर रहेगा। अभियान में पुराने रिकॉर्ड और अनुपयोगी सामान हटाने, नालियों की सफाई, अवैध पोस्टर-होर्डिंग हटाने और सार्वजनिक सुविधाओं की मरम्मत जैसे काम भी किए जाएंगे। एमसीडी के अनुसार, अभियान के तहत सभी सरकारी कार्यालयों में विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा। कार्यालयों के रिकार्ड कक्ष, भंडार कक्ष, गलियारे, शौचालय, पार्किंग और आसपास के क्षेत्रों की सफाई होगी। लंबे समय से रखे अनुपयोगी और पुराने दस्तावेजों की छंटाई कर निर्धारित नियमों के अनुसार उनका निस्तारण किया जाएगा। खराब फर्नीचर, उपकरण और अन्य अनुपयोगी सामान को भी नियमों के तहत हटाया जाएगा। अभियान के दौरान अधिकारी और कर्मचारी कार्यालय परिसरों के साथ सार्वजनिक स्थानों पर श्रमदान करेंगे।

कल्याणपुरी में दिनदहाड़े युवक की निर्मम हत्या पर राष्ट्रीय एकता मंच ने जताया आक्रोश, दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। कल्याणपुरी क्षेत्र में दिनदहाड़े खोड़ा कॉलोनी निवासी एवं दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में कार्यरत एक नवयुवक की निर्मम हत्या की घटना से राष्ट्रीय एकता मंच में गहरा आक्रोश व्याप्त है। संगठन ने इस जघन्य वारदात की कड़ी निंदा करते हुए सरकार एवं पुलिस प्रशासन से तत्काल और निष्पक्ष कार्रवाई करने तथा दोषियों को गिरफ्तार कर कानून के तहत कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की है। इस संबंध में राष्ट्रीय एकता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामजी लाल वैष्णव जी एवं राष्ट्रीय महासचिव श्री पंकज शर्मा जी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में घटना पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि समाज में भय और अराजकता फैलाने वाले अपराधियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाना चाहिए। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी एवं संस्थापक पंडित संतोष मिश्रा जी ने घटना पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि राजधानी दिल्ली में दिनदहाड़े एक नवयुवक की निर्मम हत्या अत्यंत गंभीर और चिंताजनक घटना है। उन्होंने सरकार एवं पुलिस प्रशासन से मांग की कि मामले की जांच में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो तथा सभी दोषियों को शीघ्र गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। पंडित संतोष मिश्रा जी ने कहा कि राष्ट्रीय एकता मंच पीड़ित परिवार के साथ पूरी मजबूती से खड़ा है। संगठन की मांग है कि पीड़ित परिवार को हरसंभव सरकारी एवं प्रशासनिक सहयोग उपलब्ध कराया जाए तथा परिवार को न्याय दिलाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामजी लाल वैष्णव जी ने कहा कि ऐसी घटनाओं से आम नागरिकों में असुरक्षा की भावना पैदा होती है। अपराधियों के मन में कानून का भय होना चाहिए और पीड़ित परिवार को शीघ्र न्याय दिलाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। राष्ट्रीय महासचिव श्री पंकज शर्मा जी ने कहा कि राष्ट्रीय एकता मंच अपराध और अराजकता के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करता रहेगा। दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाना चाहिए और कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित होनी चाहिए। राष्ट्रीय एकता मंच की प्रमुख मांगें सभी दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की जाए। मामले की निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच कराई जाए। दोषियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोरतम कार्रवाई की जाए। पीड़ित परिवार को उचित आर्थिक एवं प्रशासनिक सहायता उपलब्ध कराई जाए। क्षेत्र में कानून-व्यवस्था एवं नागरिकों की सुरक्षा को और मजबूत किया जाए। राष्ट्रीय एकता मंच ने स्पष्ट किया कि संगठन पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है और न्याय की इस लड़ाई को लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से मजबूती के साथ उठाता रहेगा।

शाहदरा पुलिस का अपराधियों पर शिकंजा, कृष्णा नगर में चोरी का खुलासा, एमएस पार्क में 12 घंटे में वारदात सुलझी

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

शाहदरा जिले में अपराधियों के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी है। कृष्णा नगर थाना पुलिस ने दिनदहाड़े हुई चोरी का खुलासा कर आरोपी अनीश अहमद को गिरफ्तार करते हुए सोने-चांदी के जेवर और नकदी बरामद की है। आरोपी के खिलाफ पहले से चोरी और सेंधमारी के तीन मामले दर्ज हैं। पूछताछ में गांधी नगर की एक अन्य चोरी का भी खुलासा हुआ और वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद की गई। एमएस पार्क थाना पुलिस ने घर में चोरी की वारदात का महज 12 घंटे में खुलासा करते हुए 24 वर्षीय जितिन उर्फ झाई उर्फ भाऊ को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से दो मोबाइल फोन, सोने का मंगलसूत्र और 11 हजार रुपये नकद बरामद हुए। पुलिस के अनुसार आरोपी की गिरफ्तारी से चोरी के तीन मामले सुलझे हैं। सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपी को शाहदरा रेलवे स्टेशन के पास से पकड़ा गया इसी क्रम में शाहदरा स्पेशल स्टाफ ने रानी गार्डन, शास्त्री नगर में जुए के अड्डे पर छापा मारकर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। मौके से 87,630 रुपये नकद, 156 ताश के पत्ते, जुए का हिसाब-किताब और कैलकुलेटर बरामद किया गया। पुलिस ने दिल्ली सार्वजनिक जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। डीसीपी शाहदरा राजेंद्र प्रसाद मीणा के नेतृत्व में जिले में चोरी, सेंधमारी और अवैध जुए जैसी गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी है।

किआ इंडिया ने अहमदाबाद में की नई डीलर ट्रेनिंग अकादमी की स्थापना, देशभर में दूसरी सुविधा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

अहमदाबाद। देश की प्रमुख मास-प्रीमियम कार कंपनियों में शामिल किआ इंडिया ने गुजरात के अहमदाबाद स्थित सुपरनोवा किआ में अपनी नई डीलर ट्रेनिंग अकादमी का उद्घाटन किया। इस अकादमी में हर महीने करीब 250 कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जा सकेगा। इसके जरिए कंपनी अपने डीलर नेटवर्क में बिक्री और सेवा से जुड़े कर्मचारियों की दक्षता और जानकारी को मजबूत करेगी। यह अकादमी ग्रुप के विभिन्न डीलरशिप के सेल्स और सर्विस कर्मचारियों के लिए लेवल-1 के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन करेगी। स्थानीय स्तर पर ट्रेनिंग की सुविधा उपलब्ध होने से नए कर्मचारियों को तेजी से प्रशिक्षित करने, मौजूदा कर्मचारियों के कौशल को लगातार बेहतर बनाने और केंद्रीय प्रशिक्षण पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। इससे कर्मचारियों को उनकी भूमिका के अनुसार बेहतर विशेषज्ञता हासिल करने के साथ डीलरशिप स्तर पर कार्यबल को स्थिर रखने में भी मदद मिलेगी। इस पहल से ग्राहकों को बेहतर और स्पष्ट जानकारी, तेज सर्विस, एक समान सर्विस मानकों और अधिक सहज वाहन स्वामित्व अनुभव का लाभ मिलेगा, चाहे वे किसी भी स्थान पर हों। वर्तमान और भविष्य की कारोबारी जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की गई यह अकादमी तकनीकी दक्षता, व्यवहार संबंधी कौशल और बेहतर सर्विस गुणवत्ता पर जोर देती है। इसका उद्देश्य किआ के बढ़ते ग्राहक आधार को कंपनी के विभिन्न संपर्क बिंदुओं पर भरोसेमंद, पारदर्शी एवं उत्कृष्ट सेवा अनुभव प्रदान करना है। अहमदाबाद की यह अकादमी इस साल की शुरूआत में कोच्चि स्थित इंचियोन किआ में शुरू की गई किआ इंडिया की पहली डीलर ट्रेनिंग अकादमी के बाद दूसरी सुविधा है, जो व्यवस्थित प्रशिक्षण को डीलर नेटवर्क के और करीब लाने पर कंपनी के फोकस को और मजबूत करती है। इसके साथ कंपनी की दोनों अकादमियों की संयुक्त प्रशिक्षण क्षमता अब हर महीने करीब 500 कर्मचारियों की हो गई है। इसके जरिए किआ इंडिया अपने डीलर नेटवर्क में कुशल कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने और सेल्स व सर्विस नेटवर्क में ग्राहकों को एक समान अनुभव देने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत कर रही है।

राघुबीर नगर में ई-रिक्शा की बैटरी में विस्फोट से गोदाम में आग, दो की मौत

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में और गुजरात में सोमवार सुबह आग लग गई, सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पर लिया है। पहली आग पश्चिमी दिल्ली के राघुबीर नगर इलाके में ई-रिक्शा की बैटरी में विस्फोट के बाद एक गोदाम में भीषण आग लग गई। वहीं, दूसरी घटना गुजरात के भरूच जिले के दहेज में भी सोमवार सुबह विजन प्रोडक्ट्स कंपनी में आग लग गई। पश्चिमी दिल्ली के राघुबीर नगर इलाके में सोमवार तड़के ई-रिक्शा की बैटरी में विस्फोट के बाद एक गोदाम में भीषण आग लग गई। हादसे में आग की चपेट में आए दो लोग गंभीर रूप से झुलस गए। दोनों को राघुबीर नगर स्थित गुरु गोविंद सिंह अस्पताल ले जाया गया, जहां ड्यूटी डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दिल्ली अग्निशमन सेवा के मुताबिक, सोमवार सुबह 4:42 बजे आर-17ए, मस्जिद गुरुद्वारा रोड स्थित एक गोदाम में आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही दमकल की तीन वाटर टेंडर और एक वाटर बाउजर को मौके पर भेजा गया। अधिकारियों के अनुसार, आग इमारत की पहली मंजिल पर रखे घरेलू सामान में लगी थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पहली मंजिल पर रखी ई-रिक्शा की बैटरी में विस्फोट के बाद आग भड़की। इसके बाद आग ने वहां रखे घरेलू सामान को अपनी चपेट में ले लिया। बताया जा रहा कि इमारत ग्राउंड फ्लोर के अलावा चार मंजिल की है। दमकल कर्मियों के पहुंचने से पहले ही आग से झुलसे दोनों लोगों को अस्पताल पहुंचाया जा चुका था, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद दमकल विभाग के एसटीओ बत्ती लाल और एसओ महेश भी मौके पर पहुंचे। सोमवार सुबह 5:25 बजे आग से संबंधित घटना की जानकारी दी गई। पुलिस और दमकल विभाग की टीमें आग लगने के कारणों, मृतकों की पहचान और संपत्ति को हुए नुकसान का आकलन कर रही हैं। इसके साथ ही आग लगने का सही कारण पता लगाया जा रहा है। वहीं, गुजरात के भरूच जिले के दहेज में भी सोमवार सुबह विजन प्रोडक्ट्स कंपनी में आग लगने की सूचना सामने आई। बताया गया कि आग कंपनी के वेयरहाउस से शुरू हुई, जहां रेजिन का उत्पादन होता है। आग पर काबू पाने के लिए पांच से अधिक फायरफाइटिंग टीमें मौके पर तैनात की गईं।

विद्यार्थियों के भविष्य से खिलवाड़ बंद करे एनटीए: अभाविप

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने जून 2026 में आयोजित यूजीसी नेट परीक्षा के अंग्रेजी, वाणिज्य एवं समाजशास्त्र विषयों की परीक्षा पुनः आयोजित किए जाने पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि एनटीए विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बंद करे और पूरे मामले की परिस्थितियों एवं जिम्मेदारी को स्पष्ट करे। अभाविप ने कहा कि एनटीए द्वारा जारी सूचना के अनुसार इन तीनों प्रश्नपत्रों में तथ्यात्मक, टाइपोग्राफिकल, अनुवाद एवं भाषा संबंधी गंभीर त्रुटियां पाई गई हैं। इसे पहले परिषद ने पूर्व में यूजीसी सचिव को ज्ञापन सौंपकर प्रोविजनल उत्तर कुंजी जारी करने में हो रही देरी को लेकर इसे जल्द जारी करने की मांग की थी। परिषद ने कहा कि एनटीए को स्पष्ट करना चाहिए कि ऐसी त्रुटियां किन परिस्थितियों में हुईं और प्रश्नपत्र निर्माण एवं गुणवत्ता जांच के दौरान इन्हें समय रहते क्यों नहीं पकड़ा गया? परिषद ने बताया कि अभाविप देशभर में विद्यार्थियों, शिक्षाविदों एवं अन्य हितधारकों से परीक्षा सुधार के संबंध में सुझाव ले रही है। चंडीगढ़, दिल्ली एवं पटना में इस दिशा में बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं तथा प्राप्त सुझावों को परीक्षा सुधार हेतु गठित उच्च स्तरीय समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

Public Notice

I, Ex-Service No. 9926884Y, Rank L/ Nk Tashi Namgail S/o Punchok Angchok R/o Kukshow, Kargil-UT Ladakh do hereby inform that my son's name has been wrongly recorded in my Army Record as Punchok Norgial instead of Phunchok Norgial. That his actual and correct name is Phunchok Norgial. Now, I have applied for correction of my son's name in my Army Record. Objection, if any, conveyed within seven days of this publication.

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, मंगलवार, 18 अगस्त, 2026

संक्षिप्त खबरें

मिशन ओलिंपिक 2036: भारतीय खिलाड़ियों की ट्रेनिंग होगी हाईटेक

नई दिल्ली। 2036 ओलिंपिक में भारत को ज्यादा पदक दिलाने के लिए आईआईटी दिल्ली खेलों में नई तकनीक का इस्तेमाल कर रहा है। इसके लिए आईआईटी दिल्ली ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और ब्रिटेन के एक्सेटर विश्वविद्यालय के साथ मिलकर काम शुरू किया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बेहतर करना, चोट से बचाना और चोट लगने के बाद जल्दी ठीक होने में मदद करना है। खिलाड़ियों की ट्रेनिंग को भी आंकड़ों और वैज्ञानिक तरीके से बेहतर बनाया जाएगा। जानकारी के मुताबिक, जनवरी 2024 में आईआईटी दिल्ली और एक्सेटर विश्वविद्यालय के बीच साझेदारी हुई थी। इसमें खेल विज्ञान, खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन और चोट से उबरने जैसे विषयों पर काम करने का फैसला हुआ था। इसके तहत आईआईटी दिल्ली के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग में सितंबर 2025 में स्पोर्ट्स बायोमैकेनिक्स लैब शुरू की गई। इसे साई के नेशनल सेंटर फार स्पोर्ट्स साइंस एंड रिसर्च के सहयोग से बनाया गया है। लैब का फायदा मिलेगा इस लैब में खिलाड़ियों के शरीर की गति, चाल और मांसपेशियों की गतिविधियों का वैज्ञानिक तरीके से अध्ययन किया जाएगा। इससे यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि खिलाड़ी अपना प्रदर्शन कैसे बेहतर कर सकता है और उसे चोट लगने का खतरा कितना है।

निर्माणाधीन हॉस्टल में काम के दौरान गिरा स्लाइडिंग गेट, सुरक्षा गार्ड की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के केजी मार्ग पर स्थित एक निर्माणाधीन छात्रावास में एक दुखद हादसा हुआ। यहां गेट गिरने से एक सुरक्षा गार्ड की मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में धारा 106(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह घटना 16 अगस्त 2026 को दोपहर करीब 12:00 से 12:30 बजे के बीच हुई थी। सुरक्षा गार्ड धर्मपाल गेट के नीचे दब गए। उन्हें गंभीर रूप से घायल अवस्था में पाया गया। सूचना 16 अगस्त 2026 को शाम 5:08 बजे संसद मार्ग पुलिस स्टेशन को मिली। घायल धर्मपाल को तुरंत डॉ. आरएमएल अस्पताल ले जाया गया। वहां उन्हें बेहोशी की हालत में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान धर्मपाल ने दम तोड़ दिया। धर्मपाल की उम्र लगभग 50 वर्ष थी। वह उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले के गणेशपुर गांव के निवासी थे। उनके पिता का नाम रामलखन है। सहकर्मी ने पूछताछ में दी जानकारी प्रारंभिक पूछताछ में धर्मपाल के सहकर्मी बृजेश तिवारी ने जानकारी दी।

आरओबी को चौड़ा करना संभव नहीं, लेन का दायरा बढ़ाने पर मंथन शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के पांडव नगर की तरफ वाले कैरिजवे को चौड़ा किया जा सकता है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने ऐसा करने के लिए अध्ययन कराने पर मंथन कर रहा है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की संस्तुति पर इस काम को कराने की तैयारी चल रही है। वहीं, एनएचएआई ने ट्रैफिक पुलिस को स्पष्ट कर दिया है कि इसकैरिजवे पर रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) को चौड़ा नहीं किया जा सकता, क्योंकि उसके बेहद करीब नेहरू एन्क्लेव के कई मकान हैं। अप्रैल में इस एक्सप्रेसवे का प्रधानमंत्री ने उद्घाटन किया था। तब से इस पर वाहनों का दबाव लगातार बढ़ रहा है। शकरपुर स्कूल ब्लॉक के पास जहां पर विकास मार्ग की लिंक रोड एक्सप्रेसवे से मिल रही है, वहां से अक्षरधाम तक जाने वाले कैरिजवे पर रोज जाम लग रहा है। इस जाम का कारण है कि आरओबी और उससे आगे बना रहा बॉटलनेक है। पांच लेन का ट्रैफिक आगे तीन लेन में फंस जाता है। इस समस्या को देखते हुए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने दो सुझाव दिए थे। एक यह था कि पुराने आरओबी के साथ दो लेन का नया आरओबी बना दिया जाए।

निर्माणाधीन गेट का स्लाइडिंग गेट गिरा, सुरक्षा गार्ड की मौत

नई दिल्ली। नई दिल्ली जिले के केजी मार्ग स्थित निर्माणाधीन हॉस्टल में रविवार दोपहर दर्दनाक हादसा हो गया। बिजली कनेक्शन का काम करने के दौरान अचानक स्लाइडिंग गेट गिर गया और उसकी चपेट में आने से सुरक्षा गार्ड धर्मपाल (50) गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें बेहोशी की हालत में डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में लापरवाही का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, 16 अगस्त को शाम करीब 5:08 बजे संसद मार्ग थाना पुलिस को सूचना मिली कि केजी मार्ग स्थित निर्माणाधीन हॉस्टल में स्लाइडिंग गेट गिरने से एक सुरक्षा गार्ड घायल हो गया है। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो पता चला कि घायल धर्मपाल को अस्पताल ले जाया जा चुका है। अस्पताल में इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। धर्मपाल हरदोई जिले के गणेशपुर गांव के रहने वाले थे। वह निर्माणाधीन हॉस्टल में सुरक्षा गार्ड की ड्यूटी करते थे। पूछताछ में धर्मपाल के सहकर्मी बृजेश तिवारी (54) ने पुलिस को बताया कि वे दोनों सुबह नौ बजे से रात नौ बजे तक ड्यूटी पर थे।

सफाईकर्मी की हत्या के विरोध में लोगों के साथ आप विधायक कुलदीप कुमार का धरना दूसरे दिन भी

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के कल्याणपुरी में रविवार सुबह सरेआम चाकू से हमला कर सफाई कर्मचारी की हत्या के विरोध में लोगों का धरना सोमवार को भी जारी है। मृतक परिवार को न्याय दिलाने के लिए आम आदमी पार्टी के कोंडली से विधायक कुलदीप कुमार भी लोगों के साथ धरने पर बैठे हैं। लेकिन अभी तक रेखा गुप्ता सरकार की तरफ से कोई भी प्रतिनिधि मिलने नहीं पहुंचा है। इस बाबत आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि सफाई कर्मचारी की दिन दहाड़े हत्या के विरोध में हजारों लोग धरने पर बैठे हैं। लोगों की मांग है कि सीएम मिलने आए और परिवार को एक करोड़ की मदद की जाए, लेकिन सरकार मौन है। उधर, धरने पर बैठे कोंडली से आप विधायक कुलदीप कुमार ने कहा कि हम लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल के अंदर मौजूद हैं। यह रविवार सुबह सात बजे की घटना है जब सफाई का काम करने वाले हमारे भाई अनिल की दिल्ली में चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। इस घटना के बाद से हजारों सफाई कर्मचारी यहां धरने पर बैठे हुए हैं। पूरी रात यहां बैठे रहने के बाद अब अगला दिन हो चुका है, लेकिन अभी तक अनिल का हत्यारा पकड़ा नहीं गया है। कुलदीप कुमार ने बताया कि अभी तक पीड़ित परिवार से मिलने के लिए सरकार का कोई प्रतिनिधि भी नहीं आया है। दिल्ली में रेखा गुप्ता की एक ऐसी सरकार है जो सफाई कर्मचारियों के दर्द को नहीं समझती है। यह सरकार दलित समाज को कीड़े-मकोड़े समझती है और सोचती है कि जैसे कीड़े-मकोड़े मरते रहते हैं, वैसे ही ये लोग भी मरते रहें। आज दिल्ली में कानून-व्यवस्था बेहाल हो चुकी है और सरकार ने दिल्ली के हालात बेहद खराब कर दिए हैं। कुलदीप कुमार ने बताया कि लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल के बाहर हजारों की संख्या में लोग खड़े हैं। मैं सभी सफाई कर्मचारी भाइयों से कहना चाहता हूं कि वे दिल्ली के जिस भी कोने में काम करते हैं, अपना काम बंद कर दें और हड़ताल करें। सभी लोग एकजुट होकर अपने भाई अनिल के लिए इंसाफ और न्याय की मांग करें। इस गूंगी-बहरी रेखा गुप्ता सरकार के कानों तक अपनी आवाज पहुंचाने का काम करें। सभी लोग हमारा साथ दें और लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल पहुंचें। कुलदीप कुमार ने कहा कि जब तक सफाई कर्मचारी अनिल को न्याय नहीं मिलता, ये संघर्ष जारी रहेगा। दिनदहाड़े हुई उनकी हत्या दिल्ली की कानून-व्यवस्था और पुलिस की नाकामी पर गंभीर सवाल खड़े करती है। अगर सरकार ने तुरंत कार्रवाई नहीं की, तो पूरी दिल्ली में चक्का जाम होगा। अगर दिल्ली की जनता को सड़क पर उतरने के लिए मजबूर होना पड़ा, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी भाजपा सरकार की होगी। कुलदीप कुमार ने कहा कि सरकार कितने लोगों को काम से हटाएगी और अगर हटा देगी तो सफाई का काम किससे करवाएगी?

दिल्ली में ई-रिक्शा की बैटरी फटने से मकान में लगी आग, दो की मौत

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में पश्चिमी जिले के रघुबीर नगर में सोमवार तड़के ई-रिक्शा की बैटरी फटने से एक मकान में आग लग गई। हादसे में दो लोग गंभीर रूप से झुलस गए। दोनों को गुरु गोविंद सिंह अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान सफेद (17) और मोहम्मद सामिद (38) के रूप में हुई है। दमकल विभाग के अनुसार, तड़के करीब 4:42 बजे रघुबीर नगर के मस्जिद गुरुद्वारा रोड स्थित आर-17ए में आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही दमकल की पांच गाड़ियों को भेजा गया। दमकल अधिकारियों ने आग पर काबू पाने की कार्रवाई शुरू की। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मकान की पहली मंजिल पर घरेलू सामान रखा था। इसी दौरान ई-रिक्शा की बैटरी में जोरदार विस्फोट हुआ, जिसके बाद आग फैल गई। इमारत ग्राउंड फ्लोर के अलावा चार मंजिल की बनी हुई है। आग लगने के दौरान वहां मौजूद दोनों युवक इसकी चपेट में आकर झुलस गए। दमकल कर्मियों के पहुंचने से पहले ही दोनों को निकालकर गुरु गोविंद सिंह अस्पताल, रघुबीर नगर पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। दमकल अधिकारियों ने करीब 5:25 बजे आग से संबंधित कार्रवाई समाप्त होने की सूचना दी। अधिकारियों के मुताबिक आग घरेलू सामान तक सीमित थी। हादसे के सही कारणों और बैटरी में विस्फोट की परिस्थितियों की जांच की जा रही है। पुलिस और संबंधित एजेंसियां मौके से साक्ष्य जुटाकर आगे की कार्रवाई कर रही हैं।

मंडियों के आधुनिकीकरण एवं बुनियादी सुविधाओं को बेहतर करने में जुटी सरकार: कपिल मिश्रा

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के विकास मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि सरकार मंडियों के आधुनिकीकरण एवं बुनियादी सुविधाओं को बेहतर करने के लिए तेजी से काम कर रही है। उन्होंने कहा श्रमिकों के भोजन एवं पोषण और अच्छे स्वास्थ्य के लिए सरकार तत्पर है। आजादपुर मंडी में अटल कैंटीन के साथ आयुष्मान आरोग्य मंदिर भी शुरू किया जा रहा है। इससे मंडी में काम करने वाले लोगों को भोजन और स्वास्थ्य दोनों सुविधाएं उपलब्ध हो रही है। मंत्री कपिल ने आज एक बयान जारी करते हुए कहा कि विकसित भारत 2047 और विकसित दिल्ली के संकल्प को पूरा करने के लिए दिल्ली अब नई ऊर्जा एवं नई गति से जुटेगी। इस क्रम में रविवार को 100 अटल कैंटीन के संकल्प को पूरा किया है। आजादपुर मंडी में भी दो अटल कैंटीन का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि मंडियों में सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था की जाएगी, ताकि मंडी परिसर में पशु अंदर न जाएं। कपिल मिश्रा ने कहा कि मंडी में सीवर व्यवस्था को बेहतर करने के लिए बोर्ड बैठक में प्रस्ताव पास किया गया है। टूटी हुई सड़कों की मरम्मत कराई जाएगी। मंडी के प्रवेश गेट पर ऑनलाइन एंट्री की व्यवस्था करने की दिशा में भी काम किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वाहनों के वजन की प्रक्रिया को भी तकनीक से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि मंडी में प्रवेश करते समय ही वाहन का वजन किया जा सके और पूरी व्यवस्था अधिक व्यवस्थित एवं आधुनिक बनाई जा सके। कपिल मिश्रा ने कहा कि लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्पष्ट रूप से कृषि क्षेत्र का उल्लेख किया है, उनके नेतृत्व में किसान कल्याण के साथ ही कृषि और कृषि से जुड़े समस्त व्यवसायों को प्रोत्साहन मिल रहा है। उन्होंने आजादपुर मंडी की साफ-सफाई को बेहतर बनाने के लिए व्यापारियों और अधिकारियों से सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि कूड़े का उचित तरीके और समयबद्ध निपटान करने से सभी को लाभ होगा।

एनएसयूआई का एनटीए कार्यालय के बाहर प्रदर्शन, एजेंसी भंग करने की मांग

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। यूजीसी-नेट जून 2026 परीक्षा में कथित अनियमितताओं और प्रश्नपत्रों में सामने आई गड़बड़ियों के विरोध में भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन ने सोमवार को राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के कार्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने किया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में छात्र और यूजीसी-नेट अभ्यर्थी शामिल हुए। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हिरासत में लिया। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी को भंग करने और उसके अध्यक्ष के तत्काल इस्तीफे की मांग की। एनएसयूआई नेताओं का आरोप है कि परीक्षा व्यवस्था में लगातार सामने आ रही खामियों के कारण विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उनका कहना है कि परीक्षा आयोजित कराने वाली संस्था की जवाबदेही तय होनी चाहिए और विद्यार्थियों को बार-बार होने वाली प्रशासनिक एवं तकनीकी गड़बड़ियों का खामियाजा नहीं भुगतना चाहिए। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने कहा कि अंग्रेजी, वाणिज्य और समाजशास्त्र विषयों की पुनः परीक्षा कराने के निर्णय के बाद यह प्रदर्शन किया गया है। उनके अनुसार, जांच में प्रश्नपत्रों में तथ्यात्मक, मुद्रण, अनुवाद और व्याकरण संबंधी त्रुटियों के साथ-साथ पहले पूछे जा चुके प्रश्नों की पुनरावृत्ति जैसी गंभीर कमियां सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि परीक्षा व्यवस्था की विफलताओं की कीमत विद्यार्थियों से वसूलना उचित नहीं है। जाखड़ ने कहा कि जब तक राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी को समाप्त नहीं किया जाता और विद्यार्थियों को न्याय नहीं मिलता, तब तक उनका संगठन संघर्ष जारी रखेगा। उन्होंने परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही और विद्यार्थियों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की मांग की। विद्यार्थियों ने उठाए सवाल प्रदर्शन में शामिल छात्रा वैष्णवी भारद्वाज ने परीक्षा व्यवस्था में लगातार सामने आ रही अनियमितताओं पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा आयोजित परीक्षाओं में बार-बार गड़बड़ियां सामने आने से विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों की वर्षों की मेहनत प्रभावित होती है। उन्होंने परीक्षा आयोजित करने वाली संस्थाओं की जिम्मेदारी तय किए जाने की मांग की। एक अन्य छात्रा सौम्य श्रीवास्तव ने भी राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रश्नपत्रों में गड़बड़ी और प्रश्नों की पुनरावृत्ति जैसी घटनाएं विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हैं।

स्ट्रोक की समय पर पहचान बचा सकती है मस्तिष्क, दिल्ली एम्स में 400 विशेषज्ञों ने दिए अहम सुझाव

नई दिल्ली। स्ट्रोक की समय पर पहचान, तत्काल उपचार और बेहतर रेफरल व्यवस्था से मस्तिष्क को होने वाली स्थाई क्षति को काफी हद तक रोका जा सकता है। इसके लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर बड़े अस्पतालों तक स्ट्रोक की रोकथाम, शुरुआती पहचान और उपचार की व्यवस्था को मजबूत करना जरूरी है। एम्स नई दिल्ली के न्यूरोलाजी विभाग की ओर से छह अगस्त को आयोजित इंडियन स्ट्रोक एसोसिएशन की सीएमई में विशेषज्ञों ने देश में स्ट्रोक देखभाल की व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिया। सीएमई में 400 से अधिक स्वास्थ्यकर्मी जुटे सीएमई में 400 से अधिक स्वास्थ्यकर्मियों ने हिस्सा लिया। विषय ह्रावरत में स्ट्रोक देखभाल का विस्तार: रोकथाम से उन्नत उपचार तकह था। इसका आयोजन मस्तिष्क की रक्त वाहिकाओं की जांच के लिए होने वाली सेरेब्रल एंजियोग्राफी के 100 वर्ष पूरे होने और इसके जनक एगास मोनिज को श्रद्धांजलि के अवसर पर किया गया। इस मौके पर एम्स के निदेशक प्रो. निखिल टंडन ने कहा कि स्ट्रोक चिकित्सा अब केवल तंत्रिका संबंधी कमजोरी और अन्य लक्षणों की पहचान तक सीमित नहीं है, बल्कि मस्तिष्क के कार्य को बचाने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि स्ट्रोक की रोकथाम और उपचार सामूहिक जिम्मेदारी है। चिकित्सा व्यवस्था का लक्ष्य स्ट्रोक से मस्तिष्क को हुए नुकसान का उपचार करने के साथ ही मस्तिष्क के कार्य को सुरक्षित रखना होना चाहिए। जांच और रेफरल व्यवस्था मजबूत करने पर जोर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की अपर सचिव व राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेशक अराधना पटनायक ने स्ट्रोक की रोकथाम, शुरुआती पहचान और समय पर रेफरल को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के माध्यम से स्ट्रोक के जोखिम कारकों की जांच तथा आशा, एएनएम, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों और चिकित्सा अधिकारियों के प्रशिक्षण पर जोर दिया। उन्होंने हब-एंड-स्पोक व्यवस्था के माध्यम से प्राथमिक और विशेषज्ञ उपचार केंद्रों के बीच रेफरल व्यवस्था मजबूत करने की जरूरत बताई। नीति आयोग के सदस्य प्रो. एम. श्रीनिवास ने कहा कि स्ट्रोक देखभाल में रोकथाम, शुरुआती पहचान, आपात उपचार, पुनर्वास और सामुदायिक जागरूकता सभी को एक साथ मजबूत करना जरूरी है। उन्होंने 12 आकांक्षी जिलों में चल रही ब्रेन हेल्थ पहल का उल्लेख करते हुए बहुविषयक सहयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्कूली बच्चे भी स्ट्रोक के प्रति जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

दिल्ली मेट्रो में फोटो लेने का आरोपी सीआईएसएफ कर्मी सस्पेंड; लड़की नहीं चाहती ऐक्शन

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

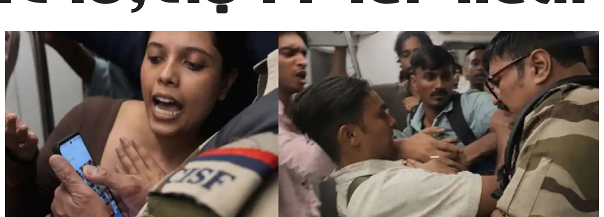

नई दिल्ली। सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स यानी सीआईएसएफ ने दिल्ली मेट्रो ट्रेन में महिला यात्री (लड़की/युवती) के साथ कथित गलत व्यवहार के आरोपी जवान को सस्पेंड कर दिया है। सीआईएसएफ दिल्ली मेट्रो ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सीआईएसएफ ने आरोपों को बहुत गंभीरता से लिया है। आरोपी जवान को तुरंत प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है। मामले की विस्तृत जांच के आदेश दिए गए हैं। जांच के नतीजों के आधार पर आगे ऐक्शन लिया जाएगा। वायरल हो रहा वीडियो बता दें कि कथित घटना से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें एक युवती सीआईएसएफ के एक जवान पर मोबाइल फोन से उसकी फोटो खींचने का आरोप लगा रही है। वीडियो सामने आने के बाद मेट्रो ट्रेन में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चर्चा शुरू हो गई। मामला साकेत मेट्रो रेल स्टेशन से जुड़ा बताया जा रहा है। किसी ने रिकॉर्ड कर लिया पूरे विवाद का वीडियो युवती ने पुलिस को बताया कि घटना के समय वह किसी के साथ थीं। उनके अनुसार, इसी दौरान सीआईएसएफ के एक एएसआई ने कथित तौर पर अपने मोबाइल फोन से कथित तौर पर उनकी कुछ तस्वीरें खींच लीं। आरोपी से विवाद और हाथापाई की घटना का वीडियो किसी व्यक्ति ने रिकॉर्ड कर लिया। इसके बाद यह सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। शिकायतकर्ता बोली- कोई कार्रवाई नहीं चाहत एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद शिकायतकर्ता से रात के दौरान फोन पर संपर्क करने की कोशिश की गई। हालांकि उनकी ओर से कोई जवाब नहीं मिला। बाद में शिकायतकर्ता की ओर से बताया गया कि वह फिलहाल दिल्ली से बाहर है। शिकायतकर्ता लड़की ने यह भी कहा कि वह मामले में कोई कार्रवाई नहीं चाहती है। भेजा लिखित बयान शिकायतकर्ता ने कुछ घंटे के भीतर व्हाट्सऐप के जरिए अपना लिखित बयान भी भेजा। इसमें उसने कहा कि वह मामले में कोई कार्रवाई नहीं चाहती है। हालांकि, पुलिस ने मामले से संबंधित जानकारी उक्रत्रक्के साथ साझा करने का निर्णय लिया ताकि विभागीय कार्रवाई की जा सके। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शिकायतकर्ता ने आगे कोई कार्रवाई नहीं मांगी है। बहस बढ़ी, हाथापाई इस बीच उक्रत्रक्के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जांच पूरी होने तक आरोपी अधिकारी को सस्पेंड कर दिया गया है। आरोपी ने महिला की तस्वीरें लेने से इनकार किया लेकिन जब उसके मोबाइल फोन की गैलरी में महिला की तस्वीरें कथित तौर पर मिलीं तो सहयात्री भी विवाद में शामिल हो गए। यात्रियों ने उससे तस्वीरें डिलीट करने के लिए कहा लेकिन जब अधिकारी कोच से बाहर निकलने लगा तो कुछ यात्रियों ने उसे रोका।

अवध ओझा ने की आरएसएस की तारीफ, पूर्व आप नेता ने कहा- मैं तो बीजेपी से ही टिकट चाहता था

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। मशहूर कोचिंग गुरु और आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व नेता अवध ओझा ने राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ (आरएसएस) की तारीफ करते हुए कहा है कि वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से ही चुनाव लड़ना चाहते थे। आरएसएस की पत्रिका पाञ्चजन्य के एक कार्यक्रम में शामिल हुए ओझा ने 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान आरएसएस की भूमिका का जिक्र करते हुए यह बात कही। आप के टिकट पर 2025 में दिल्ली के पटपड़गंज सीट से विधानसभा का चुनाव लड़ने वाले कोचिंग शिक्षक ने कहा कि वह भाजपा से ही टिकट चाहते थे, लेकिन इलाहाबाद सीट को लेकर सहमति नहीं बनी, जहां से वह लड़ना चाहते थे। सुशासन संवाद- राजस्थान के कार्यक्रम में अवध ओझा ने एक सवाल के जवाब में कहा कि वह राष्ट्रवाद, भारतीय परंपरा, संस्कृति की पहचान जैसे मसलों पर खुद को आरएसएस के विचारों के नजदीक पाते हैं। ओझा ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के कार्यकाल में एनडीए सरकार की ओर से शुरू की गई स्वर्णिम चतुर्भुज और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की तारीफ करते हुए कहा, ह्यउसने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को कितनी गति दी। अगर हम अटल बिहारी वाजपेई के पूरे कार्यकाल को देखें, उन्होंने पाकिस्तान को भी सौहार्दता दिखाई कि भाई तू क्यों भीख मांगने पर उतारू है। ओझा ने कहा कि अटल जी ने पाकिस्तान से कहा कि क्यों उस स्थिति में पहुंचना चाहते हो जहां तुम्हारा अस्तित्व ही खत्म हो जाए। मतलब दुश्मन सौहार्दता दिखाना, उससे विकास की बातें करना, उसे अपने साथ जोड़ना... लाहौर बस यात्रा, यह अलग बात है कि उन्होंने अपनी आदत के अनुसार फिर वही व्यवहार किया। आरएसएस की तारीफ पर क्या बोले अवध ओझा ने भारत-चीन युद्ध का जिक्र करते हुए आरएसएस की तारीफ की। उन्होंने कहा, जब 1962 में चीन से युद्ध हुआ तो आरएसएस ने नेहरू जी को लेटर लिखा है कि आप देश की जितनी भी सेना है, पुलिस है... सबको बॉर्डर पर लगा दो, आंतरिक प्रबंधन की जिम्मेदारी हमारी, कितनी बड़ी बात कही। किस चीज को आप किस नजर से देखते हैं यह महत्वपूर्ण है। कभी-कभी लोगों की नजर ही दुर्योधन की तरह होती है। यह पूछे जाने पर कि क्या उनकी विचारधारा बदल गई है या पहले से ऐसी थी? ओझा ने खुलासा किया कि वह भाजपा से ही इलाहाबाद सीट से लोकसभा चुनाव लड़ना चाहते थे। ओझा ने कहा, दरअसल, मेरी विचारधारा अब भी वही है। ऐसा नहीं है कि अभी बदल गई है। 2024 में मैं प्रयागराज से भाजपा से ही टिकट मांग रहा था।

दिल्ली पुलिस ने अलग-अलग मामले में दो शातिर चोरों को किया गिरफ्तार, चोरी का सामान बरामद

नई दिल्ली। कृष्णा नगर पुलिस स्टेशन और मानसरोवर पार्क पुलिस स्टेशन की स्पेशल टीम ने अलग-अलग मामले में दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। दोनों चोरों के कब्जे से चोरी का सामान बरामद हुआ है। कृष्णा नगर पुलिस स्टेशन ने सोने के गहनों और कैश की चोरी का मामला सुलझाते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पहले भी चोरी व सेंधमारी के 3 मामलों में शामिल रहा है। दिल्ली के कृष्णा नगर निवासी अनिल कुमार की शिकायत पर 11 अगस्त को कृष्णा नगर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज हुई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि 11 अगस्त को दिन के समय अज्ञात लोग उनके घर में घुस आए और अलमारी से सोने-चांदी के गहने और 20,000 रुपये नकद चुरा ले गए। अपराध की गंभीरता को देखते हुए कृष्णा नगर पुलिस स्टेशन के स्टाफ ने तुरंत जांच शुरू की। जांच टीम ने घटनास्थल का दौरा किया और बारीकी से जांच-पड़ताल की। शिकायतकर्ता और संबंधित गवाहों के बयान दर्ज किए गए और सभी उपलब्ध सबूत इकट्ठा किए गए। संदिग्ध की आवाजाही और पहचान का पता लगाने के लिए अलग-अलग जगहों के फुटेज की जांच की गई। लगातार फील्ड जांच और समन्वित प्रयासों के परिणामस्वरूप गाजियाबाद निवासी 45 वर्षीय अनीश अहमद की पहचान की गई और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के कब्जे से सोने के झुमकों की एक जोड़ी, एक सोने का मंगलसूत्र, तीन जोड़ी चांदी की बिछिया, चांदी की पायल और 5,000 रुपये बरामद हुए हैं। पूछताछ के दौरान आरोपी ने चोरी के एक और मामले में अपनी भूमिका के बारे में बताया। इस मामले में आगे की जांच के दौरान वह मोटरसाइकिल बरामद की गई, जिसका इस्तेमाल कथित तौर पर अपराध करने में किया गया था। इसी तरह मानसरोवर पार्क पुलिस स्टेशन की स्पेशल टीम ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। 13 अगस्त को पुलिस को शिकायतकर्ता के घर में चोरी के संबंध में सूचना मिली। सूचना मिलने पर तुरंत एफआईआर दर्ज करते हुए एक विशेष टीम बनाई गई। टीम ने घटनास्थल का दौरा किया और विस्तृत जांच की। सीसीटीवी फुटेज की जांच के दौरान, संदिग्ध की साफ तस्वीरें मिलीं। इसके बाद टीम ने आरोपी की पहचान जतिन उर्फ झाई उर्फ भाऊ, निवासी शाहदरा के रूप में की। जब टीम आरोपी को पकड़ने के लिए तलाशी ले रही थी, तो एक विश्वसनीय मुखबिर ने सूचना दी कि वांछित आरोपी को शाहदरा रेलवे स्टेशन के पास पार्किंग क्षेत्र में देखा गया है और उसे पकड़ा जा सकता है।

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 26 साल से फरार उम्रकैद के अपराधी को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की एसएआरएससी टीम ने देहरादून, उत्तराखंड से एक ऐसे भगोड़े को गिरफ्तार किया है, जिसे 31 साल पुराने 1 करोड़ की फिरौती के लिए अपहरण के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। अपराधी देहरादून निवासी अमित यादव (57) की गिरफ्तारी पर साल 2000 में 5 हजार का इनाम भी घोषित किया गया था। यह मामला 1 करोड़ की फिरौती के लिए ऋषि सेठी के अपहरण से जुड़ा है। 12 सितंबर 1995 को शाम करीब 7:00 बजे ऋषि सेठी एम्स के डायरेक्टर के घर के पास अपनी कार में बैठे थे, तभी 3-4 लोगों ने जबरदस्ती उनको अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद उनके साथ मारपीट की और आंखों पर पट्टी बांधी और उनकी ही कार में उनका अपहरण कर लिया। इसके बाद उन्हें एक अज्ञात जगह पर ले जाया गया और बंधक बनाकर रखा गया। अपहरणकर्ताओं ने पीड़ित के परिवार से 1 करोड़ की फिरौती मांगी। आरोपियों के निर्देश पर मेरठ के होटल मयूर के कमरा नंबर 221 में 10 लाख की फिरौती की रकम रखी गई। 16 सितंबर 1995 को फिरौती की रकम लेने के बाद आरोपी अमित यादव को मेरठ में पुलिस ने पकड़ लिया। इसके पास से 10 लाख की पूरी फिरौती की रकम बरामद की गई। इसके बाद पुलिस आरोपी अमित यादव के किराए के घर गाजियाबाद पहुंची, जहां पीड़ित ऋषि सेठी एक स्टोररूम के अंदर जंजीरों से बंधे पाए गए। उन्हें सुरक्षित बचा लिया गया। अमित यादव के खिलाफ पटेल नगर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई। इसके बाद 25 अगस्त 1999 को अमित दोषी ठहराया गया और 2.50 लाख के जुमार्ने के साथ उम्रकैद की सजा सुनाई गई। आरोपी अमित यादव ने दिल्ली हाई कोर्ट में अपील दायर की और उसे 15 जनवरी 2000 को एक महीने के लिए अंतरिम जमानत मिल गई। हालांकि, इसके बाद उसने सरेंडर नहीं किया और फरार हो गया। इसके बाद, साल 2000 में उसकी गिरफ़्तारी पर 5,000 का इनाम घोषित किया गया और उसे घोषित अपराधी भी करार दिया गया। अलग-अलग एजेंसियों की लगातार कोशिशों के बावजूद, वह लगभग 26 सालों तक गिरफ्तारी से बचता रहा। लगातार पूछताछ के दौरान आरोपी अमित यादव ने बताया कि साल 2000 में फरार होने के बाद उसने गाजियाबाद में अपना किराए का घर छोड़ दिया और दिल्ली पुलिस के रिकॉर्ड में मौजूद सभी संपर्क तोड़ दिए। इसके बाद उसने उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के सैदपुर गांव में अपनी पुश्तैनी संपत्ति बेच दी। गिरफ्तारी से बचने के लिए, वह पहले उत्तराखंड के ऋषिकेश चला गया, जहां वह लगातार अपने ठिकाने और रहने की जगह बदलता रहा।

पश्चिमी एशिया में युद्ध के हालात ने दिल्ली सरकार को लगाया 72 करोड़ से ज्यादा का चूना

नई दिल्ली। पश्चिमी एशिया में युद्ध के हालात के चलते बिटुमिन से बनने वाली सड़कों की दो बड़ी योजनाओं पर सरकार ने संशोधित लागत को मंजूरी दी है। वित्तीय वर्ष 2026-27 की छठी व्यय वित्त समिति (ईएफसी) की बैठक में पूर्वी और उत्तरी रखरखाव जोन की कुल 162.712 किलोमीटर सड़कों के सुदृढ़ीकरण के लिए 467.66 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। इस मंजूरी में पश्चिमी एशिया में युद्ध के हालात के चलते महंगे हुए बिटुमिन से कुल 72.55 करोड़ की राशि बढ़ गई है। अब 298.52 करोड़ रुपये तक मंजूर प्रस्तव के तहत पूर्वी रखरखाव जोन में 58.292 किमी सड़कों के लिए पहले 147.08 करोड़ रुपये मंजूर हुए थे, अब कुल 169.14 करोड़ रुपये तक की स्वीकृति हुई है। इसी तरह उत्तरी जोन की 104.42 किमी सड़कों के लिए पहले 247.31 करोड़ रुपये निर्धारित थे, अन्य मदों को जोड़कर अब 298.52 करोड़ रुपये तक मंजूर किए गए हैं। विभाग ने संशोधित प्रारंभिक अनुमान के तौर पर दोनों योजनाओं के लिए कुल करीब 587.94 करोड़ रुपये का प्रस्ताव रखा था, लेकिन वास्तविक स्वीकृति न्यूनतम बोली के आधार पर करीब 467.66 करोड़ रुपये की बनी है। इसके तहत पूर्वी रखरखाव जोन में 58.292 किमी सड़कों के लिए संशोधित अनुमान 215.23 करोड़ रुपये था। पहले इस काम के लिए 147.08 करोड़ रुपये मंजूर हुए थे। टेंडर में सबसे कम बोली 164.55 करोड़ रुपये आई। अन्य निर्धारित मदें जोड़ने के बाद ईएफसी ने कुल 169.14 करोड़ रुपये तक की स्वीकृति दी है। परियोजनाएं समय पर पूरी करने के निर्देश इसी तरह उत्तरी जोन की 104.42 किमी सड़कों का संशोधित अनुमान 372.71 करोड़ रुपये पहुंच गया। मूल अनुमान 247.31 करोड़ रुपये था, जबकि सबसे कम बोली 290.44 करोड़ रुपये आई। अन्य मदों को जोड़कर स्वीकृति 298.52 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। दस्तावेज के अनुसार लागत बढ़ने का प्रमुख कारण बिटुमिन की कीमतों में तेज वृद्धि है। युद्ध से पहले बिटुमिन की दर 40,831 रुपये प्रति मीट्रिक टन थी, जो टेंडर के समय बढ़कर 80,140 रुपये हो गई। विभाग ने इसका कारण पश्चिमी एशिया से आपूर्ति में व्यवधान बताया है। ईएफसी ने पीडब्ल्यूडी को भारी यातायात वाले और संवेदनशील हिस्सों में सीमेंट कंक्रीट सड़कों की संभावना तलाशने, दुर्घटना संभावित स्थानों पर सुरक्षा ग्रिल लगाने तथा परियोजनाएं समय पर पूरी करने के निर्देश दिए हैं।

संक्षिप्त खबरें

अवैध देशी कट्टे के साथ युवक गिरफ्तार

फरीदाबाद। अपराध शाखा डीएलएफ की टीम ने भतौला रोड स्थित फज्जूपुर चौक के पास से युवक को अवैध देशी कट्टे के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान गांव खेड़ी कलां निवासी अंकित उर्फ रांको के रूप में हुई है। पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि आरोपी हथियार लेकर किसी के इंतजार में खड़ा है। टीम ने मौके पर पहुंचकर उसे काबू किया। तलाशी लेने पर उसकी जींस की जेब से देशी कट्टा बरामद हुआ। आरोपी हथियार का लाइसेंस या कोई परमिट नहीं दिखा सका। पुलिस ने हथियार कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करने की कार्रवाई शुरू कर दी।

ग्रामीणों को मिला समस्या के समाधान का भरोसा

पिनगवां। जिला परिषद चेयरमैन जान मोहम्मद ने सोमवार को गांव पापड़ा पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। जान मोहम्मद सरपंच खलील अहमद के निवास स्थान पर पहुंचे, जहां ग्रामीणों ने क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न जनसमस्याएं उनके सामने रखीं। इस दौरान ग्रामीणों ने सड़क, पानी, सफाई सहित विकास कार्यों से संबंधित मांगें रखीं। सरपंच खलील अहमद ने गांव की प्रमुख समस्याओं और विकास कार्यों को लेकर जिला परिषद चेयरमैन को मांग-पत्र सौंपा। जान मोहम्मद ने मांग-पत्र स्वीकार करते हुए ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि जनहित से जुड़ी सभी मांगों को प्राथमिकता देते हुए काम कराया जाएगा। इस मौके पर सरपंच खलील अहमद सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

बस अड्डे से निजी बस चोरी, प्राथमिकी दर्ज

गुरुग्राम। बस अड्डे पर रोडवेज वर्कशॉप के बाहर खड़ी निजी बस 15 अगस्त की रात को चोरी हो गई। चालक जब सुबह पहुंचा तो बस नहीं मिली। बाद में सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर पता चला कि परिचित युवक ही बस चुराकर घामडोज टोल प्लाजा की तरफ ले गया है। सोहना के वार्ड नंबर-7 निवासी पवन कुमार की शिकायत पर थाना सेक्टर-14 पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिविर में 350 महिलाओं ने कराई जांच

गुरुग्राम। रोटरी क्लब ऑफ न्यू गुरुग्राम की ओर से सेक्टर-92 स्थित बेस्टेक संस्कृति सोसाइटी में महिलाओं के लिए एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 350 महिलाओं ने अपने स्वास्थ्य की जांच कराई। इस कार्यक्रम में विभिन्न अस्पतालों के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने महिलाओं के आम स्वास्थ्य की जांच, जागरूकता के साथ कैंसर की स्क्रीनिंग व आंखों की जांच की। कार्यक्रम में संचालन मौली भटनागर, अमन भटनागर, डॉ. सुमन और वनीता सखुजा ने मुख्य भूमिका निभाई।

विद्यार्थी ऑन द स्पॉट ले सकेंगे दाखिले

सोहना। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में चौथे चरण में दाखिले शुरू हो गए हैं। विद्यार्थी सभी ट्रेडों में ऑन द स्पॉट दाखिले ले सकेंगे। इसके लिए संस्थान ने अलग दाखिला कमेटी गठित कर दी है। यह समिति दस्तावेजों की जांच कर दाखिले को मंजूरी देगी। आईटीआई की प्रिंसिपल सोनिका तक्षक ने बताया कि चौथे चरण के दाखिले ऑन द स्पॉट किए जाएंगे। ऑनलाइन दाखिले की प्रक्रिया को रद्द के दिया गया है। आईटीआई में सभी ट्रेडों मंठ विद्यार्थी दाखिला ले सकते हैं।

21 अगस्त को होगी विज्ञान नाट्य प्रतियोगिता

गुरुग्राम। उत्तरी भारत विज्ञान नाट्य प्रतियोगिता 2026-27 के तहत 21 अगस्त को जिले के सभी ब्लॉक में ब्लॉक स्तरीय विज्ञान नाट्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता सुबह 9 बजे शुरू होगी। इसमें कक्षा 6 से 10वीं तक के विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। प्रतियोगिता का मुख्य विषय समाज और विज्ञान रखा गया है।

गुरुग्राम: एसआईआर के तहत दावों एवं आपत्तियों की प्रगति की हुई समीक्षा

-नोटिस जारी करने और सुनवाई की प्रक्रिया समानांतर रूप से चलाने पर दिया जोर

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम। विधानसभा पटौदी के निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी एवं एसडीएम दिनेश लुहाच ने सोमवार को उपमंडल कार्यालय में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत दावों एवं आपत्तियों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी तथा संबंधित सुपरवाइजर मौजूद रहे। एसडीएम दिनेश लुहाच ने अधिकारियों से अब तक प्राप्त दावों एवं आपत्तियों की स्थिति, उनके सत्यापन तथा निस्तारण की प्रगति के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने क्षेत्रवार लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि एसआईआर से संबंधित सभी कार्य निर्धारित प्रक्रिया एवं निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप पूरी गंभीरता के साथ किए जाएं। एसडीएम दिनेश लुहाच ने निर्देश दिए कि संबंधित अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि दावों एवं आपत्तियों के मामलों में नोटिस देने तथा सुनवाई की प्रक्रिया समानांतर रूप से चले, ताकि मामलों के निस्तारण में अनावश्यक विलंब न हो। उन्होंने कहा कि नोटिस जारी होने के बाद संबंधित मामले की सुनवाई की कार्रवाई निर्धारित समय-सीमा के भीतर आगे बढ़ाई जाए और प्रत्येक मामले की नियमित रूप से निगरानी की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का आवश्यक दस्तावेजों और उपलब्ध रिकॉर्ड्स के आधार पर नियमानुसार सत्यापन किया जाए तथा पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में शामिल करने और अपात्र मामलों पर नियमानुसार कार्रवाई की प्रक्रिया निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से पूरी की जाए। एसडीएम ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, नवीनतम एवं त्रुटिरहित बनाना है। इसलिए सभी संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए प्रत्येक दावे एवं आपत्ति का निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार निस्तारण सुनिश्चित करें।

45 मिनट की सर्जरी और 4000 से ज्यादा गाल्स्टोन बाहर, फरीदाबाद में डॉक्टरों ने बचाई मरीज की जान

प्रात: किरण संवाददाता

फरीदाबाद। फोर्टिस एस्कॉर्ट्स अस्पताल ने मोटापे से ग्रस्त 41 वर्षीय मरीज के 4,000 से अधिक गाल्स्टोन निकाल कर उन्हें जोखिम से बचाया है। अस्पताल प्रबंधन का दावा है कि यह शहर में इतनी अधिक संख्या में गालस्टोन्स के गिने-चुने मामलों में से एक है। मरीज तेज दर्द से परेशान था। मरीज के मोटापे और अन्य रोगों के चलते उन्हें अति जोखिम क्लीनिकल प्रोफाइल में रखा गया था। वह मधुमेह, रक्तचाप तथा अन्य कई स्वास्थ्य समस्याओं से परेशान थे। जीआई, मिनीमल एक्सेस एंड बेरियाट्रिक सर्जरी के सीनियर डायरेक्टर डॉ. बीबी पाठक ने मरीज को जनरल एनेस्थीसिया देकर मात्र 45 मिनट में उनकी लैपरोस्कोपिक सर्जरी को पूरा किया। मरीज को जब अस्पताल लाया गया था तो वह पेट में भयंकर दर्द से पीड़ित थे जो पिछले एक सप्ताह के दौरान और भी गंभीर हो चुका था। साथ ही उन्हें उल्टी और गंभीर अपच की भी शिकायत थी। डायग्नॉस्टिक जांच से उनके गॉलब्लैडर में गंभीर सूजन पाई गई और उसमें हजारों माइक्रोस्कोपिक गालस्टोन्स भी थे। गॉलब्लैडर में 4,000 से अधिक स्टोन्स की भारी मात्रा के चलते तत्काल सर्जरी करना बेहद जरूरी था मरीज गंभीर इंफेक्शन, गॉलब्लैडर के फटने, बाइल डक्ट में अवरोध तथा अन्य कई जीवनघाती जटिलताओं के भी शिकार बन सकते थे। मामले की गंभीरता के बावजूद, सर्जिकल टीम ने मिनीमली इन्वेसिव लैपरोस्कोपिक तकनीक की मदद से उनके गॉलब्लैडर में से गाल्स्टोन्स सफलतापूर्वक निकाले। इस सर्जरी के लिए, सर्जिकल, नेफ्रोलाजी, और इंटरनल मेडिसिन टीमों के सहयोग के चलते मरीज की हालत को तेजी से स्थिर करने में मदद मिली। कुछ ही दिनों के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी भी मिल गई और वह दर्द से मुक्त होकर चलने-फिरने में सक्षम भी हो चुके हैं।

नूंह: सड़क हादसे में तीन माह के मासूम की मौत, मां घायल

प्रात: किरण संवाददाता

नूंह। नूंह-होडल रोड पर पेप्सी कंपनी से आगे एक दर्दनाक हादसे में तीन माह के मासूम बच्चे की मौत हो गई, जबकि उसकी मां गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला को उपचार के लिए शहीद हसन खान मेवाती मेडिकल कॉलेज, नल्हड़ में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार पलवल जिले के गांव रूपडाका निवासी इम्तियाज अपनी पत्नी नजमा और तीन माह के बच्चे के साथ गांव शाहपुर नगली नूंह जा रहा था। बताया गया कि नूंह-होडल रोड पर पेप्सी कंपनी से आगे पहुंचने के दौरान बच्चा अचानक अपनी मां के हाथ से सड़क पर जा गिरा। सड़क पर गिरने से बच्चे के सिर में गंभीर चोट लगी और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इसी दौरान पीछे से ईंटों से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली आ रही थी। चालक ने सड़क पर बच्चे को देखकर उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन इस दौरान ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में बच्चे की मां नजमा गंभीर रूप से घायल हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने घायल महिला को तत्काल नल्हड़ मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। जयसिंहपुर चौकी प्रभारी सूबे सिंह ने बताया कि मासूम के शव को पोस्टमार्टम के लिए सीएचसी नूंह भेज दिया गया है। परिजनों की शिकायत मिलने के बाद पूरे मामले की जांच की जाएगी और नियमानुसार कार्रवाई की

फर्जी आधार कार्ड से विदेशी को जमानत दिलाने वाले को नहीं मिली जमानत

-एनडीपीएस मामले में पोलैंड के नागरिक को मिली थी पांच साल की सजा, अदालत ने आरोपी की याचिका खारिज की

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम। पोलैंड के दोषी नागरिक को जमानत दिलाने के लिए फर्जी आधार कार्ड और अन्य दस्तावेजों का इस्तेमाल करने के आरोपी अनिल कुमार को अदालत से राहत नहीं मिली। अतिरिक्त सत्र एवं न्यायाधीश डॉ. गगन गीत कौर की अदालत ने आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी। अदालत ने माना कि फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल गंभीर मामला है और अभी मामले की जांच पूरी नहीं हुई है। चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट की शिकायत पर शिवाजी नगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया था। पुलिस को दी शिकायत के अनुसार, एसआई सुरेंद्र ने अदालत में बिस्वाजी मलिक और नरेश कुमार को पेश किया था। दोनों ने बताया कि उन्होंने 25 दिसंबर 2025 को पोलैंड निवासी पैट्रिक जिविंस्की की जमानत के लिए कोई दस्तावेज नहीं दिए थे। उनके वाहन पंजीकरण प्रमाणपत्र और आधार कार्ड की प्रतियों से छेड़छाड़ की गई थी। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने अनिल कुमार को गिरफ्तार किया। बचाव पक्ष ने अदालत में दलील दी कि आरोपी का मामले से कोई संबंध नहीं है और वह फरवरी से जेल में बंद है। वहीं, अभियोजन पक्ष ने जमानत का विरोध करते हुए कहा कि मामले में सुरेश कुमार और पैट्रिक जिविंस्की की गिरफ्तारी अभी बाकी है। अभियोजन ने आरोप लगाया कि याचिकाकर्ता फर्जी आधार कार्ड तैयार करने में शामिल था। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी 345 ग्राम अफीम के साथ पकड़ा गया था विदेशी नागरिक 26 मई 2019 को डीएलएफ फेज-एक थाना क्षेत्र में पुलिस ने पैट्रिक जिविंस्की को 345 ग्राम अफीम के साथ गिरफ्तार किया था। एनडीपीएस मामले में अदालत ने 31 जुलाई 2024 को उसे दोषी करार देते हुए पांच साल की सजा सुनाई थी। साथ ही उस पर 90 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया था।

नींद की झपकी से खंभे से टकराई कार, आग में जली गाड़ी

प्रात: किरण संवाददाता

फरीदाबाद। फरीदाबाद में सोमवार अलसुबह नींद की झपकी आने से एक टैक्सी चालक की कार अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकरा गई। टक्कर के बाद कार में आग लग गई। कार का दरवाजा बंद हो जाने के कारण चालक अंदर फंस गया, लेकिन समय रहते एक बाइक सवार ने शीशा तोड़कर उसे बाहर निकाल लिया। हादसे में चालक की जान बाल-बाल बची, जबकि कार पूरी तरह जल गई। टैक्सी चालक विपिन ने पुलिस को बताया कि वह दिल्ली से सेक्टर-35 में एक सवारी को छोड़कर अशोका एन्क्लेव स्थित अपने घर लौट रहा था। रात में पर्याप्त नींद नहीं लेने के कारण सेक्टर-35 से सराय ख्वाजा की ओर जाने वाले मोड़ पर अचानक उसे झपकी आ गई। इससे कार का संतुलन बिगड़ गया और वह बिजली के खंभे से जा टकराई। टक्कर के बाद कार के अगले हिस्से से धुआं निकलने लगा और तारों में चिंगारी उठने के कुछ ही देर बाद आग फैल गई। चालक बाहर निकलने का प्रयास कर रहा था, लेकिन उसकी तरफ का दरवाजा बंद हो गया। इसी दौरान वहां से गुजर रहे बाइक सवार की नजर कार पर पड़ी और उसने शीशा तोड़कर चालक को बाहर निकाला। राहगीरों ने घटना की सूचना दमकल विभाग को दी। सूचना मिलते ही दमकल की 1 गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक कार का अधिकांश हिस्सा जल चुका था। समय रहते चालक को बाहर निकाल लिए जाने से बड़ा हादसा टल गया।

नूंह: ससुराल में आए युवक की तालाब में डूबने से मौत

प्रात: किरण संवाददाता

नूंह। नूंह जिले के ऊदाका गांव में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। युवक का शव देर रात गांव के तालाब से बरामद हुआ। मृतक की पहचान पहाड़ी थाना क्षेत्र के गांव कठौल निवासी अनीस के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को तालाब से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल नूंह की मोर्चरी में रखवाया। परिजनों के मुताबिक अनीस रविवार शाम करीब छह बजे अपनी ससुराल ऊदाका पहुंचा था। बताया गया कि रास्ते में उसने बाल भी कटवाए और अपना सामान लेकर सामान्य रूप से ससुराल गया था। ससुराल पहुंचने से पहले उसने मायके में रह रही अपनी पत्नी से फोन पर बातचीत भी की थी। इसके बाद रात में उसके साथ क्या हुआ और वह तालाब तक कैसे पहुंचा, इसकी जानकारी परिजनों को नहीं है। परिजनों को सोमवार अल सुबह करीब तीन बजे अनीस का शव तालाब में पड़े होने की सूचना मिली। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाकर अस्पताल भिजवाया। अनीस की मौत की सूचना मिलते ही उसके परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में सिविल अस्पताल नूंह पहुंच गए। परिजनों ने मौत को हादसा मानने से इनकार करते हुए हत्या की आशंका जताई और अस्पताल के बाहर धरने पर बैठ गए। परिजनों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर वास्तविकता सामने लाने तथा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। परिजनों का कहना है कि यदि अनीस तालाब में जिंदा गिरा होता तो उसके बचने के लिए तैरने का प्रयास करने की संभावना थी।

गुरुग्राम: एचएसवीपी के 421 लाभार्थियों को 494.49 करोड़ रुपये से अधिक की छूट का मिला प्रावधान

गुरुग्राम। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण गुरुग्राम ने प्लॉट धारकों के विवादों से समाधान योजना 2026 की शुरूआत की है। एचएसवीपी की प्रशासक वैशाली सिंह ने सोमवार को बताया कि यह योजना प्लॉट एन्हांसमेंट से जुड़े विवादों के एकमुश्त समाधान का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है। योजना के तहत 53 सेक्टर के लगभग 421 पात्र लाभार्थियों को 494.49 करोड़ रुपये से अधिक की महत्वपूर्ण छूट प्रदान की जाएगी। योजना का लाभ उठाने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2026 निर्धारित की गई है। प्रशासक वैशाली सिंह ने बताया कि योजना का उद्देश्य पात्र आवंटियों को प्लॉट एन्हांसमेंट से संबंधित विवादों के सरल, त्वरित और निष्पक्ष समाधान का अवसर उपलब्ध करवाना है। इस योजना के माध्यम से ऐसे आवंटी भी लाभान्वित हो सकेंगे, जो पूर्व में लागू योजनाओं का लाभ नहीं उठा पाए थे। उन्होंने कहा कि पात्र प्लॉट धारकों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार योजना का लाभ लेकर अपने लंबित मामलों का समाधान करवाना चाहिए। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत आवासीय प्लॉटों के आवंटी, फ्लोर-वाइज पंजीकरण वाले प्लॉट, ग्रुप हाउसिंग साइट्स, संस्थागत प्लॉट तथा औद्योगिक प्लॉट सहित निर्धारित श्रेणियों के पात्र आवंटी लाभ ले सकते हैं। पात्र आवंटी अपने प्लॉट आईडी और पासवर्ड का उपयोग करके एचएसवीपी पोर्टल पर अपनी निर्धारित छूट राशि की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। वैशाली सिंह ने बताया कि योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए आवंटी योजना पोर्टल पर जाकर अपने मामले की स्थिति और निर्धारित छूट राशि देख सकते हैं।

पलवल: होडल में आन-बान-शान से निकाली गई तिरंगा यात्रा

प्रात: किरण संवाददाता

पलवल। भारत सरकार के हर घर तिरंगा और वंदे मातरम् अभियान के तहत सोमवार को होडल में जिला स्तरीय तिरंगा यात्रा निकाली गई। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय से शुरू होकर सती सरोवर तक पहुंची यात्रा में हजारों लोगों ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। होडल के विधायक एवं यात्रा के संयोजक हरेंद्र सिंह ने हाथ में तिरंगा लेकर यात्रा का नेतृत्व किया। उपायुक्त डॉ. जयेन्द्र सिंह छिल्लर, पूर्व मंत्री हर्ष कुमार, पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष दीपक मंगला, पूर्व चेयरमैन जगमोहन गोयल सहित प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, पूर्व सैनिकों, सरपंचों, सामाजिक संगठनों और गणमान्य नागरिकों ने भी तिरंगा लेकर यात्रा में भाग लिया। बंचारी की नगाड़ा पार्टी ने देशभक्ति के जोश से वातावरण को गुंजायमान कर दिया। विधायक हरेंद्र सिंह ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान तथा त्याग, बलिदान और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि देशभक्ति केवल नारों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करने और देश की प्रगति में योगदान देने से सच्चा राष्ट्रप्रेम प्रकट होता है। उपायुक्त डॉ. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने कहा कि पलवल की धरती वीरता, देशभक्ति और सामाजिक एकता के लिए जानी जाती है। तिरंगा यात्रा ने इस गौरवशाली परंपरा को और मजबूत किया है। उन्होंने नागरिकों से अपने घरों पर तिरंगा फहराने और राष्ट्रीय एकता व सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने का आह्वान किया। यात्रा के दौरान भारत माता की जय, वंदे मातरम् और जय हिंद के नारों से पूरा होडल गूंज उठा। युवाओं, विद्यार्थियों, महिलाओं, बुजुर्गों और विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा से पहले विधायक, उपायुक्त व अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण भी किया।

मिड-डे मील की सामग्री पहले होगी जांच फिर स्कूल में होगी स्वीकार

-खराब या संदिग्ध सामान मिलने पर सप्लायर से कराया जाएगा बदलाव, अधिकारियों को औचक निरीक्षण के निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम। सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों को मिलने वाले मिड-डे मील की गुणवत्ता को लेकर शिक्षा विभाग ने सख्ती बढ़ा दी है। अब स्कूलों में खाद्य सामग्री पहुंचने पर उसे स्वीकार करने से पहले उसकी गुणवत्ता की जांच की जाएगी। मुख्याध्यापक और स्कूल प्रमुख सामग्री की स्थिति देखकर ही उसे लेंगे। सामान खराब या संदिग्ध मिलने पर उसे सप्लायर से बदलवाना होगा। दरअसल, हिसार के एक स्कूल में मिड-डे मील के लिए भेजे गए राजमा की गुणवत्ता खराब होने की शिकायत मिली थी। कई घंटे भिगोने और पकाने के बाद भी राजमा नहीं गला। इसके अलावा मसालों के बासी होने और उनकी गुणवत्ता ठीक नहीं होने की शिकायत भी सामने आई थी। इसके बाद शिक्षा विभाग ने सभी जिलों को खाद्य सामग्री की गुणवत्ता को लेकर सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। सामान लेते समय ही होगी जांच स्कूलों में चना, सोया, राजमा, बेसन, रागी का आटा, गुड़, दाल, तेल, मूंगफली और मसालों समेत अन्य सामग्री की जांच की जाएगी। सामग्री सही पाए जाने पर ही उसे स्कूल में स्वीकार किया जाएगा। खराब सामान मिलने पर उसे वापस कर सप्लायर से बदलवाया जाएगा। अधिकारी करेंगे औचक जांच शिक्षा अधिकारियों को समय-समय पर स्कूलों का औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान खाद्य सामग्री की गुणवत्ता के साथ विद्यार्थियों को परोसे जा रहे तैयार भोजन की भी जांच की जाएगी। हरियाणा एग्रो कर रहा आपूर्ति मिड-डे मील के लिए खाद्य सामग्री की आपूर्ति हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन की ओर से की जा रही है। इसके लिए शिक्षा विभाग का एक साल का अनुबंध है।

फरीदाबाद में अवैध निमार्णों पर शिकंजा, बिजली-पानी कनेक्शन पर रोक की तैयारी

प्रात: किरण संवाददाता

फरीदाबाद। फरीदाबाद में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे और बिना स्वीकृति के होने वाले निर्माण पर रोक लगाने के लिए नगर निगम ने सख्त कदम उठाने की तैयारी की है। निगम की योजना है कि अवैध निर्माण वाले क्षेत्रों में बिजली, पानी और सीवर के कनेक्शन देने पर रोक लगाई जाए, ताकि शुरूआती चरण में ही कब्जों को बढ़ने से रोका जा सके। इस संबंध में मुख्य नगर योजनाकार ने नगर निगम की इंजीनियरिंग शाखा और दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के अधिकारियों को पत्र भेजकर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। नगर निगम अधिकारियों का मानना है कि सरकारी जमीन पर अवैध रूप से बसने वाली कालोनियों को शुरूआती स्तर पर रोकना अधिक प्रभावी और कम खर्चीला होगा। एक बार बड़ी संख्या में मकान और अन्य निर्माण खड़े हो जाने के बाद उन्हें हटाने के लिए भारी संख्या में कर्मचारियों, मशीनों और अन्य संसाधनों की आवश्यकता पड़ती है। इससे सरकारी धन और संसाधनों पर अतिरिक्त भार पड़ता है। बिना स्वीकृति व्यावसायिक गतिविधियों पर भी रोक मुख्य नगर योजनाकार की ओर से भेजे गए पत्र में बिना भूमि उपयोग परिवर्तन की अनुमति और स्वीकृत भवन मानचित्र के व्यावसायिक गतिविधियां संचालित करने वालों को भी बिजली कनेक्शन नहीं देने की बात कही गई है। अधिकारियों के अनुसार, इस तरह की गतिविधियों से न केवल अनधिकृत निर्माण बढ़ता है, बल्कि सरकार को राजस्व का भी नुकसान होता है। अधिकारियों का कहना है कि यदि शुरूआती स्तर पर ही मूलभूत सुविधाओं के कनेक्शन रोक दिए जाएं तो अवैध निर्माण और कब्जों को बढ़ने से रोका जा सकता है। इससे बाद में होने वाली तोड़फोड़ की कार्रवाई पर खर्च होने वाले संसाधनों की भी बचत होगी। कनेक्शन मिलने से बढ़ता है कब्जा नगर निगम के अधिकारियों और स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकारी जमीन पर अवैध रूप से प्लाटिंग करने वाले लोग कई बार विभागीय कर्मचारियों की मिलीभगत से बिजली के कनेक्शन हासिल कर लेते हैं। इसके बाद वहां धीरे-धीरे लोगों की संख्या बढ़ती जाती है और अनधिकृत बस्तियां विकसित हो जाती हैं। खोरी और जमाई कालोनी में भी इसी तरह अवैध प्लाटिंग और कब्जे बढ़ने की बात सामने आई है। खोरी में उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद तोड़फोड़ की कार्रवाई की गई थी। अधिकारियों के अनुसार, इन क्षेत्रों में कई भवनों में बिजली सहित अन्य सुविधाओं के कनेक्शन मौजूद थे। तोड़फोड़ की कार्रवाई पर लाखों रुपये खर्च नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई में बड़ी मात्रा में संसाधनों का इस्तेमाल होता है। पिछले महीने गुरुग्राम रोड स्थित जमाई कालोनी में कार्रवाई के दौरान 8 अर्थमूवर मशीनों को लगाया गया था। निगम के वाहन शाखा के कर्मचारियों के अनुसार, एक अर्थमूवर मशीन एक घंटे में करीब 8 से 9 लीटर डीजल की खपत करती है। लगभग 6 घंटे चली कार्रवाई में 500 लीटर से अधिक डीजल की खपत हुई। इसके अलावा कर्मचारियों, वाहनों और अन्य संसाधनों का भी इस्तेमाल किया गया। निगम के अनुसार, केवल एक दिन की कार्रवाई में ही 1 लाख रुपये से अधिक खर्च हो गए। कुछ मामलों में एक ही जमीन पर दोबारा कार्रवाई करने की स्थिति भी बनी है। बिजली कनेक्शन देने वालों पर भी कार्रवाई की मांग पूर्व बड़खल निगरानी समिति सदस्य आनंदकांत भाटिया ने कहा कि केवल अवैध निमार्णों को गिराने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अवैध प्लाटिंग करने वालों के साथ-साथ नियमों के विपरीत बिजली कनेक्शन देने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए। उनके अनुसार, बिजली का कनेक्शन मिलने से कब्जाधारियों का भरोसा बढ़ता है और अवैध बस्तियां तेजी से विकसित होती हैं। नगर निगम के अधीक्षण अभियंता ओमवीर सिंह ने कहा कि सीवर और पानी का कनेक्शन देने के लिए संपत्ति पहचान संख्या सहित आवश्यक दस्तावेजों की जांच की जाती है। उन्होंने कहा कि अवैध कालोनियों में सीवर कनेक्शन नहीं दिया जाता। कुछ स्थानों पर लोग मुख्य जलापूर्ति लाइन से अवैध रूप से जुड़ जाते हैं, जिसे रोकने के लिए सख्ती की जाएगी। मुख्य नगर योजनाकार धर्मपाल सिंह ने कहा कि सरकारी जमीन पर होने वाले कब्जों और बिना भूमि उपयोग परिवर्तन की अनुमति के निर्माण को रोकने के लिए सभी स्तरों से निगरानी और कार्रवाई जरूरी है। इसी उद्देश्य से नगर निगम की इंजीनियरिंग शाखा और बिजली वितरण निगम को पत्र भेजा गया है, ताकि शुरूआती चरण में ही अवैध कब्जों को रोका जा सके। 8 माह में 15 बार कार्रवाई नगर निगम के आंकड़ों के अनुसार, फरीदाबाद में 150 एकड़ से अधिक निगम की जमीन पर कब्जे की स्थिति सामने आई है। जमाई कालोनी में 100 से अधिक मकानों को गिराया जा चुका है, जबकि करीब 7 माह पहले इसी क्षेत्र में 200 से अधिक अवैध निर्माण हटाए गए थे।

Jotindra Infrastructure Limited

(Formerly Known as JOTINDRA STEEL AND TUBES LIMITED)
CIN: L27104HR1970PLC005240
Registered Office: SARVOME HOUSE ,14/3, MATHURA ROAD, SECTOR 45, OPPOSITE RAIL VIHAR, FARIDABAD HARYANA HR 121003 IN Ph. No:- 0129-24477806,
E-mail Id: jotindrasteelandtubes@gmail.com, Web-site:http://jotindra.com

Extract of un-audited Consolidated Financial Results for the Quarter ended 30th June, 2026

₹ in Lakhs

S. No.	PARTICULARS	Quarter Ended			Year Ended
		30.06.2026	31.03.2026	30.06.2025	31.03.2026
		Un-audited	Audited	Un-audited	Audited
1	Total income from operations	2881.30	5792.52	1054.82	11255.69
2	Net Profit/ (Loss) for the period (before Tax, Exceptional and/or Extraordinary items)	785.87	3571.50	88.24	3891.61
3	Net Profit/ (Loss) for the period before tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	785.86	525.67	91.29	848.81
4	Net Profit/ (Loss) for the period after tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	575.80	32.17	81.62	173.13
5	Total Comprehensive Income for the period [Comprising Profit/ (Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)	577.30	39.35	81.62	180.31
6	Equity Share Capital	1009.03	1009.03	1009.03	1009.03
7	Earnings Per Share (of Rs. 10/- each) (for continuing and discontinued operations) - (a) Basic (b) Diluted	5.72 5.72	0.40 0.40	0.81 0.81	1.84 1.84

Notes:
1. The above Audited financial results for the Quarter ended 30th June, 2026 have been reviewed by the Audit Committee and have been approved by the Board of Directors in its meeting held on 14.08.2026.
2. The above is an extract of the detailed format of Consolidated Audited Financial Results for the Quarter ended 30th June, 2026, filed with the Mertopolitan Stock Exchange of India under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Audited Financial Results for the Quarter ended 30th June, 2026 is available on the Stock Exchange website viz. **www.msei.in** and on Company's website viz. **http://jotindra.com/** and these can also be accessed through QR code given.
3. The Standalone Financial Results of the Company-

₹ in Lakhs

S. No.	PARTICULARS	Quarter Ended		
		30.06.2026	31.03.2026	30.06.2025
		Un-audited	Audited	Un-audited
1	Total Income	2890.94	6268.69	1147.69
2	Profit before Tax	763.76	503.56	93.72
3	Profit after Tax	560.14	16.01	84.39
4	Total Comprehensive Income	561.94	23.19	84.39

Place: Faridabad
Date: 15.08.2026

By the Order of Board
JOTINDRA INFRASTRUCTURE LIMITED
formerly Known as JOTINDRA STEEL AND TUBES LIMITED
Sd/-
(AKHIL KUMAR SUREKA)
Managing Director
DIN : 00060206

भारतीय चिकित्सा व्यवस्था : आयुर्वेद से आधुनिक विज्ञान तक स्वस्थ भारत की सशक्त यात्रा

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

सर्वे सन्तु निरामयाः- यह केवल एक वैदिक प्रार्थना नहीं, बल्कि भारतीय चिकित्सा दर्शन का मूल मंत्र है। भारत की चिकित्सा परंपरा का उद्देश्य केवल रोग का उपचार करना नहीं रहा, बल्कि मनुष्य के शरीर, मन और आत्मा के संतुलन के माध्यम से संपूर्ण स्वास्थ्य की स्थापना करना रहा है। यही कारण है कि भारतीय चिकित्सा व्यवस्था विश्व की सबसे प्राचीन, समृद्ध और जीवन-दृष्टि आधारित चिकित्सा प्रणालियों में गिनी जाती है। आज जब विश्व नई-नई बीमारियों, जीवनशैली संबंधी विकारों और मानसिक तनाव जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियाँ आयुर्वेद, योग, सिद्ध, यूनानी और आधुनिक एलोपैथिक चिकित्सा मिलकर एक समन्वित स्वास्थ्य मॉडल की ओर बढ़ रही हैं। यह केवल चिकित्सा का विकास नहीं, बल्कि स्वस्थ भारत के निर्माण की दिशा में एक सशक्त राष्ट्रीय अभियान है। भारत में चिकित्सा विज्ञान का इतिहास हजारों वर्षों पुराना है। वैदिक साहित्य, विशेषकर अथर्ववेद में रोगों, औषधियों और उपचार पद्धतियों का उल्लेख मिलता है। महर्षि चरक ने शरीर की प्रकृति, रोगों के कारण और उपचार की वैज्ञानिक व्याख्या करते हुए चरक संहिता की रचना की, जबकि महर्षि सुश्रुत ने शल्य चिकित्सा को व्यवस्थित रूप दिया। उन्हें विश्व का प्रथम शल्य चिकित्सक माना जाता है। सुश्रुत संहिता में नाक का पुनर्निर्माण, मोतियाबिंद का ऑपरेशन तथा अनेक शल्य तकनीकों का उल्लेख मिलता है, जो आज भी चिकित्सा इतिहास का गौरव हैं। आयुर्वेद का मूल सिद्धांत है कि रोग के कारण को समझकर शरीर की प्राकृतिक संतुलन-शक्ति को पुनः स्थापित किया जाए। इसलिए भारतीय चिकित्सा केवल दवा पर नहीं, बल्कि आहार, विहार, दिनचर्या, ऋतुचर्या और मानसिक संतुलन पर भी समान बल देती है। स्वतंत्रता के समय भारत के सामने स्वास्थ्य सेवाओं की भारी चुनौती थी। संक्रामक रोग, कुपोषण, सीमित अस्पताल, प्रशिक्षित चिकित्सकों की कमी और ग्रामीण क्षेत्रों तक चिकित्सा सुविधाओं का अभाव प्रमुख समस्याएँ थीं। धीरे-धीरे देश ने चिकित्सा शिक्षा, अस्पतालों, टीकाकरण कार्यक्रमों और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया। आज देश में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), अनेक सरकारी एवं निजी मेडिकल कॉलेज, सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल तथा उन्नत अनुसंधान संस्थान चिकित्सा क्षेत्र को नई ऊँचाइयों पर ले जा रहे हैं। अंग प्रत्यारोपण, रोबोटिक सर्जरी, कैंसर उपचार, हृदय रोग चिकित्सा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निदान जैसी तकनीकें भारतीय स्वास्थ्य व्यवस्था को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बना रही हैं। भारत ने आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी को संस्थागत रूप देकर आयुष प्रणाली को विकसित किया है। आज विश्वभर में योग और आयुर्वेद के प्रति बढ़ती रुचि भारत की चिकित्सा विरासत की वैश्विक स्वीकार्यता का प्रमाण है। आयुष की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह रोग के उपचार के साथ-साथ रोग की रोकथाम, प्रतिरक्षा क्षमता में वृद्धि और स्वस्थ जीवनशैली पर बल देता है। आधुनिक चिकित्सा के साथ इसका संतुलित समन्वय भविष्य की समग्र स्वास्थ्य व्यवस्था का आधार बन सकता है। पिछले वर्षों में भारत ने स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने की दिशा में अनेक पहल की हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का विस्तार, टीकाकरण अभियान, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम, जन औषधि केंद्र, आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं तथा डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएं आम नागरिक तक चिकित्सा पहुंचाने का प्रयास हैं। कोविड-19 महामारी ने यह सिद्ध किया कि चिकित्सक, नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ, वैज्ञानिक और स्वास्थ्यकर्मी किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं। उन्होंने अपने प्राणों की परवाह किए बिना मानवता की रक्षा का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया। चिकित्सा विज्ञान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) नई क्रांति का आधार बन रही है। रोगों की प्रारंभिक पहचान, मेडिकल इमेज विश्लेषण, व्यक्तिगत उपचार योजना, दूरस्थ परामर्श (टेलीमेडिसिन) और डिजिटल स्वास्थ्य अभिलेख स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी बना रहे हैं। फिर भी यह ध्यान रखना होगा कि मशीनें निर्णय में सहायता कर सकती हैं, लेकिन रोगी के प्रति संवेदना, विश्वास और मानवीय स्पर्श का स्थान कभी नहीं ले सकतीं। भारत की स्वास्थ्य व्यवस्था ने उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन अनेक चुनौतियां अभी भी सामने हैं जैसे -ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी।

प्लीज गड़े मुर्दे मत उखाड़िए !! क्योंकि यह अमन के खिलाफ है

राजीव थेपडा

1780 ईस्वी में उत्तर प्रदेश के रायबरेली रायबरेली में जन्मे मौलवी सैयद अहमद जिन पर वहाबी इस्लाम का जबरदस्त प्रभाव था। जो उनके मक्का जाकर हज करने के पश्चात और भी ज्यादा गहरा हो गया और मक्का से लौट के पश्चात 17 जनवरी 1826 को वह अपने शहर बरेली से निकलकर बलूचिस्तान और पख्तूनिस्तान चले गए और वहां पर उन्होंने वहाबी इस्लाम लागू करने के चक्कर में बहुत सारी स्थानीय परंपराओं को बंद करवा दिया। जिससे वहां के स्थानीय लोग उनके खिलाफ हो गए। अंत में 6 मई 1831 को वह एक हमले में मारे गए। अपने जीते जी भले ही वह कुछ खास नहीं कर पाए, किंतु उनके मरने के पश्चात उनके अनुयायियों ने ह्लदारुल उलूम देवबंदह्व की स्थापना की। जो तब से आज तक मुस्लिम राजनीति का भारत में सबसे बड़ा और सशक्त केंद्र है। सैयद अहमद के ये अनुयाई इतना भयंकर जेहादी प्रचार करते थे कि उसे अंग्रेजों को भी बड़ी चिंता हो गई। 1843 में गवर्नर जनरल लॉर्ड एलनबोर्ग ने लिखा कि मैं इस बात की अनदेखी नहीं कर सकता हूं कि मुस्लिम जन्मजात अंग्रेजों से बेतरह घृणा करते हैं। और यह बात मुस्लिमों के शासनकाल में हिंदुओं की बाबत भी उतनी सही थी। 17 अक्टूबर 1817 में दिल्ली में मुगल बादशाह अकबर शाह (2) के एक राज-अधिकारी मीर मोहम्मद मुत्ताक्वी के यहां सर सैयद अहमद खान जन्म हुआ। बाद में जिन्होंने कई भाषाओं और विषयों में शिक्षा प्राप्त की। 1838 में पिता की मृत्यु के पश्चात उन्हें अंग्रेजी सरकार के लेखागार में रिकॉर्डकीपर की नौकरी मिल गई। लेकिन अत्यधिक शिक्षित होने के कारण और अन्य विभिन्न विषयों में उनकी विशेषज्ञता के कारण वे जल्द ही अंग्रेजों के प्रिय अधिकारियों में से एक हो गए। अपने विश्लेषण से उन्होंने यह निष्कर्ष निकाला था कि 1857 के बाद मुसलमानों के अंग्रेजों से खराब हुए संबंधों को यदि शीघ्र ही ठीक नहीं किया गया। तो भारत में फिर से हिंदुओं का राज आ जाएगा और मुसलमानों का भारत में अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। यहां तक की मुसलमानों की बाबत यह भी लिखा कि अंग्रेजों से विद्रोह करके मुसलमान ने नमक-हरामी की है और अंग्रेजों के आने से पहले भारत में मुस्लिम इतिहास निर्दयता, लूट, हत्या और बलात्कार का इतिहास है और अंग्रेजों के राज में ही अत्याचार रुके। अन्याय भी समाप्त हुआ और सभी को धार्मिक आजादी के साथ हिंदू और मुसलमान दोनों को एक दूसरे से सुरक्षा भी मिली है। इस प्रकार वह अंग्रेजों की नजर में चढ़ गए। 1869 में उन्हें ह्लऑर्डर ऑफ स्टारह्व और 1888 में ह्लसरह्व की उपाधि और साथ ही साथ एडमिनबरा यूनिवर्सिटी से मानद डॉक्टर की पदवी भी मिली। 1859 में उन्होंने मुरादाबाद में भारत का एक आधुनिक मदरसा खोला। जिसका पाठ्यक्रम आधुनिक था और जिसमें अंग्रेजी शिक्षा समाहित थी। 1864 में उन्होंने अंग्रेजी की विभिन्न विषयों की पुस्तकों का उर्दू अनुवाद भी करवाया।लेकिन जब हिंदी के विद्वानों ने उसे हिंदी में अनुवाद करने का प्रस्ताव रखा। तो वह चिढ़ गए और उन्होंने यहां तक कहा कि उर्दू सभ्य लोगों की भाषा है और हिंदी गँवार और अश्लील लोगों की भाषा। 1890 में जब अंग्रेजों ने उर्दू के साथ हिंदी को अदालतों की भाषा के रूप में मान्यता दी, तो नवाब मोहसिन मलिक के नेतृत्व में मुसलमानों ने उसके खिलाफ आंदोलन ही छेड़ दिया। उन्होंने अंग्रेजों के बीच और ज्यादा सम्मानजनक स्थान प्राप्त करने के लिए हथियारों से किये जा रहे हैं जिहाद की आलोचना करते हुए मुसलमानों को अंग्रेजी शिक्षा के लिए प्रोत्साहन देना शुरू किया। 1854 में उन्होंने बाइबल की एक समीक्षा लिखी जिसमें इस्लाम और ईसाइयत की समानताओं के बारे में बताया गया था। इससे वह अंग्रेजों के और ज्यादा निकट आ गए। क्योंकि इस समीक्षा से वह अंग्रेजों पर यह बात प्रभाव जमाने में सफल हुए कि ईसाइयत और इस्लाम के बीच में कोई टकराव नहीं है और ये दोनों एक दूसरे के निकट हैं। इस प्रकार हिंदुओं को मुसलमान से दूर करने का ये प्रयास उनके द्वारा शुरू हुआ था। 24 मई 1875 में उन्होंने अलीगढ़ मोहम्मडन एंगल ओरिएंटल स्कूल स्थापित किया।

जेन जी दिमागी नक्सल या देश का भविष्य ?

उनकी छवि खराब करने में। खुद केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह जो अभी सदन में आकर जवाब नहीं दे पाए उसके बाहर बिना इंटरप्शन की बिना सवालों की एक मीडिया बाइट में कह रहे थे कि मुझे ऐसा ऐसा कहा जा रहा है। खुद उन्होंने सदन में गाली देने के साथ जो कम से दो बार तो नोटिस में आ गई क्या-क्या कहा यह अलग बात है। लेकिन अभी बात राहुल की हो रही है तो उनको राहुल बाबा कहकर संबोधित किया। एक बार उस अखबार में जहां हम काम करते थे हेडिंग में राहुल बाबा छप गया। हमने मीटिंग में पूछा किसने लिखा है? कोई जवाब नहीं मिला। हमने कहा कोई भी किसी का नाम बदल या बिगाड़ नहीं सकता है। यह अधिकार किसी को नहीं है। माता-पिता को नाम रखने का अधिकार है और जिसका रखा गया है उसे बदलने का। सभ्य समाज के लिए यही नियम है। जो बिगाड़ते हैं वे इनफियरटी काम्पलेक्स के शिकार होते हैं। गरीब का, कमजोर का, दलित, पिछड़े, आदिवासी का पूरा नाम उन्हें अपना अपमान लगता है। उसका नाम छोटा करके बिगाड़ के लेने में उनको खुशी मिलती है। दक्षिणपंथी प्रतिक्रियावादियों का यह पुराना तरीका है।

शकील अख्तर
(लेखक)

दिमागी नक्सल एक ऐसा शब्द प्रधानमंत्री ने यूज कर दिया जो केवल उनके भक्तों, जिनके लिए अब राहुल ने अंध भक्तों का नाम दे दिया है और गोदी मीडिया के अलावा किसी के भी गले नहीं उतर रहा है। पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम ने तो इसे एक्सेप्ट करते हुए चुनौती दे दी कि हां मैं दिमागी नक्सल हूं! छात्र युवाओं ने भी इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी हैं। यह दिमागी नक्सल क्यों कहा? क्योंकि सवाल उठाने वालों पर पहले ही सवाल उठा दो। बहुत पुराना तरीका है दक्षिणपंथी प्रतिक्रियावादियों और कुछ काम न करने वालों का कि हमेशा दूसरों पर ही सवाल उठाते रहो। राहुल पर उठाते रहे। नेता प्रतिपक्ष तो अभी दो साल पहले बने हैं। इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष भी करीब इतने ही समय रहे। मगर उन पर सवाल तो 2004 से जब वे अपने पहले चुनाव के लिए अमेठी से नामांकन भरने गए थे तब से उठाते रहे। 22 साल से ज्यादा हो गए हैं। हजारों करोड़ रूपया खर्च किया। उनकी छवि खराब करने में। खुद केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह जो अभी सदन में आकर जवाब नहीं दे पाए उसके बाहर बिना इंटरप्शन की बिना सवालों की एक मीडिया बाइट में कह रहे थे कि मुझे ऐसा ऐसा कहा जा रहा है। खुद उन्होंने सदन में गाली देने के साथ जो कम से दो बार तो नोटिस में आ गई क्या-क्या कहा यह अलग बात है। लेकिन अभी बात राहुल की हो रही है तो उनको राहुल बाबा कहकर संबोधित किया। एक बार उस अखबार में जहां हम काम करते थे हेडिंग में राहुल बाबा छप गया। हमने मीटिंग में पूछा किसने लिखा है? कोई जवाब नहीं मिला। हमने कहा कोई भी किसी का नाम बदल या बिगाड़ नहीं सकता है। यह अधिकार किसी को नहीं है। माता-पिता को नाम रखने का अधिकार है और जिसका रखा गया है उसे बदलने का। सभ्य समाज के लिए यही नियम है। जो बिगाड़ते हैं वे इनफियरटी काम्पलेक्स के शिकार होते हैं। गरीब का, कमजोर का, दलित, पिछड़े, आदिवासी का पूरा नाम उन्हें अपना अपमान लगता है। उसका नाम छोटा करके बिगाड़ के लेने में उनको खुशी मिलती है। दक्षिणपंथी प्रतिक्रियावादियों का यह पुराना तरीका है। लोकतंत्र आया तो वे इसे अपने राजनीतिक विरोधियों के लिए भी यूज करने लगे। राहुल के कई अपमानजनक नाम रख दिए। अब इस शृंखला में नया दिमागी नक्सल लाए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले से कहा कि इन्हें पहचानने की जरूरत है। पहचान आप ही बता देते! देश के प्रधानमंत्री हैं। सारे साधन आपके पास हैं। आप यह भी कह रहे हैं कि ये हिंसा अराजकता के रास्ते खोज रहे हैं। तब तो बड़ा खतरा है। मोदी ने कहा कि इन्हें अलग थलग करने की जरूरत है। अलग थलग क्या करना? जब आप हिंसा कर रहे हैं, कह रहे हैं तो सख्त कार्रवाई की जरूरत है। लेकिन पहले पहचान तो बताइए! बोलिए कि परीक्षाओं में धांधली के खिलाफ आवाज उठाने, एजुकेशन सिस्टम से आरएसएस को बाहर करने की मांग करने वाले, नौकरी रोजगार मांगने वाले दिमागी नक्सल हैं। देश के चालीस करोड़ छात्र और युवा दिमागी नक्सल हैं। आश्चर्यजनक रूप से देश का प्रधानमंत्री देश के छात्र और युवा के सामने खड़ा हो गया। तो उसके ठीक बाद नेता प्रतिपक्ष ने एक और गूंज की घोषणा कर दी। मगर इस बार यह गूंज थोड़ी अलग होगी। छात्राओं की गूंज! अभी तक के तीन छात्र सम्मेलन राहुल ने सभी स्टूडेंट के किए हैं। छात्र-छात्रा सब। मगर इस बार 22 अगस्त को पूणे में छात्रा केन्द्रित कार्यक्रम होगा। राहुल ने कहा है कि क्या चाहिए देश की लड़कियों को? बराबरी, सुरक्षा, अवसर और अपनी बात कहने की आजादी। और राहुल सवाल करते हैं कि इन्हें मिला क्या? असुरक्षा, भेदभाव और अपने असली अधिकारों के लिए इंतजार! तो एक तरफ प्रधानमंत्री देश की ॠल्ले और अल्फा को भी क्योंकि वह भी अपने स्कूलों और शिक्षा को लेकर सड़कों पर उतर चुकी है दिमागी नक्सल कह रहे हैं। जो हिंसा और अराजकता के लिए मौके की तलाश में हैं। तो दूसरी तरफ नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी उन्हें देश का भविष्य बताते हुए उनके साथ और मजबूती से खड़े हो गए हैं। पिछले कुछ दिनों का घटनाक्रम मोदी और राहुल को बार-बार आमने-सामने ला रहा है। संसद के मानसून सत्र में राहुल बार-बार चैलेंज करते रहे मगर प्रधानमंत्री मोदी और उनके सबसे मजबूत साथी केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह दोनों लोकसभा में नहीं आ पाए। 20 जुलाई को सत्र शुरू हुआ था। उसी दिन छात्रों पर बेरहम लाठी चार्ज, आंसू गैस के गोले और पैलेट गन तक चलाई गई। लड़कियों के साथ तो बहुत ही अभद्र व्यवहार हुआ। शर्मनाक! सही अर्थों में शर्मनाक! जिसे बताने में भी छात्राओं को शर्म आती है। अपने ही देश में छात्राओं के साथ ऐसा व्यवहार पहले कभी नहीं हुआ था। इसलिए जेन अल्फा की छोटी-छोटी बच्चियां सड़कों पर उतरी हैं। और इसीलिए राहुल इस बार केवल छात्रा सम्मेलन कर रहे हैं। और यहां लोकसभा में वे मांग करते रहे कि छात्रों पर पैलेट गन चलाने के लिए गृह मंत्री अमित शाह इस्तीफा दें और प्रधानमंत्री मोदी सदन में आकर इसके लिए माफी मांगे। मगर दोनों सदन को फेस नहीं कर पाए। आखिरी दिन 13 अगस्त को जब मालूम था कि अभी 11 बजे वंदे मातरम के साथ ही सदन अनिश्चित काल के लिए स्थगित हो जाएगा तो तीन मिनट के लिए आए और राष्ट्रगीत खत्म होते ही चले गए। करीब एक महीने तक वे दोनों सदन का सामना नहीं कर पाए। दोनों में से एक भी सदन नहीं।

रसोई से पूजा तक हरी मिर्च का है महत्व

बच्चे अकसर सबसे जल्दी नजर दोष का शिकार होते हैं। सात हरी मिर्च लें और जिस व्यक्ति को नजर लगी हो, उसके सिर के ऊपर से उल्टी और सीधी दिशा में सात बार घुमाएँ। अब इन मिर्चों को सड़क के किनारे फेंक दें। ध्यान रखें कि मिर्चों को घर के भीतर या कचरे में न डालें। इस उपाय से नकारात्मक ऊर्जा तुरंत समाप्त हो जाता है और व्यक्ति पर नजर दोष का असर खत्म हो जाता है। यदि घर का कोई सदस्य लंबे समय से बीमार है और दवाइयाँ असर नहीं कर रही हैं, तो हरी मिर्च का यह उपाय कारगर माना गया है। रोगी के सिरहाने या तकिए के नीचे पाँच हरी मिर्च रखें। प्रतिदिन मिर्च बदलते रहें। माना जाता है कि इससे रोगी की सेहत में धीरे-धीरे सुधार होता है और बीमारी के पीछे की नकारात्मक शक्ति नष्ट होता है। तनाव, अवसाद या चिंता से पीड़ित व्यक्ति के पास हरी मिर्च रखने से उसका मानसिक बोझ कम होता है और मनोबल बढ़ता है। कई बार मेहनत करने के बावजूद व्यापार में लाभ नहीं होता है या बार-बार हानि होता है। अपनी दुकान या कार्यालय की मेज की दराज में सात हरी मिर्च रखें। इसे किसी को दिखाई न दे। हर शुक्रवार को मिर्च बदल दें। इससे व्यापार में वृद्धि होती है और ग्राहकों का आकर्षण बढ़ता है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

भारतीय रसोई में हरी मिर्च का स्थान अत्यंत खास है। यह भोजन का स्वाद बढ़ाती है, शरीर को ऊर्जा देती है और रोगों से लड़ने में भी सहायक होती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यही साधारण-सी हरी मिर्च जीवन की अनेक समस्याओं का समाधान भी बन सकता है? ज्योतिष, वास्तु और तांत्रिक परंपरा में हरी मिर्च को एक शक्तिशाली माध्यम माना गया है, जो नकारात्मक ऊर्जा को सोख लेता है और सकारात्मक शक्ति को आकर्षित करता है। भारत के गाँवों और कस्बों में अक्सर दुकानों और घरों के बाहर नींबू और मिर्च टंगे हुए देखा जाता है। यह केवल परंपरा नहीं है, बल्कि नजर दोष और दुष्प्रभाव से बचाव का अचूक उपाय माना गया है। इसी तरह हरी मिर्च से जुड़े अनेक टोटके और उपाय प्रचलित हैं, जो स्वास्थ्य, व्यापार, धन, सौभाग्य और शांति से जुड़ा है। कहा जाता है कि जब किसी को बुरी नजर लग जाता है तो उसकी सेहत बिगड़ने लगता है, कामकाज में रुकावट आता है और परिवार में क्लेश उत्पन्न होता है। बच्चे अकसर सबसे जल्दी नजर दोष का शिकार होते हैं। सात हरी मिर्च लें और जिस व्यक्ति को नजर लगी हो, उसके सिर के ऊपर से उल्टी और सीधी दिशा में सात बार घुमाएँ। अब इन मिर्चों को सड़क के किनारे फेंक दें। ध्यान रखें कि मिर्चों को घर के भीतर या कचरे में न डालें। इस उपाय से नकारात्मक ऊर्जा तुरंत समाप्त हो जाता है और व्यक्ति पर नजर दोष का असर खत्म हो जाता है। यदि घर का कोई सदस्य लंबे समय से बीमार है और दवाइयाँ असर नहीं कर रही हैं, तो हरी मिर्च का यह उपाय कारगर माना गया है। रोगी के सिरहाने या तकिए के नीचे पाँच हरी मिर्च रखें। प्रतिदिन मिर्च बदलते रहें। माना जाता है कि इससे रोगी की सेहत में धीरे-धीरे सुधार होता है और बीमारी के पीछे की नकारात्मक शक्ति नष्ट होता है। तनाव, अवसाद या चिंता से पीड़ित व्यक्ति के पास हरी मिर्च रखने से उसका मानसिक बोझ कम होता है और मनोबल बढ़ता है। कई बार मेहनत करने के बावजूद व्यापार में लाभ नहीं होता है या बार-बार हानि होता है। अपनी दुकान या कार्यालय की मेज की दराज में सात हरी मिर्च रखें। इसे किसी को दिखाई न दे। हर शुक्रवार को मिर्च बदल दें। इससे व्यापार में वृद्धि होती है और ग्राहकों का आकर्षण बढ़ता है। नौकरी में यदि प्रमोशन नहीं मिल रहा है या नौकरी में परेशानी आ रही है तो मंगलवार के दिन पाँच हरी मिर्च लेकर हनुमानजी को अर्पित करें। फिर वही मिर्च अपनी जेब में रख लें। इससे सफलता के अवसर बढ़ते हैं। यदि घर में लगातार धन की कमी बनी रहती है तो शनिवार की रात को सात हरी मिर्च लेकर उन्हें काले कपड़े में बांधकर घर के उत्तर दिशा में रख दें। प्रत्येक शुक्रवार को माता लक्ष्मी के सामने एक कटोरी पानी में हरी मिर्च डालकर दीपक जलाएँ। रात में उस पानी को घर के बाहर फेंक दें। इससे घर में धन का आगमन होता है। घर में कलह, झगड़े और नकारात्मक ऊर्जा हो तो यह उपाय करें। सुबह कांच के गिलास में पानी भरकर उसमें एक हरी मिर्च डालें। रात को इसे पानी समेत मिर्च को घर से बाहर फेंक दें। प्रतिदिन यह क्रिया करने से वास्तु दोष का प्रभाव धीरे-धीरे खत्म हो जाता है। घर या दुकान के मुख्य दरवाजे पर नींबू और सात हरी मिर्च लटकाने से नकारात्मक ऊर्जा अंदर प्रवेश नहीं करती है। शनिवार को पीपल के वृक्ष के नीचे दीपक जलाकर सात हरी मिर्च चढ़ाने से शनि दोष का प्रभाव कम होता है। यदि किसी व्यक्ति को लगता है कि शत्रु बाधा डाल रहा है, तो मंगलवार को सात हरी मिर्च लेकर हनुमान मंदिर में चढ़ा दें। इससे शत्रु की शक्ति कम हो जाती है। भारत के गाँवों में आज भी लोग मानते हैं कि घर या खेत में हरी मिर्च रखने से बुरी आत्माएँ पास नहीं आती है। किसानों की मान्यता है कि बीज बोने से पहले खेत के कोने में हरी मिर्च रखने से फसल पर किसी की नजर नहीं लगता है। हरी मिर्च में कैप्सेसिन नामक तत्व होता है, जो ऊर्जा और गर्मी प्रदान करता है। इसे नकारात्मक ऊर्जा को सोखने वाला माना गया है। यही कारण है कि इसे नजर दोष और रोग निवारण से जोड़ा गया है। सप्ताह में एक दिन हरी मिर्च का टोटका अवश्य करें। घर की रसोई में हमेशा ताजी हरी मिर्च रखें। किसी शुभ कार्य से पहले घर के बाहर नींबू और मिर्च लटका दें। मिर्च के उपाय करते समय विश्वास और श्रद्धा जरूरी है। पुराने या सूखी मिर्च का प्रयोग न करें। मिर्च का प्रयोग करने के बाद उसे पुनः घर में न लाएँ। बच्चों और बुजुर्गों को सीधे टोटके में शामिल न करें। हरी मिर्च केवल भोजन का स्वाद बढ़ाने वाली सामग्री नहीं है, बल्कि यह जीवन की अनेक समस्याओं से निपटने का सरल उपाय भी है। नजर दोष से लेकर आर्थिक तंगी और व्यापारिक रुकावट तक, हरी मिर्च के छोटे-छोटे टोटके आश्चर्यजनक परिणाम देता है। यह विश्वास और आस्था का विषय है, लेकिन हजारों वर्षों की परंपरा और अनगिनत लोगों के अनुभव इस बात की पुष्टि करता है कि हरी मिर्च के उपाय जीवन में सकारात्मक बदलाव लाता है।

आठवीं पुण्यतिथि पर शत-शत नमन करती हुई कुछ अविस्मरणीय यादें

मीनू मीना सिन्हा

बोस्टन से बड़ी बहन का दुःखद संदेश आया-श्रद्धेय अटल जी का निधन हो गया है। मीनू, वे तुम्हारे आदर्श थे। अपने अनुभव साझा करो। क्या साझा करूँ, दीदी? स्मृति-कोष का वह अक्षय भंडार धीरे-धीरे रिक्तता की ओर अग्रसर है। राष्ट्रीय शोक हर जगह पसरता जा रहा है। एक बार फिर पितृविहीनता के गहरे अँधेरे का अहसास गहराने लगा है। संध्या-बाती के समय हाथ रुक-से गए। देखो न दीदी, आज फिर सोलह अगस्त है। वह सोलह अगस्त 2008 था, जब बाबूजी का महाप्रस्थान हुआ था और आज सोलह अगस्त 2018 है, जब फिर एक पितृतुल्य आत्मा का महाप्रस्थान हुआ। बस, एक और जुड़ गया है नङ्ग इतिहास फिर दोहराया गया है। हरदम तो इतिहास दोहराता यही है, कोई रो रहा है, कोई चल दिया, चलने-चलाने की इस घड़ी में कोई रह गया और कोई चल दिया। (जीवनधारा) आपातकाल की काली रात-25 जून 1975। लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में चलने वाला छात्र आन्दोलन, 1974 में बाबूजी ने अपने साथियों के साथ सबसे पहले विधानसभा की सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया था। उसी दौर में अटल जी का दो बार बरियारपुर आगमन हुआ। एक बार, जब बाबूजी जनसंघ के उम्मीदवार (दीया छाप-नाराः हर हाथ को काम, हर खेत को पानी) के रूप में चुनावी मैदान में थे, उस समय वे चुनाव प्रचार में आए थे। उन्होंने रिक्शे पर बाबूजी के साथ प्रचार किया। उनके महाप्रयाण के समय बिहार के अखबारों में वह चित्र छपा था, जिसमें दोनों रिक्शे पर बैठे हुए हैं। दोनों एक साधारण रिक्शे पर, पर असाधारण विचारों के साथ। दूसरी बार आपातकाल के दौरान उनका एक दिवसीय रात्रि-विश्राम भी रहा। पैतृक निवास पर उनका रुकना हम लोगों के लिए गौरव की बात थी, जो अब पूरे प्रांत के लिए गौरव का विषय बन चुका है। हम बच्चों के लिए वह किसी उत्सव से कम नहीं था। बचपन में नेताओं को फूल-मालाएँ पहनाने की ज़िम्मेदारी मेरी ही होती थी-जिनमें अटल जी, छात्र-आंदोलन के प्रणेता जयप्रकाश नारायण, तथा सुंदर सिंह भंडारी, कपूर्री ठाकुर जैसे अनेक गणमान्य नेता शामिल थे। अटल जी को दोतल्ले के बड़े हाल के बगल वाले कमरे में ठहराया गया था। उनमें सरलता और विनोद का अद्भुत संगम था। रात्रि भोजन के समय उनके दूध पीने को लेकर कुछ असमंजस रहा-दूध कच्चा दिया जाए या उबालकर। अंततः उन्हें उबला हुआ दूध दिया गया और उन्होंने केवल दूध ही ग्रहण किया। अटल जी ने रात का भोजन नहीं किया था। यह अफरा-तफरी इसलिए थी उस समय बाबूजी जेल में थे और घर की जिम्मेदारी बिखरी हुई थी। उन्होंने अपनी कार भी प्रचार हेतु दे दी थी रात्रि विश्राम के समय बड़े पिताजी ने जाकर पूछा, मच्छरदानी लगवा दूँ?ह्व उन्होंने सहज भाव से कहा, नहीं, मुझे मच्छरदानी की जरूरत नहीं है। मैं अपना ऑडोमॉस लेकर चलता हूँ। लेकिन रात में एक मच्छर ने उन्हें काट ही लिया। सुबह होते ही वे कुछ परेशान दिखाई दिए और हँसते हुए कहने लगे- मुझे रात में एक मच्छर ने काट लिया। उनकी सहजता और आत्मीयता का यह छोटा-सा प्रसंग आज भी स्मृति में मुस्कान भर देता है। बरियारपुर में उनका चुनावी भाषण सुबह छह बजे ही निर्धारित था। उस समय मुझे नींद से जगाकर तैयार किया गया और मंच पर ले जाया गया। मुझे क्या पता था कि जीवन की वह भोर इतनी विशेष स्मृति बनकर मेरे साथ रह जाएगी! मंच पर पहुँचकर मैंने उन्हें गुलाब का फूल भेंट किया और उनका माल्यार्पण किया। गुलाब के फूल बचपन से आकर्षित करते रहे। छुट्टियों बाद छात्रावास भी जाती थी तो ठोंगे में भरकर ले जाती थी।

संक्षिप्त खबरें

काशी विश्वनाथ धाम और शिवभक्तों पर हेलिकॉप्टर से हुई पुष्पवर्षा

वाराणसी। श्रावण मास के तीसरे सोमवार पर उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी काशी में आस्था और शिवभक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। श्री काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन-पूजन के लिए उमड़े शिवभक्तों और कांवड़ियों पर जिला प्रशासन की ओर से हेलिकॉप्टर से गुलाब की पंखुड़ियों की पुष्पवर्षा की गई। आसमान से बरसती फूलों की पंखुड़ियों और नीचे गूंजते ह्यहर-हर महादेवह्न के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रावण के तीसरे सोमवार के अवसर पर काशी विश्वनाथ मंदिर, काशी के कोतवाल काल भैरव मंदिर तथा अन्य प्रमुख शिवालयों में बाबा के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु और कांवड़िये पहुंचे। जिला प्रशासन की ओर से शिवभक्तों के स्वागत और उनके उत्साहवर्धन के लिए हेलिकॉप्टर से गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा की गई। जैसे ही हेलिकॉप्टर ने श्रद्धालुओं के ऊपर से उड़ान भरते हुए पुष्पवर्षा शुरू की, भक्तों में उत्साह की लहर दौड़ गई। श्रद्धालुओं ने हाथ उठाकर और ह्यहर-हर महादेवह्न, ह्यबोल बम्मह्न के जयघोष के साथ इस दृश्य का स्वागत किया। इस दौरान पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल एवं जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने हेलिकॉप्टर से शिवभक्तों पर पुष्पवर्षा की। आसमान से गिरती गुलाब की पंखुड़ियों के बीच श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। श्रावण मास में काशी में बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालु पहुंचते हैं। खासकर सोमवार को कांवड़ियों और शिवभक्तों की संख्या काफी बढ़ जाती है। ऐसे में जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा, यातायात, दर्शन व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। तीसरे सोमवार को काशी के प्रमुख शिवालयों में सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। कांवड़िये गंगाजल लेकर बाबा के जलाभिषेक के लिए मंदिरों की ओर बढ़ते नजर आए। हर ओर भगवा रंग, हाथों में कांवड़ और जुबां पर ह्यबोल बम्मह्न का उद्घोष दिखाई दिया। हेलिकॉप्टर से हुई पुष्पवर्षा ने इस धार्मिक माहौल को और भव्य बना दिया। श्रद्धालुओं ने इसे बाबा विश्वनाथ की नगरी में प्रशासन की ओर से किया गया विशेष स्वागत बताया। काशी में श्रावण मास के दौरान शिवभक्ति का यह उत्सव केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे शहर को एक विशेष आध्यात्मिक ऊर्जा से भर देता है।

हरिशंकर बने विहिप के जिलाध्यक्ष, ज्ञानेंद्र को जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी

मीरजापुर। विश्व हिंदू परिषद काशी प्रांत की दो दिवसीय बैठक में संगठन के विस्तार, आगामी कार्यक्रमों और कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों को लेकर मंथन किया गया। बैठक के दौरान संगठनात्मक फेरबदल करते हुए कई पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गईं। संगठन की ओर से हरिशंकर मिश्रा को विश्व हिंदू परिषद मीरजापुर का जिलाध्यक्ष बनाया गया, वहीं ज्ञानेंद्र सिंह को जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। इसके अलावा महेश चंद्र त्रिपाठी को जिला सह मंत्री, अशोक सिंह को बजरंग दल विद्यावल विभाग सहसंयोजक, चंद्र प्रकाश शर्मा को जिला संयोजक और माधव पांडेय को जिला सहसंयोजक का दायित्व सौंपा गया। बैठक में पदाधिकारियों से संगठन के निर्धारित कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा समाज के बीच संगठनात्मक गतिविधियों को और मजबूत करने का आह्वान किया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन की ओर से मिली जिम्मेदारियों का निष्ठा और सक्रियता के साथ निर्वहन करने का संकल्प लिया। कार्यकर्ताओं ने नए दायित्व प्राप्त पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए संगठन को मजबूत बनाने और आगामी योजनाओं को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करने में सहयोग का भरोसा दिया।

कांवड़ियों की सेवा में जुटे शिवभक्त, बिधूना तिराहे पर लगाया पंडाल

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में सावन के तीसरे सोमवार और नागपंचमी पर्व को लेकर शिवभक्तों में उत्साह का माहौल रहा। रविवार शाम से ही बड़ी संख्या में कांवड़िए कन्नौज के प्रसिद्ध मेंहदीघाट से गंगाजल लेकर अपने-अपने गंतव्य की ओर रवाना हुए। सोमवार को सहार क्षेत्र से गुजरने वाले कांवड़ियों के जयकारों और बम-बम भोले के उद्घोष से वातावरण भक्तिमय नजर आया। कस्बा सहार में कांवड़ लेकर लौट रहे शिवभक्तों की सेवा के लिए बिधूना तिराहे पर पंडाल लगाकर जलपान की व्यवस्था की गई। पंडाल में पहुंचने वाले कांवड़ियों को रोककर पानी, शीतल पेय और अन्य जलपान कराया गया। सेवा में जुटे शिवभक्तों ने कांवड़ियों का स्वागत करते हुए उनकी यात्रा मंगलमय होने की कामना की। लंबी दूरी की यात्रा और गर्मी के बीच पंडाल पर जलपान मिलने से कांवड़ियों ने राहत महसूस की। उन्होंने सेवा में जुटे लोगों का आभार जताया और आगे की यात्रा के लिए रवाना हुए। शिवभक्तों ने कहा कि कांवड़ियों की सेवा करना भी भगवान शिव की सेवा के समान है।

नागपंचमी पर नगवा में पहलवानों ने दिखाई ताकत, जोड़ी-गदा और नाल का किया प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। काशी की प्राचीन अखाड़ा परंपरा और नाग पंचमी के पर्व का अनूठा संगम सोमवार को नगवा स्थित हनुमान मंदिर और रविदास पार्क के समीप देखने को मिला। नाग पंचमी के पावन अवसर पर यहां पारंपरिक जोड़ी, गदा और नाल घुमाने के साथ ही भारी वजन उठाने तथा शक्ति प्रदर्शन की प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम में स्थानीय पहलवानों के साथ दूर-दराज से पहुंचे पहलवानों ने अपनी शारीरिक क्षमता और पारंपरिक युद्धकला का प्रदर्शन किया। इस दौरान पूरा क्षेत्र हर-हर महादेव और ह्यबजरंगबली की जयह्न के उद्घोष से गूंज उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ बजरंगबली के पूजन-अर्चन के साथ हुआ। हनुमान जी और अखाड़े की विधिवत पूजा के बाद पहलवानों ने मिट्टी के अखाड़े और पारंपरिक उपकरणों के बीच अपने हुनर का प्रदर्शन शुरू किया। किसी पहलवान ने भारी नाल उठाकर अपनी ताकत दिखाई तो किसी ने जोड़ी और गदा को तेजी से घुमाकर दर्शकों को रोमांचित कर दिया। पारंपरिक व्यायाम और शक्ति प्रदर्शन को देखने के लिए बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और आसपास के क्षेत्रों से आए दर्शक मौजूद रहे। पीढ़ियों से चली आ रही परंपरा आयोजन से जुड़े सतीश चंद्र यादव उर्फ झंटू सरदार ने बताया कि नगवा में नाग पंचमी के अवसर पर होने वाली यह प्रतियोगिता कोई नया आयोजन नहीं है, बल्कि कई पीढ़ियों से चली आ रही परंपरा है। उन्होंने कहा कि उनके दादा-परदादा और पिता भी नाग पंचमी के दिन इस आयोजन को करते रहे हैं। अब परिवार की अगली पीढ़ी इस परंपरा को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने बताया कि नाग पंचमी के दिन यहां पहलवान अपनी ताकत और कला का प्रदर्शन करने पहुंचते हैं। जोड़ी, गदा और नाल जैसे पारंपरिक उपकरणों के प्रदर्शन के साथ भारी वजन उठाने की प्रतियोगिताएं भी होती हैं। आयोजन में क्षेत्रीय पार्षद रविंद्र सिंह, लंका थाना पुलिस के अधिकारी-कर्मचारी, साधु-संत और आसपास के गणमान्य लोग भी शामिल होते हैं। अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्र प्रदान कर किया जाता है। पिता से सीखी पहलवानी और परंपरा आयोजन में शामिल रवि यादव ने बताया कि उन्होंने यह परंपरा अपने पिता से सीखी है। उनके दादा भी इस आयोजन को करते थे और उनके पिता ने भी वर्षों तक नाग पंचमी के मौके पर यहां शक्ति प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि उनके पिता उन चुनिंदा पहलवानों में शामिल थे जो कांटों वाली जोड़ी घुमाने में माहिर थे। रवि यादव के अनुसार, समय के साथ कांटों वाली जोड़ी घुमाने वाले पहलवानों की संख्या कम होती जा रही है। ऐसे में नाग पंचमी के मौके पर होने वाला यह आयोजन नई पीढ़ी को इस पारंपरिक कला से जोड़ने का काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि आज भी दूर-दूर से पहलवान यहां पहुंचते हैं और अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं। विदेशों से भी पहलवान पहुंचने का दावा आयोजकों के अनुसार, नगवा में नाग पंचमी के अवसर पर होने वाला यह पारंपरिक शक्ति प्रदर्शन पिछले कई वर्षों से आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। आयोजन में देश के विभिन्न हिस्सों से पहलवान पहुंचते हैं। आयोजकों का दावा है कि समय-समय पर विदेशों से भी पहलवान यहां आकर अपनी ताकत और पारंपरिक खेल-कौशल का प्रदर्शन कर चुके हैं। अखाड़ों की संस्कृति को जीवित रखने की कोशिश काशी में नाग पंचमी का पर्व केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका गहरा संबंध अखाड़ों और पारंपरिक व्यायाम से भी रहा है। सदियों से इस अवसर पर पहलवान अखाड़ों में पहुंचकर कुश्ती, दंड-बैठक, गदा, जोड़ी, नाल और अन्य पारंपरिक उपकरणों के माध्यम से अपनी शक्ति का प्रदर्शन करते रहे हैं।

नागपंचमी पर काशी के अखाड़ों में जमकर हुई कुश्ती, पहलवानों ने दिखाया

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। नाग पंचमी के पर्व पर काशी में सदियों पुरानी कुश्ती और अखाड़ा परंपरा जीवंत नजर आई। शहर के विभिन्न अखाड़ों में विशेष पूजा-अर्चना के बाद कुश्ती-दंगल का आयोजन किया गया। मिट्टी के अखाड़ों में पहलवानों ने दांव-पेच आजमाकर अपनी ताकत और कुशलता का प्रदर्शन किया। कुश्ती के साथ जोड़ी और गदा फेरने की कला ने भी दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। इसी क्रम में फुलवरिया क्षेत्र के पहलूपुरा में नाग पंचमी के अवसर पर भव्य कुश्ती प्रतियोगिता हुई। अखाड़े की मिट्टी में उतरकर पहलवानों ने एक-दूसरे को कड़ी चुनौती दी। मुकाबले देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे रहे। बच्चों से लेकर युवाओं तक ने प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया। पहलवानों के शानदार दांव-पेच पर दर्शकों ने तालियां बजाकर उनका उत्साह बढ़ाया। काशी में नाग पंचमी पर दंगल आयोजित करने की परंपरा कई पीढ़ियों से चली आ रही है। इस आयोजन का उद्देश्य केवल कुश्ती को बढ़ावा देना ही नहीं, बल्कि अखाड़ों से जुड़ी पारंपरिक भारतीय खेल संस्कृति और अनुशासन को भी नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। नाग पंचमी के विशेष दंगल में आसपास के क्षेत्रों के अलावा दूर-दराज से भी पहलवान हिस्सा लेने पहुंचते हैं। प्रतियोगिता के दौरान बेहतर प्रदर्शन करने वाले पहलवानों को विजेता घोषित किया गया। आयोजकों की ओर से विजेता पहलवानों को नगद पुरस्कार, माला और दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया गया। उपहार देकर भी उनका उत्साहवर्धन किया गया।

कांवड़ियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा, गूंजा हर-हर महादेव का जयघोष

प्रात : किरण संवाददाता

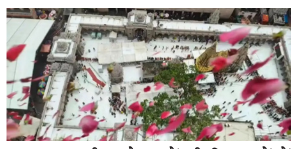

लखनऊ। श्रावण मास के तीसरे सोमवार को प्रदेश में आस्था और भक्ति का अद्भुत प्रवाह देखने को मिला। सावन के सोमवार और नागपंचमी का दुर्लभ संयोग होने के कारण श्री काशी विश्वनाथ धाम समेत प्रदेश के प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। बाबा विश्वनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे श्रद्धालु भक्ति में सराबोर नजर आए। इस शुभ दिन कांवड़ियों एवं श्रद्धालुओं का पुष्पवर्षा कर श्रद्धा और भक्ति भाव से अभिनंदन किया गया। रामनगरी अयोध्या में भी शिवालयों में हर-हर महादेव गूंजता रहा। कांवड़ियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा, गूंजा हर-हर महादेव का जयघोष वाराणसी में सुबह से ही बाबा के दरबार में श्रद्धालुओं की कतारें लगनी शुरू हो गईं। पहले पहर की मंगला आरती के साथ ही काशी मंगल ध्वनि से गूंज उठी। मंदिरों में घंटे-घड़ियाल, शंख और डमरुओं के निनाद से वातावरण शिवमय बना रहा। काशी की गलियों से लेकर श्री काशी विश्वनाथ धाम तक हर ओर ह्यहर-हर महादेवह्न और ह्यबोल बमह्न का जयघोष सुनाई देता रहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर हेलीकॉप्टर से कांवड़ियों और श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा की गई। आसमान से बरसती गुलाब की पंखुड़ियों के बीच बाबा के भक्तों ने ह्यहर-हर महादेवह्न और ह्यबोल बमह्न का जयघोष किया तो पूरा विश्वनाथ धाम शिवमय हो उठा। सावन के तीसरे सोमवार की शाम बाबा विश्वनाथ ने अपने विशेष अर्धनारीश्वर स्वरूप में दर्शन दिए। अर्धनारीश्वर स्वरूप में बाबा के दर्शन को श्रद्धालुओं ने बेहद अलौकिक और दिव्य अनुभव बताया। योगी सरकार के निर्देश पर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। कांवड़ियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा, गूंजा हर-हर महादेव का जयघोष सावन के तीसरे सोमवार पर शिवभक्ति में डूबे बाराबंकी में कांवड़ियों का उत्साह उस समय और बढ़ गया, जब आकाश से फूलों की बारिश कर उनका अभिनंदन किया गया। हेलीकॉप्टर से हुई पुष्पवर्षा के बीच कांवड़िये हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारे लगाते नजर आए। मार्ग पर मौजूद श्रद्धालुओं ने भी इस दृश्य को निहारा।

परिवहन निगम के आउटसोर्स कार्मिकों के मानदेय में जुलाई माह से पांच प्रतिशत की वृद्धि : दयाशंकर सिंह

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दयाशंकर सिंह ने बताया कि प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश परिवहन निगम में कार्यरत आउटसोर्स कार्मिकों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। परिवहन निगम में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटर, लेखाकार कम टैली ऑपरेटर एवं प्रोग्रामर के मानदेय में 05 प्रतिशत की वृद्धि की गयी है। आच्छादित कार्मिकों को बढ़ा हुआ मानदेय जुलाई माह से प्रदान किया जाएगा। परिवहन मंत्री ने बताया कि परिवहन निगम में कार्यरत आउटसोर्स कार्मिकों के मानदेय में प्रतिवर्ष 10 प्रतिशत की वृद्धि का प्राविधान है, जिसके अंतर्गत 05 प्रतिशत की बढ़ोतरी जनवरी माह में एवं 05 प्रतिशत की बढ़ोतरी जुलाई माह में दिए जाने की व्यवस्था है। परिवहन मंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की सेवाओं को सुचारू रूप से संचालित करने तथा आधुनिक व प्रभावी बनाने के दृष्टिगत आउटसोर्स कार्मिकों के वेतन में वृद्धि की गई है। उक्त कार्मिक निगम के विभिन्न कार्यों में अपनी तकनीकी दक्षता और सेवाओं के माध्यम से महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार कर्मचारियों एवं कार्मिकों के हितों के प्रति संवेदनशील है। परिवहन निगम को बेहतर और यात्री केंद्रित बनाने में प्रत्येक कार्मिक का योगदान महत्वपूर्ण है। इसी के दृष्टिगत उनके मानदेय में प्रतिवर्ष 10 प्रतिशत की वृद्धि का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि इससे आउटसोर्स कार्मिकों को आर्थिक संबल मिलेगा, वे और अधिक उत्साह एवं प्रतिबद्धता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकेंगे।

तीज उत्सव पर झूमीं गायत्री परिवार की बहनें

दिव्य दीप यज्ञ में सद्भाव, संस्कार और सकारात्मक ऊर्जा का दिया संदेश

प्रात : किरण संवाददाता

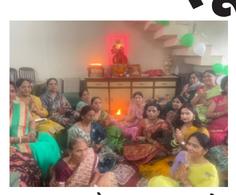

रामपुर। अखिल विश्व गायत्री परिवार महिला मंडल की बहनों की ओर से तीज उत्सव के पावन अवसर पर श्रीमती शारदा नरूला के निवास स्थान पर दिव्य दीप यज्ञ एवं तीज उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिला मंडल की बहनों ने श्रद्धा, उत्साह और उल्लास के साथ सहभागिता की। सावन मास की मनमोहक बेला में आयोजित कार्यक्रम में गीत, भजन, मल्हार और नृत्य की प्रस्तुतियों ने तीज उत्सव में चार चांद लगा दिए। वातावरण भारतीय संस्कृति और भक्ति के रंग में सराबोर नजर आया।कार्यक्रम के दौरान सभी देव शक्तियों का आवाहन करते हुए विधिवत दीप यज्ञ संपन्न कराया गया। दीप यज्ञ के माध्यम से समाज में सद्भाव, संस्कार, सकारात्मक ऊर्जा और आध्यात्मिक चेतना का संदेश दिया गया। साथ ही परम पूज्य गुरुदेव के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और गायत्री मंत्र को घर-घर पहुंचाने का संकल्प लिया गया।महिला मंडल की बहनों ने बताया कि वर्ष 2026 को अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा शताब्दी वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इस अवसर पर गायत्री परिवार के विचारों, संस्कारों और गुरुदेव के संदेश को अधिक से अधिक परिवारों तक पहुंचाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। तीज उत्सव के दौरान विभिन्न मनोरंजक एवं उत्साहवर्धक पुरस्कार भी प्रदान किए गए। समयबद्धता पुरस्कार बिंदु रस्तोगी तथा ह्यसावन की रानीह्न पुरस्कार कंचन गुप्ता को दिया गया। वहीं महिला मंडल की वरिष्ठ सदस्यों आशा गुप्ता, शारदा नरूला, आशा अरोड़ा, आर्य बल वात्सल्य, शोभा राजदा एवं विमल गुप्ता को सम्मानित किया गया। समापन पर सामूहिक आरती-वंदन हुआ और सभी बहनों ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन में बिंदु रस्तोगी, उषा चावला, कंचन गुप्ता, रानी गुप्ता, सरिता सिंगल, संतोष गुप्ता, मीना गुप्ता, प्रवीण गुप्ता, आशा गुप्ता, मधु शर्मा, पूनम सिंह, पुष्पा गुप्ता, निर्मला राय, सीमा अरोड़ा, ममता कपूर, चित्र कपूर सहित महिला मंडल की अनेक बहनें मौजूद रहीं।

भाजपा की राष्ट्रीय टीम में उप्र का दबदबा, हरीश-स्मृति महासचिव और अमरपाल ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ, 17 अगस्त (वेब वार्ता) । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन द्वारा आज दिल्ली में घोषित की गयी पार्टी की राष्ट्रीय कार्यसमिति में उत्तर प्रदेश का दबदबा है। यहां से आठ नेताओं को राष्ट्रीय टीम में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गयी है। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर उत्तर प्रदेश के पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी और राहुल गांधी को अमेठी में शिकस्त देने वाली स्मृति ईरानी को महामंत्री बनाया गया है। राज्यसभा सांसद अमर पाल मौर्या को ओबीसी मोर्चा और कुंवर बासित अली को अल्पसंख्यक मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। उप्र से ही राष्ट्रीय मंत्री पद पर सांसद डॉ. भोला सिंह, संगीता यादव और उपाध्यक्ष पद पर रेखा वर्मा व तारिक मंसूर को नियुक्त किया गया है। ये सभी चेहरे अपने अपने क्षेत्र के जाने पहचाने चेहरे हैं। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव में जीत की हैट्रिक बनाने में जुटी भाजपा की नयी राष्ट्रीय कार्यसमिति में उप्र के अनुभवी, युवा, महिला और समाज के सभी वर्गों में स्वीकार्य नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गयी हैं। इनमें बस्ती से दो बार सांसद रहे और वर्तमान में राजस्थान नगरीय निकाय चुनाव प्रभारी हरीश द्विवेदी को राष्ट्रीय महासचिव की जिम्मदारी दी गयी है। इन्होंने अपने गांव की संघ की शाखा और विद्यार्थी परिषद से सामाजिक जीवन की शुरूआत की। वर्ष 1990 से 1992 तक अपने ग्राम सभा की संघ शाखा में मुख्य शिक्षक के रूप में कार्य किया। 1991 से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के संपर्क में आये और लंबे समय तक संगठनमंत्री समेत विभिन्न पदों पर कार्य किया। हरीश द्विवेदी 2005 से 2007 तक भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष केशरीनाथ त्रिपाठी के राजनीतिक सलाहकार रहे। इस दौरान वह 2005 से 2007 तक भाजयुमो के प्रदेश महामंत्री भी रहे, 2007 से 2010 तक भाजयुमो के प्रदेश उपाध्यक्ष रहे 2010 से 2013 तक भाजयुमो की यूपी इकाई के प्रदेश अध्यक्ष रहे। उन्होंने भाजयुमो द्वारा सक्रिय रूप से तिरंगा यात्रा में भाग लिया था। 2012 के विधानसभा चुनाव में उन्हें बस्ती सदर विधान सभा क्षेत्र से टिकट मिला, 2013 से अब तक वह भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य के रूप में काम कर रहे हैं। हरीश वर्ष 2014 व 2019 के आम चुनावों में भाजपा प्रत्याशी के रूप में बस्ती संसदीय सीट से लोकसभा चुनाव जीत चुके हैं। विभिन्न संसदीय समितियों जैसे- ऊर्जा, सूचना और प्रौद्योगिकी, वित्त, प्राकलन व याचिका संबंधी स्थायी समिति के सदस्य हैं/रह चुके हैं। भाजपा की राष्ट्रीय टीम में राष्ट्रीय मंत्री जैसे महत्वपूर्ण दायित्व का भी निर्वहन कर चुके हैं। बिहार जैसे महत्त्वपूर्ण प्रदेश सह प्रभारी भी रहे हैं। हाल ही पार्टी ने राजस्थान जैसे बड़े राज्य के स्थानीय निकाय चुनाव का प्रभारी बनाया है।

सड़क हादसे के शिकार पति के बाद पत्नी की भी मौत

प्रात : किरण संवाददाता

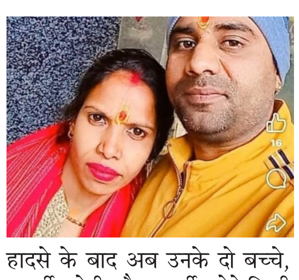

लोनी। ट्रॉनिका सिटी थाना क्षेत्र के मंडोला आवास विकास में हुए सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। शनिवार को अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार कपिल पाल (32) की मौत के बाद अब उनकी पत्नी राखी (30) ने भी उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। इस दर्द भरे हादसे के बाद अब उनके दो बच्चे, 8 वर्षीय बेटी और 6 वर्षीय बेटे किसी से माता-पिता का साया उठ गया हैं।

उल्लेखनीय है कि कपिल पाल अपनी पत्नी राखी के साथ बाइक से पंचलोक से मंडोला की ओर जा रहे थे। इसी दौरान वह जैसे ही मंडोला आवास विकास के निकट पहुंचे उनकी मोटर साइकिल में किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में कपिल की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि गंभीर रूप से घायल राखी को प्राइवेट अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया था। जहां वह मौत और जिंदगी के बीच की लड़ाई हार गई। उनके परिवार का रो-रो कर बुरा हाल है। वहीं दूसरी ओर ट्रॉनिका सिटी पुलिस अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के बाद आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने में लगी हैं ताकि घटना में प्रयुक्त वाहन और उसके चालक की पहचान हो सके।

भाजपा जिला कार्यालय पर स्वतंत्रता दिवस के मौके पर किया गया भव्य कार्यक्रम

प्रात : किरण संवाददाता

रामपुर ' भाजपा जिला कार्यालय पर स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण का भव्य कार्यक्रम किया गया इस दौरान देशभक्ति के जयकारों से पूरा कार्यालय परिसर गूंज उठा।भाजपा कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि और भाजपा जिला अध्यक्ष हरीश गंगवार ने भव्य रूप से ध्वजारोहण किया।ध्वजारोहण के बाद सभी कार्यकताओं और पदाधिकारियों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाया और भारत माता के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर वीर शहीदों को नमन किया।इस अवसर पर जिला अध्यक्ष हरीश गंगवार ने कहा कि यह दिन हमें उन महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बलिदान की याद दिलाता है।जिन्होंने देश को आजाद कराने के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर और मजबूत बन रहा है। हम सभी को देश की एकता, अखंडता और विकास के लिए समर्पित होकर काम करने का संकल्प लेना चाहिए।कार्यक्रम में मुख्य रूप से महिला आयोग की सदस्य सुनीता सैनी, जिला महामंत्री रविन्द्र सिंह रवि, जगपाल सिंह यादव, अर्जुन रस्तोगी, कार्यालय प्रभारी अशोक विश्नोई, सौरभ पाल लोधी, राजीव मांगलिक, प्रमोद आहूजा, देवकरण गंगवार, विकास दीक्षित, प्रदीप गुप्ता, अब्देश शर्मा, संजीव कुमार वर्मा, प्रभात अग्रवाल, ऋषभ ठाकुर, रघुवीर जाटव, मोनू चौधरी, राहुल गुप्ता, अनुभव शर्मा, सतपाल सैनी, अन्नू सक्सेना, कमल लोधी, राज किशोर सैनी, शंकर सैनी, मन सिंह लोधी, राजू सुमन, आदिल अलमास, नदीम खान और भारी संख्या में देवतुल्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी को मिठाई बांटकर स्वाधीनता पर्व की शुभकामनाएं दी गईं।

19 अगस्त से डिबाई रेलवे स्टेशन पर रुकेगी बरेली-इंदौर एक्सप्रेस

मुरादाबाद। मुरादाबाद रेल मंडल से होकर गुजरने वाली रेलगाड़ी बरेलीझ इंदौर एक्सप्रेस (14320) का 19 अगस्त से डिबाई रेलवे स्टेशन पर ठहराव प्रारंभ हो जाएगा। डिबाई रेलवे स्टेशन पर प्रथम ठहराव के अवसर पर स्वागत कार्यक्रम का आयोजन होगा। उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल के जनसंपर्क कार्यालय के अनुसार बरेलीझ इंदौर एक्सप्रेस (14320) का डिबाई स्टेशन पर प्रथम ठहराव 19 अगस्त को दोपहर 1:30 बजे से होगा। प्रथम ठहराव के अवसर पर स्वागत कार्यक्रम के दौरान गणमान्य अतिथियों द्वारा गाड़ी को हरी झंडी दिखाकर गंतव्य के लिए रवाना किया जाएगा। रेलगाड़ी संख्या 14320 डिबाई रेलवे स्टेशन पर दोपहर 2:12 पर पहुंचेगी और 2 मिनट ठहराव के बाद दोपहर 2:14 पर चल देगी।

मिशन शक्ति के संबल के तहत केंद्र से मिली दूसरी किस्त, महिला सहायता तंत्र को और प्रभावी बनाने की दिशा में कदम

-महिलाओं को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्था को मिलेगा बल

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तीकरण को लेकर योगी सरकार की प्रतिबद्धता लगातार मजबूत हो रही है। इसी दिशा में मिशन शक्ति की उपयोजना ह्यसंबलह्न के तहत संचालित 181-महिला हेल्पलाइन के संचालन के लिए 20.70 लाख रुपये की वित्तीय स्वीकृति मिली है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए यह राशि केंद्र सरकार से दूसरी किस्त के रूप में उपलब्ध कराई गई है। महिला कल्याण विभाग की ओर से जारी शासनादेश ने महिला सहायता तंत्र को और मजबूती देने की दिशा में सरकार की प्राथमिकता को स्पष्ट किया है। योगी सरकार ने महिला सुरक्षा को केवल कानून-व्यवस्था का विषय न मानकर उसे व्यापक महिला सशक्तीकरण से जोड़ा है। 181-महिला हेल्पलाइन इसी सोच का महत्वपूर्ण हिस्सा है। संकट में फंसी महिलाओं को सहायता, मार्गदर्शन और संबंधित सेवाओं से जोड़ने वाली यह व्यवस्था जरूरतमंद महिलाओं के लिए भरोसे का माध्यम बन रही है। वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता से हेल्पलाइन के संचालन में निरंतरता और प्रभावशीलता बनाए रखने में मदद मिलेगी। शासनादेश के मुताबिक, 181-महिला हेल्पलाइन के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 में कुल 125 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। इसमें से केंद्र सरकार द्वारा 20.70 लाख रुपये की दूसरी किस्त के रूप में वित्तीय स्वीकृति दी गई है।

लोनी में विद्युत विभाग के खिलाफ धरना जारी, अमित प्रजापति बैठे भूख हड़ताल पर

प्रात : किरण संवाददाता

लोनी। लोनी बिजली विभाग के भ्रष्टाचार और तानाशाही के खिलाफ जारी जन-आंदोलन ने सोमवार को उग्र रूप अख्तियार कर लिया। संबंधित अधिकारियों की घोर संवेदनहीनता और लापरवाही के विरोध में आंदोलन की अगुवाई कर रहे पदाधिकारी अमित प्रजापति ने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल (अंश्ल्ल अल्लरॅल्ल) की घोषणा कर दी है। अधिकारियों के अड़ियल रवैये से आक्रोशित होकर हिंदू रक्षा दल के पदाधिकारियों और अन्य सामाजिक कार्यकताओं सहित सैकड़ों की तादाद में प्रदर्शनकारियों ने धरना स्थल पर अर्धनग्न होकर उग्र प्रदर्शन किया और बिजली विभाग व सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। आंदोलनकारियों का आरोप है कि पिछले 2 दिनों से शांतिपूर्ण धरना चल रहा है, लेकिन शासन की लापरवाही इस कदर चरम पर है कि जिला प्रशासन या बिजली विभाग का एक भी अधिकारी मौके पर नहीं आया जो इस बदहाली की जिम्मेदारी ले सके। अधिकारी जनता को यह बताने से भी बच रहे हैं कि आखिर यहां की बिजली व्यवस्था पूरी तरह ठप्प क्यों है, इसका जिम्मेदार कौन है और दोषियों पर क्या कार्रवाई हो?

-ठोस गारंटी की करी मांग

भूख हड़ताल पर बैठे अमित प्रजापति ने बिजली विभाग की चालबाजी को बेनकाब करते हुए कहा, ह्रअधिकारियों ने दबाव में आकर कुछ समय के लिए बिजली की व्यवस्था ठीक तो कर दी है, लेकिन इसकी क्या गारंटी है कि यह दोबारा खराब नहीं होगी! जनता को अब बिजली विभाग पर रभरोसा नहीं रहा।अगर हम आज धरना खत्म कर घर चले जाएं, तो ये लोग तुरंत फिर से अघोषित बिजली कटौती शुरू कर देंगे। हमें अब अस्थाई आश्वासन नहीं, बल्कि ठोस समाधान चाहिए। अमित प्रजापति ने दो टूक शब्दों में मांगें करते हुए कहा: शासन की तरफ से कोई बड़ा और जिम्मेदार अधिकारी खुद मौके पर आए, जनता के सामने जिम्मेदारी ले और लापरवाह व भ्रष्ट बिजली अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित करे। और जबतक जिले के आला अधिकारी आकर यह लिखित गारंटी नहीं देते कि भविष्य में लोनी की बिजली व्यवस्था सुचारू रहेगी, तब तक आंदोलन खत्म नहीं होगा।

-पूरे लोनी में फैली आंदोलन की आग

अमित प्रजापति ने चेतावनी दी कि अब लोनी का युवा चुप बैठने वाला नहीं है। बिजली विभाग की मनमानी सीमा पार कर चुकी है। इसका विरोध पूरे लोनी क्षेत्र में अब आग की तरह फैल चुका है।युवाओं और स्थानीय नागरिकों का गुस्सा सातवें आसमान पर है। यदि तुरंत प्रभाव से भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई नहीं हुई और उच्च अधिकारियों ने संज्ञान नहीं लिया, तो यह शांतिपूर्ण आंदोलन एक ऐसे ऐतिहासिक महा-आंदोलन में तब्दील हो जाएगा।

पीआरडी जवानों पर मंगलवार को उपहारों की बारिश करेंगे सीएम योगी

प्रात : किरण संवाददाता

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को गोरखपुर से प्रदेशभर के पीआरडी (प्रांतीय रक्षक दल) जवानों पर उपहारों की बौछार करेंगे। योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित पीआरडी जवानों के सम्मेलन को संबोधित करने के साथ-साथ मुख्यमंत्री इन जवानों के लिए 3000 रुपये वर्दी भत्ता की धनराशि उनके खातों में अंतरित करेंगे। इसके साथ ही वह पीआरडी स्वयंसेवकों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा कार्ड का वितरण कर ह्यमुख्यमंत्री पीआरडी परिवार कल्याण योजनाह्न का शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर रिमोट का बटन दबाकर लखनऊ में बनने वाले बहुमंजिला पीआरडी बैरक का शिलान्यास भी करेंगे। पीआरडी जवानों के कल्याण के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सदैव संवेदनशील पहल करते रहे हैं। इन जवानों का ड्यूटी भत्ता बढ़ाने का श्रेय भी सीएम योगी को ही है। पहले इन जवानों को 395 रुपये ड्यूटी भत्ता मिलता था जिसे योगी सरकार ने बढ़ाकर 500 रुपये प्रतिदिन कर दिया। अब सरकार उनका वर्दी भत्ता भी बढ़ा रही है। साथ ही इलाज संबंधी चिंताओं से मुक्त करते हुए जवानों को कैशलेस चिकित्सा कार्ड भी उपलब्ध होने जा रहा है। वृद्धि के साथ वर्दी भत्ता की धनराशि का बैंक खातों में अंतरण और कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण का शुभारंभ मंगलवार (18 अगस्त) को पूर्वाह्न 11 बजे से गोरखपुर में आयोजित पीआरडी जवान सम्मेलन में सीएम योगी द्वारा किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि 1948 में गठित प्रांतीय रक्षक दल के जवान (स्वयंसेवक) थानों, यातायात व्यवस्था में पुलिस का सहयोग करने के साथ विभिन्न शासकीय कार्यालयों, धार्मिक स्थलों और बड़े आयोजनों में ड्यूटी कर सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था बनाने रखने में सहयोग करते हैं। योगी सरकार से पहले ये जवान उपेक्षा के शिकार बने रहते थे। 31 हजार से अधिक स्वयंसेवक हैं पंजीकृत वर्तमान में 821 ग्रामीण कंपनियों (विकास खंड स्तर पर) का गठन प्रदेश के समस्त जनपदों में है। विभागीय पोर्टल पर 31,130 पीआरडी जवान पंजीकृत हैं, जिसमें से 2,500 महिला स्वयंसेवक हैं। 29,000 से अधिक पीआरडी स्वयंसेवक कार्यरत हैं, जिसमें से 2,000 महिला स्वयंसेवक हैं। इसके साथ ही वर्तमान में पहली बार प्रदेश के 11 बड़े नगरों लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज, कानपुर नगर, बरेली, आगरा, अलीगढ़, मेरठ, मुरादाबाद एवं गौतमबुद्धनगर में शहरी कम्पनी की स्थापना का प्रावधान किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बिहारी लाल को मिला तीन वर्ष का कार्य विस्तार

वाराणसी। वाराणसी में सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा को तीन वर्ष का कार्य विस्तार मिल गया है। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल और विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने इस संबंध में आदेश दिया है। राज्यपाल और कुलाधिपति के विशेष कार्याधिकारी डॉ सुधीर बोबडे ने सोमवार को आदेश पत्र जारी करते हुए बताया कि राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 1973 की धारा-12 की उपधारा-एक के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए प्रो. बिहारी लाल शर्मा को पुनः कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष की अवधि के लिए कुलपति नियुक्त किया गया है।

सारंगनाथ मंदिर में उमड़े श्रद्धालु, सावन में साले के साथ विराजमान रहते हैं बाबा विश्वनाथ, जानिये पौराणिक महात्म्य

वाराणसी। सावन के तीसरे सोमवार को सारंगनाथ मंदिर में भगवान के दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की कतारें लगनी शुरू हो गईं। हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से पूरा क्षेत्र शिवमय नजर आया। दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालुओं ने भगवान सारंगनाथ का दर्शन कर जलाभिषेक किया और सुख-समृद्धि की कामना की। भक्तों ने गंगाजल, बेलपत्र, फूल और पूजा सामग्री के साथ मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं के साथ बड़ी संख्या में कांवड़िये भी दर्शन के लिए पहुंचे। श्रद्धालुओं ने भगवान को जल और बेलपत्र अर्पित कर परिवार की सुख-शांति, स्वास्थ्य और मनोकामना पूर्ति के लिए प्रार्थना की। धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान सारंगनाथ के दर्शन और पूजन का सावन में विशेष महत्व है। मान्यता है कि सावन के पूरे महीने भगवान विश्वनाथ अपने साले भगवान सारंगनाथ के साथ विराजमान रहते हैं। इसी आस्था के चलते सावन के सोमवार को यहां श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ जाती है। भक्तों का विश्वास है कि सच्चे मन से भगवान सारंगनाथ की पूजा-अर्चना करने से जीवन के कष्ट दूर होते हैं और मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। तीसरे सोमवार को सुबह से ही मंदिर और आसपास के क्षेत्र में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती गई। कतार में लगे भक्त भगवान के जयकारे लगाते हुए अपनी बारी का इंतजार करते रहे। दर्शन के बाद श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। पूरे दिन मंदिर परिसर और आसपास का क्षेत्र भक्ति और आस्था के रंग में डूबा रहा।

डीएम अमरोहा व हापुड़ ने तकनीकी टीम के साथ किया मंथन

तिगरी-गढ़ मेले में पैंटून पुल की संभावनाएं तलाशेगा प्रशासन

सेफ्टी रिपोर्ट व एस्टीमेट तैयार कर शासन को भेजा जाएगा प्रस्ताव

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। तिगरी-गढ़ मेला कार्तिक पूर्णिमा से शुरू होकर करीब 15 दिनों तक आयोजित होता है। मेले में हर वर्ष करीब 35 से 40 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने के मद्देनजर उनकी सुविधाओं, सुगम आवागमन और सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। सोमवार को जिलाधिकारी अमरोहा डॉ. नितिन गौड़ और जिलाधिकारी हापुड़ कविता मीणा ने संयुक्त रूप से तिगरी में बैठक कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की तथा मेला क्षेत्र का निरीक्षण किया। बैठक में तिगरी और गढ़मुक्तेश्वर मेले के संयुक्त आयोजन की संभावनाओं, दोनों जिलों के बीच बेहतर समन्वय और श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन पर विस्तार से चर्चा हुई। इसी क्रम में तिगरी और गढ़मुक्तेश्वर के बीच पैंटून पुल बनाए जाने की संभावना को लेकर तकनीकी अधिकारियों के साथ मंथन किया गया। पैंटून पुल की तकनीकी व्यवहार्यता जांचने के लिए अधीक्षण अभियंता सिंचाई मेरठ, अधीक्षण अभियंता लोक निर्माण विभाग मेरठ एवं मुरादाबाद समेत संबंधित तकनीकी अधिकारियों को बैठक में बुलाया गया। डीएम डॉ. नितिन गौड़ ने बताया कि फिलहाल पैंटून पुल को लेकर अध्ययन चल रहा है।तिगरी की ओर एंकरिंग प्वाइंट उपलब्ध हैं, जबकि गढ़मुक्तेश्वर की ओर इसकी संभावना तलाशनी होगी।

तकनीकी टीम ने बताया कि यदि अस्थायी स्ट्रक्चर के रूप में पुल की व्यवस्था संभव हुई तो इस दिशा में आगे कार्य किया जा सकता है। डीएम ने तकनीकी टीम को पैंटून पुल की संभावनाओं का विस्तृत अध्ययन कर सेफ्टी रिपोर्ट और एस्टीमेट तैयार करने के निर्देश दिए। रिपोर्ट मिलते ही प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा। डीएम ने कहा कि श्रद्धालुओं की मांग को पूरा करने के लिए प्रशासन की पूरी कोशिश रहेगी, लेकिन सुरक्षा और संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। प्रस्ताव शासन को भेजे जाने और बजट आवंटित होने के बाद तकनीकी अधिकारियों के अनुसार पैंटून पुल का कार्य करीब एक से डेढ़ माह में पूरा किया जा सकता है। बैठक में गंगा नदी की ड्रेजिंग, तटबंध निर्माण, कटान नियंत्रण और नदी के प्रवाह की स्थिरता पर भी चर्चा हुई। भविष्य में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए स्थायी घाट एवं स्नान स्थलों के विकास पर भी विचार किया गया। घाटों पर रैम्प, प्रकाश व्यवस्था और अन्य सुरक्षा मानकों को विकसित करने पर जोर दिया गया। महिलाओं, वृद्धजनों और दिव्यांगजनों के लिए स्थायी जनसुविधाओं के विकास पर भी चर्चा हुई। शौचालय, चेंजिंग रूम, सुरक्षित स्नान क्षेत्र, पेयजल, विश्राम स्थल और प्रकाश व्यवस्था जैसी सुविधाओं को विकसित करने की जरूरत बताई गई। इसके अलावा यातायात प्रबंधन, पार्किंग, सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, विद्युत व्यवस्था, स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन और मेला क्षेत्र के सौंदर्यीकरण को लेकर भी दीर्घकालिक कार्ययोजना पर मंथन किया गया। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, अपर जिलाधिकारी हापुड़, उपजिलाधिकारी धनौरा, सिंचाई, लोक निर्माण विभाग, वन विभाग, जिला पंचायत समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

संपूर्ण समाधान दिवस में डीएम ने सुनीं जनसमस्याएं, 24 शिकायतों में दो का मौके पर निस्तारण

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

रिपोर्टबिजनौर। तहसील नजीबाबाद के कवि दुष्यंत कुमार सभागार में सोमवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी जसजीत कौर ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने अधिकारियों को शिकायतों का निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप किसी भी शिकायतकर्ता को अपनी समस्या के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। जिन प्रकरणों में स्थलीय जांच आवश्यक हो, उनमें संबंधित अधिकारी स्वयं मौके पर पहुंचकर निष्पक्ष जांच करें और तथ्यों पर आधारित आख्या प्रस्तुत करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वर्तमान के साथ लंबित शिकायतों का भी प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए। शिकायत के निस्तारण की गुणवत्ता के साथ शिकायतकर्ता की संतुष्टि को भी आख्या में शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं का समाधान अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारियों में शामिल है, इसलिए इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 24 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें से दो शिकायतों का मौके पर ही संबंधित विभागीय अधिकारियों के माध्यम से निस्तारण करा दिया गया, जबकि शेष शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। डीएम ने यह भी कहा कि शासन का उद्देश्य प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों का लाभ पहुंचाना है। अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि पात्र लोग योजनाओं के लाभ से वंचित न रहें और शिकायतों के निस्तारण में संवेदनशीलता तथा जवाबदेही का पूरा ध्यान रखा जाए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा, उप जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र सिंह, परियोजना निदेशक, तहसीलदार सहित विभिन्न विभागों के तहसील स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

मयंक मयूर मार्ग का नामकरण एवं लोकार्पण

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। स्वर्गीय मयंक मयूर की तृतीय पुण्यतिथि पर सोमवार को उनकी स्मृति को चिरस्थायी बनाने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद बिजनौर की ओर से ह्लमयंक मयूर मार्गह्व का नामकरण एवं लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर वक्ताओं ने स्वर्गीय मयंक मयूर के व्यक्तित्व एवं सामाजिक योगदान को याद किया। कार्यक्रम का शुभारंभ हवन के साथ हुआ। इसके बाद आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित लोगों ने मयंक मयूर को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। वक्ताओं ने कहा कि मयंक मयूर ने निस्वार्थ भाव से समाज के लिए कार्य किया। उनके कार्य करने की शैली और समाज के विभिन्न वर्गों के साथ उनके आत्मीय संबंधों के कारण आज भी लोग उन्हें स्मरण करते हैं। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे समर्पित स्वयंसेवक का मिलना दुर्लभ है। श्रद्धांजलि सभा के उपरांत नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष इन्दिरा सिंह, मयंक मयूर की माता संतोष देवी, भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय संयोजक डॉ. बीरबल सिंह तथा सभासद मनोज कुमार मनी ने संयुक्त रूप से ह्लमयंक मयूर मार्गह्व का लोकार्पण किया। लोकार्पण के बाद प्रसाद वितरण किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष इन्दिरा सिंह ने कहा कि नगर पालिका द्वारा शहर के चौराहों एवं मार्गों के सौंदर्यीकरण के साथ ऐसे व्यक्तित्वों के नाम पर नामकरण कराया जा रहा है, जिन्होंने समाज के लिए विशेष योगदान दिया। इसी क्रम में प्रेरणास्त्रोत स्वर्गीय मयंक मयूर की स्मृति में मार्ग का नामकरण करने का अवसर मिला है। श्रद्धांजलि सभा को महेश पाल सिंह विभाग सरसंघचालक, विकास लाटियान नगर सरसंघचालक, विकास अग्रवाल, प्रशांत महर्षि, सुभाष वाल्मीकि और डॉ. बीरबल सिंह ने संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि मार्ग पर स्थापित शिलालेख आने वाले समय में लोगों को निस्वार्थ भाव से समाजसेवा करने की प्रेरणा देता रहेगा। कार्यक्रम में विदीत चौधरी, प्रांत विद्यार्थी प्रमुख जितेन्द्र चौधरी, जिला कार्यवाह प्रदीप, नगर कार्यवाह दीपक चौहान, विश्व हिंदू परिषद के अनिल चौधरी, दुष्यंत कुमार, सुरेन्द्र प्रकाश भटनागर, अमित ठाकुर, सभासद संजय बिश्नोई सहित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, सामाजिक कार्यकर्ता, प्रबुद्ध नागरिक और मयंक मयूर के परिजन मौजूद रहे। मयंक मयूर के बड़े भाई गिरवर पाल सिंह ने नगर पालिका परिषद तथा कार्यक्रम में शामिल सभी अतिथियों एवं आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महेश पाल सिंह ने की तथा संचालन योगेन्द्र पाल सिंह योगी, अध्यक्ष विवेकानन्द दिव्य भारती उत्तर प्रदेश, ने किया।

मोटा महादेव मंदिर में डीएम-एसपी ने कांवड़ यात्रियों को बांटा प्रसाद

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। संपूर्ण समाधान दिवस, नजीबाबाद के समापन के बाद जिलाधिकारी जसजीत कौर एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने मोटा महादेव मंदिर परिसर पहुंचकर कांवड़ यात्रियों से संवाद किया। दोनों अधिकारियों ने नगर पालिका के अधिशासी अधिकारियों की ओर से आयोजित भंडारे में सहभागिता कर कांवड़ यात्रियों को प्रसाद वितरित किया और उनकी कुशलक्षेम जानी। जिलाधिकारी ने भंडारा स्थल तथा आसपास की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रियों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश और सुरक्षा व्यवस्थाओं को लगातार दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि कांवड़ यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और सुगम यात्रा प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए संबंधित विभागों को पूरी संवेदनशीलता और सतर्कता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने भी सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा के लिए सतर्क रहने तथा यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए। इस दौरान नगर पालिकाओं के समस्त अधिशासी अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

राशन विक्रेताओं का लाभांश बढ़ाकर 125 रुपये प्रति कुंतल किया

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। प्रदेश सरकार ने उचित दर विक्रेताओं के हित में बड़ा निर्णय लेते हुए उनके लाभांश में वृद्धि की है। अब उचित दर विक्रेताओं को 90 रुपये के स्थान पर 125 रुपये प्रति कुंतल लाभांश मिलेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में सिंगल स्टेज डोर स्टेप डिलीवरी के अंतर्गत उचित दर विक्रेता फीडबैक प्रणाली का भी शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उचित दर विक्रेता सरकार और समाज के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत प्रदेश में लगभग 15 करोड़ लोगों को निशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उचित दर विक्रेताओं के लिए अन्नपूर्णा भवनों के निर्माण हेतु प्रदेश सरकार ने 500 करोड़ रुपये की व्यवस्था की है। इन भवनों में आवश्यक वस्तुओं सहित 39 प्रकार के सामान का विक्रय कर विक्रेता अपनी आय बढ़ा सकेंगे। लाभांश में की गई वृद्धि में 10 रुपये प्रति कुंतल का भार केंद्र सरकार तथा 25 रुपये प्रति कुंतल का भार राज्य सरकार वहन करेगी। सरकार का दावा है कि खाद्यान्न को सीधे गोदाम से उचित दर विक्रेता की दुकान तक पहुंचाने की व्यवस्था लागू होने से बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई है तथा वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ी है। नई फीडबैक प्रणाली से इस व्यवस्था को और प्रभावी बनाने का प्रयास किया जाएगा। कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया। इस दौरान भाजपा पश्चिम क्षेत्र की क्षेत्रीय मंत्री हरजीत कौर, नगर पालिका अध्यक्ष इंदिरा सिंह, भाजपा नेता ऐश्वर्या मौसम चौधरी, जिलाधिकारी जसजीत कौर, मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और जिले के उचित दर विक्रेता मौजूद रहे। भाजपा नेता ऐश्वर्या मौसम चौधरी ने कहा कि लाभांश में वृद्धि से उचित दर विक्रेताओं के आर्थिक हित मजबूत होंगे। सरकार का उद्देश्य पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से पहुंचाना है। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कहा कि शासन का यह निर्णय उचित दर विक्रेताओं के हित में सराहनीय है। लाभांश बढ़ने से उन्हें आर्थिक मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि खाद्यान्न वितरण में पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्धता जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। सिंगल स्टेज डोर स्टेप डिलीवरी तथा फीडबैक प्रणाली के माध्यम से व्यवस्था को और प्रभावी बनाया जाएगा।

मदरसा फैज-ए-आम में धूमधाम से मनाया गया यौमे आजादी

तिरंगा फहराकर गाया कौमी तराना, मुल्क की तरक्की और अमनो-अमान के लिए की गई दुआ

प्रात: किरण संवाददाता

स्योहारा। मदरसा इस्लामिया अरबिया फैज-ए-आम शाही स्योहारा में 15 अगस्त को यौमे आजादी का 80वां जश्न बड़े ही हर्षोल्लास और उमंग के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मदरसा कमेटी के वरिष्ठ सदस्य मोहम्मद शाकिर ने शान के साथ कौमी तिरंगा फहराया। इसके बाद मदरसे के छात्र-छात्राओं ने कौमी तराना प्रस्तुत किया तथा नात-ए-पाक पढ़कर सुनाई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मदरसे के जनरल सेक्रेटरी हाजी मोहम्मद इलियास, उस्ताद कारी मोहम्मद शाहिद अली व अन्य वक्ताओं ने कहा कि देश की आजादी हमारे बुजुर्गों, उलमा और स्वतंत्रता सेनानियों की कुर्बानियों का नतीजा है। उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना देश की आजादी के लिए हंसते-हंसते अपनी जान कुर्बान कर दी। आज हम उन्हीं की कुर्बानियों की बदौलत आजाद माहौल में सांस ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी देशवासियों को देश की सेवा और तरक्की के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। भारत की खूबसूरती इसकी गंगा-जमुनी तहजीब और विभिन्न धर्मों के लोगों का आपसी भाईचारा है। संविधान ने सभी नागरिकों को बराबरी का अधिकार दिया है और प्रत्येक व्यक्ति को अपने धर्म का पालन करने की स्वतंत्रता है। कार्यक्रम के अंत में देश में अमनो-अमान, खुशहाली और तरक्की के लिए दुआ कराई गई। इसके बाद कार्यक्रम में शामिल विद्यार्थियों व अन्य लोगों को मिठाई वितरित की गई। इस मौके पर हाजी मोहम्मद इलियास, कारी मोहम्मद शाहिद, मुफ्ती हनीफ अहमद अंसारी, कारी जाकिर अली, चौधरी शाकिर अली, चौधरी जकी, हाफिज आफताब, मुअज्जिन समून अहमद सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

मदरसा फैज-ए-आम में धूमधाम से मनाया गया यौमे आजादी

तिरंगा फहराकर गाया कौमी तराना, मुल्क की तरक्की और अमनो-अमान के लिए की गई दुआ

प्रात: किरण संवाददाता

स्योहारा। मदरसा इस्लामिया अरबिया फैज-ए-आम शाही स्योहारा में 15 अगस्त को यौमे आजादी का 80वां जश्न बड़े ही हर्षोल्लास और उमंग के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मदरसा कमेटी के वरिष्ठ सदस्य मोहम्मद शाकिर ने शान के साथ कौमी तिरंगा फहराया। इसके बाद मदरसे के छात्र-छात्राओं ने कौमी तराना प्रस्तुत किया तथा नात-ए-पाक पढ़कर सुनाई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मदरसे के जनरल सेक्रेटरी हाजी मोहम्मद इलियास, उस्ताद कारी मोहम्मद शाहिद अली व अन्य वक्ताओं ने कहा कि देश की आजादी हमारे बुजुर्गों, उलमा और स्वतंत्रता सेनानियों की कुर्बानियों का नतीजा है। उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना देश की आजादी के लिए हंसते-हंसते अपनी जान कुर्बान कर दी। आज हम उन्हीं की कुर्बानियों की बदौलत आजाद माहौल में सांस ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी देशवासियों को देश की सेवा और तरक्की के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। भारत की खूबसूरती इसकी गंगा-जमुनी तहजीब और विभिन्न धर्मों के लोगों का आपसी भाईचारा है। संविधान ने सभी नागरिकों को बराबरी का अधिकार दिया है और प्रत्येक व्यक्ति को अपने धर्म का पालन करने की स्वतंत्रता है। कार्यक्रम के अंत में देश में अमनो-अमान, खुशहाली और तरक्की के लिए दुआ कराई गई। इसके बाद कार्यक्रम में शामिल विद्यार्थियों व अन्य लोगों को मिठाई वितरित की गई। इस मौके पर हाजी मोहम्मद इलियास, कारी मोहम्मद शाहिद, मुफ्ती हनीफ अहमद अंसारी, कारी जाकिर अली, चौधरी शाकिर अली, चौधरी जकी, हाफिज आफताब, मुअज्जिन समून अहमद सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

मकतब जीशान-कैसर व आल में बड़ी ही खुशी और उमंग से मनाया गया यौमे आजादी का जश्न

शान के साथ फहराया गया तिरंगा झंडा, तलबओ ने गुनगुनाया कौमी तराना, मकतब के बच्चों ने निकाली तिरंगा रैली

प्रात: किरण संवाददाता

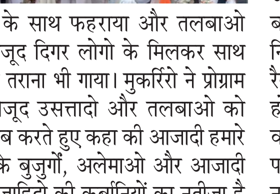

स्योहारा। मकतब जीशान -- कैसर व आल के बानी चौ. जीशान अली खाँ की सरपरस्ती और जेरे हिदायत से मकतब जीशान -- कैसर व आल में मौलाना अरशद हक्की और कारी मुजम्मिल अहमद की जेरे निगरानी में 80 वें ह्लयौमे आजादीह्व का जश्न बड़े हो खुशी और उमंग के साथ मनाया गया इस मौके पर प्रोग्राम में आये मेहमान ए खसुसी मुफ्ती अकील अहमद, चौधरी महफूज एडवोकेट, हाफिज मंसूर अली ने मुल्क का राष्ट्रीय तिरंगा झंडा बड़े ही शान के साथ फहराया और तलबाओ व मौजूद दिगर लोगो के मिलकर साथ कौमी तराना भी गाया। मुकर्रिरो ने प्रोग्राम में मौजूद उसत्तादो और तलबाओ को खिताब करते हुए कहा की आजादी हमारे देश के बुजुर्गों, अलेमाओ और आजादी के मुजाहिदो की कुर्बानियों का नतीजा है की आज हम आजादी के खुले आसमान में सांस ले रहे हैं आजादी के मुजाहिदो ने अपनी जान की परवाह न करते हुए अपनी जान को अपने मुल्क हिंदुस्तान की आजादी के लिए हँसते हँसते कुर्बान कर दिया हमें उनकी अहमियत को समझना चाहिए हम सबको भी देश की खिदमत के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए हमारे मुल्क की सबसे खास बात यह कि यहां पर सभी को बराबरी का हक है और अपने-अपने मजहब को मानने का पूरा अधिकार है। हाजरीन को खिताब करने के बाद मकतब के तलबाओ ने उस्तादों की निगरानी में तिरंगा रैली भी निकालीं। तिरंगा रैली मकतब से शुरू हुई और मीना मार्केट होते हुए स्योहारा के चेयरमैन फैसल वारसी के मकान पर पहुंची। वहाँ पर नगर पालिका के मेंबर सुलेमान अहमद और नगर के दिगर जिम्मेदार लोगो ने तिरंगा रैली में आए तलबाओ का खुशी-खुशी इस्तकबाल कर मिठाई खिलाई इसके बाद तिरंगा रैली सब्जी मंडी, पीर का बाजार होते हुए भैया जी एन्ड संस क्लाथ हाउस पर पहुंची वहां पर पहले से मौजूद हाजी शहबाज जमाल, हाजी सरफराज जमाल, चौधरी बब्बू, सुल्तान अहमद, अरशद जलील, मौ. माज वगैरहा ने तिरंगा रैली का बड़ी ही गर्म जोशी से इस्तकबाल किया भैया जी एन्ड क्लॉथ हाउस पर भी तिरंगा झंडा फहराकर कौमी तराना गुनगुनाया गया और बच्चों को मिठाई भी बांटी गई तिरंगा रैली मुस्लिम चौधरीयान से होते हुए वापस अपने मकतब पर आकर मुकम्मल हुई और बच्चों को मिठाई तकसीम की गई इसके अलावा प्रोग्राम में आए लोगों को भी नाश्ता वगैरह का इंतजाम किया गया। यौमे आजादी के मौके पर हुए प्रोग्राम में मौलाना अरशद अली हक्की, मौलाना मुजम्मिल हुसैन, मुफ्ती हैदर अली, कारी माहिर अली, मौलाना बदर अली, कारी सद्दाम हुसैन, चौधरी महफूज एडवोकेट, हाफिज मंसूर अली, हाफिज आफताब अहमद, इस्लामुद्दीन अहमद वगैरा के साथ और भी लोग मौजूद रहे।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में 11 शिकायतें तीन का मौके पर निस्तारण

प्रात: किरण संवाददाता

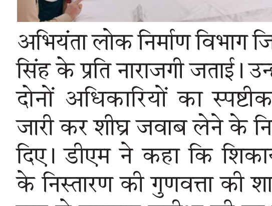

अमरोहा। तहसील अमरोहा में सोमवार को जिला मजिस्ट्रेट डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव की मौजूदगी में डीएम ने फरियादियों की शिकायतें सुनीं और संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। डीएम ने अधिकारियों से कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक शिकायत का निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ निस्तारण किया जाए। शिकायत के निस्तारण के बाद शिकायतकर्ता की संतुष्टि भी सुनिश्चित होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आवश्यकता पड़ने पर मौके पर जाकर शिकायतकर्ता की बात गंभीरता से सुनें और समस्या का उचित समाधान करें। सम्पूर्ण समाधान दिवस में बिना पूर्व सूचना अनुपस्थित रहने पर डीएम ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रमाकांत सागर और अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग जितेंद्र सिंह के प्रति नाराजगी जताई। उन्होंने दोनों अधिकारियों का स्पष्टीकरण जारी कर शीघ्र जवाब लेने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता की शासन स्तर से लगातार समीक्षा की जा रही है। मुख्यमंत्री स्वयं शिकायतों की समीक्षा करते हैं, इसलिए किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने पोर्टल पर निस्तारण अपलोड करते समय विभागाध्यक्षों को स्वयं मॉनिटरिंग करने तथा जियो-टैग फोटो अनिवार्य रूप से अपलोड कराने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि शिकायतों की पुनरावृत्ति न हो, इसका भी ध्यान रखा जाए।समाधान दिवस में राजस्व विभाग की सात, पुलिस की एक, आपूर्ति विभाग की दो और डूडा की एक शिकायत सहित कुल 11 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से तीन शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया। भूमि संबंधी मामलों के निस्तारण के लिए पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर भेजी गई।डीएम ने शेष शिकायतों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को सौंपते हुए निर्धारित समयावधि में स्थलीय निरीक्षण कर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जनता दर्शन, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, आईजीआरएस पोर्टल, तहसील दिवस समेत अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों को भी प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने को कहा। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने पुलिस अधिकारियों को आमजन की पुलिस संबंधी शिकायतों का शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी शशिभूषण पाठक सहित जिला एवं तहसील स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

अंजुमन-ए-अशरफ फार्मेसी कॉलेज में हर्षोल्लास से मनाया स्वतंत्रता दिवस

प्रात: किरण संवाददाता

गजरौला। वासी सहसौली, सिहाली जागीर स्थित अंजुमन-ए-अशरफ फार्मेसी कॉलेज में 15 अगस्त को 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के संस्थापक शाहबुद्दीन अली खां मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया, जिसके बाद उपस्थित सभी लोगों ने राष्ट्रगान गाया। इस दौरान स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग एवं बलिदान को याद करते हुए देश की एकता, अखंडता और प्रगति के लिए कार्य करने का संकल्प लिया गया। समारोह में कॉलेज के प्रधानाचार्य सहित शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत वातावरण बना रहा। समारोह का समापन राष्ट्रहित एवं देश की प्रगति के संकल्प के साथ किया गया।

लूट के आरोपी की पुलिस से मुठभेड़, पैर में गोली लगने के बाद गिरफ्तार

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। कोतवाली शहर पुलिस ने लूट की घटना में वांछित एक आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार करने का दावा किया है। पुलिस के अनुसार चेकिंग के दौरान आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी। घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। उसके कब्जे से 315 बोर का तमंचा, जिंदा व खोखा कारतूस तथा लूटी गई स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस के मुताबिक 13 अगस्त को जहानाबाद निवासी अशोक पुत्र डांगर सिंह ने कोतवाली शहर में तहरीर देकर बताया था कि अज्ञात बदमाश उसकी स्प्लेंडर मोटरसाइकिल संख्या यूपी20बीवाई3398 और दो मोबाइल फोन लूट ले गए। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की थी। सोमवार को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि लूट की घटना में शामिल एक संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार चांदपुर की ओर से बिजनौर की तरफ आ रहा है। पुलिस ने चेकिंग शुरू की। इसी दौरान संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रोकने का प्रयास किया तो उसने मोटरसाइकिल मोड़कर भागने की कोशिश की और पुलिस के अनुसार टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में आरोपी के पैर में गोली लगी और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान देव पुत्र सतीश, निवासी ग्राम रेहडूवा, थाना कोतवाली शहर, बिजनौर के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपी ने 12/13 अगस्त की रात अपने साथियों के साथ ग्राम गांज और शाहपुर के बीच नहर के पास एक व्यक्ति से मोटरसाइकिल लूटने की बात बताई। पुलिस के अनुसार पीड़ित के पास मौजूद दो मोबाइल फोन भी उसके साथियों ने अपने पास रख लिए थे।हर्षित पर फायरिंग में भी नाम आने का पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपी ने पांच अगस्त को विवेक कॉलेज के पास नहर रोड पर हर्षित के ऊपर हुई फायरिंग की घटना में भी शामिल होने की बात बताई। आरोपी ने इस घटना में अपने साथ पृथ्वी पुत्र वरुण और एक अन्य लड़की के शामिल होने की जानकारी दी। हालांकि, यह तथ्य आरोपी के पूछताछ में दिए कथित बयान पर आधारित है और इसकी पुष्टि विवेचना में उपलब्ध स्वतंत्र साक्ष्यों से होना शेष है। पुलिस ने विवेचना के आधार पर लूट के मुकदमे में धारा 309(4) बीएनएस के स्थान पर धारा 310(2)/317(2) बीएनएस की वृद्धि की है। वहीं मुठभेड़ के संबंध में धारा 109(1) बीएनएस तथा 3/25/27 आयुध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दर्ज तीन मुकदमों का भी उल्लेख किया है। इनमें लूट, फायरिंग तथा मुठभेड़ एवं आयुध अधिनियम से संबंधित मामले शामिल हैं।

यह सामान हुआ बरामद

पुलिस के अनुसार आरोपी के कब्जे से 315 बोर का एक तमंचा, एक जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस और स्प्लेंडर मोटरसाइकिल यूपी20बीवाई3398 बरामद हुई है। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक अवनीत मान, उपनिरीक्षक रोहित कुमार, उपनिरीक्षक संजीव कुमार तथा कांस्टेबल संदीप, मंजीत, नेपाल सिंह, संदीप कुमार और सुनील कुमार शामिल रहे।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com
राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, मंगलवार, 18 अगस्त, 2026

फिर सीबीआई ऑफिसर बनकर लौटेंगे अरशद वारसी

श्वेता बसु प्रसाद की हुई एंट्री

अरशद वारसी की वेब सीरीज 'असुर' ने काफी पॉपुलैरिटी हासिल की है। सीरीज के दोनों सीजन को फैंस से काफी प्यार मिला है। अब इसके अगले सीजन को लेकर नया अपडेट सामने आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक 'असुर 3' की शूटिंग इस साल सितंबर से शुरू होने वाली है। टीम ने नए सीजन की तैयारी भी शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि 'असुर' के क्रिएटर गौरव शुक्ला अब तीसरे सीजन में डायरेक्टर की कुर्सी संभालेंगे। पहले दो सीजन का निर्देशन ओनी सेन ने किया था। कास्ट की बात करें तो इस सीजन में एक नई एंट्री भी होने वाली है। रिपोर्ट्स के अनुसार, एक्ट्रेस श्वेता बसु प्रसाद 'असुर 3' का हिस्सा बन सकती हैं। इससे शो की कहानी और भी दिलचस्प होने की उम्मीद है।

'असुर' वेब सीरीज के बारे में

'असुर' का पहला सीजन 2020 में आया था, जिसमें अरशद वारसी और बरुन सोबती की जोड़ी को खूब पसंद किया गया। दूसरे सीजन के बाद से ही फैंस तीसरे पार्ट का इंतजार कर रहे थे। अब आखिरकार शो आगे बढ़ रहा है। अरशद वारसी ने भी पहले इस बात की पुष्टि की थी कि 'असुर 3' पर काम चल रहा है, हालांकि उन्होंने कहा था कि उन्होंने अभी स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी है, लेकिन शो बनना तय है।

अरशद वारसी का वर्कफ्रंट

वर्क फ्रंट की बात करें तो अरशद वारसी हाल ही में 'धमाल 4' में नजर आए थे। आने वाले समय में वह 'गोलमाल 5' में भी दिखाई देंगे।

श्रेया कालरा ने ट्रोलर्स को लताड़ा, बोलीं- शो में मुझसे फायदा छीनकर किसी और को दे दिया गया

'लॉक अप 2' की विनर बनीं श्रेया कालरा की जीत पर दर्शक लगातार सवाल उठा रहे हैं। इस जीत को लेकर श्रेया को काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। अब श्रेया ने सोशल मीडिया के जरिए अपने आलोचकों को कड़ा जवाब दिया है।

श्रेया ने किये यूजर्स से सवाल

श्रेया कालरा की जीत को कुछ दर्शक स्क्रिप्टेड और पक्षपातपूर्ण बता रहे हैं। हाल ही में इंस्टाग्राम के जरिए 'लॉक अप 2' की विजेता ने फैंस के सवालों का जवाब दिया। श्रेया ने जब प्रतियोगियों को वापस लाया गया तो लोगों ने शो को पक्षपाती क्यों नहीं कहा? जब उन्हें सीक्रिट रूम के रखा गया तब यह सवाल क्यों नहीं उठाया गया? शो में मुझसे फायदा छीनकर किसी और को दे दिया गया। इस तरह के सवाल शो में बाकि प्रतियोगियों के लिए क्यों नहीं उठाये गए?

श्रेया को इनाम में क्या मिला?

लॉकअप सीजन 2 के विजेता का खिताब जीतने के बाद श्रेया कालरा को पुरस्कार में एक चमचमाती ट्रॉफी मिली थी। इसके अलावा एक करोड़ रुपये की राशि भी उन्हें मिली। रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रेया कालरा मामूली अंतर से जीती थीं। उन्होंने शिवांगी जोशी को सात वोटों से हराया था। बता दें कि पांच फाइनलिस्ट चुने गए थे। फाइनल में राम कपूर, शिवांगी जोशी, श्रेया कालरा, योगेश रावत और आकांक्षा चमोला ने जगह बनाई थी।

फराह खान पर भी लगे पक्षपात के आरोप

इससे पहले निर्देशक फराह खान ने अपने व्लॉग में भी 'लॉक अप 2' में खुद पर लगे आरोपों पर बात की थी। उन्होंने कहा, ' शो होस्ट करने के दो हफ्ते बाद मुझे पता चला कि लोग कमेंट कर रहे हैं कि मैं पक्षपाती होस्ट हूं, क्यों? क्योंकि श्रेया और मेरी यूट्यूब कंपनी एक ही टीम के द्वारा चलाई जाती हैं। उस कंपनी के पास 70 कंटेंट क्रिएटर हैं, तो क्या? पता नहीं मैं पक्षपाती कैसे हो सकती हूं?'

द डिप्लोमैट के बाद फिर साथ काम करेंगे जॉन अब्राहम और शिवम नायर?

फिल्म 'द डिप्लोमैट' के बाद जॉन अब्राहम एक बार फिर शिवम नायर की फिल्म में नजर आने वाले हैं। ऐसी चर्चा है कि दोनों ने आगामी प्रोजेक्ट के लिए हाथ मिलाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों जिस एक्शन थ्रिलर फिल्म पर काम कर रहे हैं, उसका अभी कोई नाम नहीं रखा गया है। इसमें दो मेल लीड होंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक जॉन की अगली फिल्म एक कमर्शियल एंटरटेनर होगी। इसे शिवम नायर के अब तक के सबसे मेनस्ट्रीम प्रोजेक्ट्स में से भी एक बताया जा रहा है। हालांकि, फिल्म की बाकी कास्ट और दूसरे हीरो को लेकर अभी कोई जानकारी नहीं है।

सामंथा प्रेग्नेंसी में होस्ट करेंगी 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तमिल'

शो 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तमिल' में तमिल एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के कुछ जाने-माने चेहरे शूटिंग से हटकर किचन में नजर आएंगे। वह मुश्किल कुकिंग चैलेंजेस का सामना करेंगे। इस शो का एक प्रोमो भी जारी किया गया, जिसमें सामंथा कहती हैं, 'हमारे शहर में, हम जो भी करते हैं, स्टाइल के साथ करते हैं, एकदम जबरदस्त अंदाज में, है ना? भले ही वह सिर्फ खाना बनाना ही क्यों न हो। फिल्मों में एक्शन 'कट' के साथ शुरू और खत्म होता है। लेकिन यहां असली एक्शन 'कट' के बाद ही शुरू होता है। चाहे शूट हो या किचन, जीतने के लिए हमेशा जुनून की जरूरत होती है।'

शो को लेकर उत्साहित हैं सामंथा?

शो के बारे में बात करते हुए सामंथा रूथ प्रभु ने कहा, 'मैं आखिरकार सबके साथ यह जानकारी शेयर करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तमिल मेरे पहले किए गए किसी भी कामों से बिल्कुल अलग है। इसी वजह से इसे ना कहना नामुमकिन था। मैं इस बात के लिए सबसे ज्यादा उत्साहित हूं कि हमारे कुछ पसंदीदा तमिल सेलिब्रिटी किचन में कदम रखेंगे, रिस्क लेंगे, गलतियां करेंगे, खुद को हैरान करेंगे और उम्मीद से कहीं ज्यादा जुनून के साथ मुकाबला करेंगे। काश मैं आपको बता पाती कि कौन खाना बना रहा है, लेकिन उसमें मजा ही क्या है? मैं इंतजार नहीं कर सकती कि सब लोग उस अनुभव का आनंद लें।'

करियर फ्रंट पर क्या कर रही हैं सामंथा?

दो महीने पहले सामंथा की साउथ फिल्म 'मां इंटी बंगारम' रिलीज हुई थी। इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर अच्छी सफलता मिली। इसके बाद ही सामंथा ने अपनी प्रेग्नेंसी की खबर फैंस के साथ साझा की। इन दिनों वह अपने प्रेग्नेंसी फेज को एंज्वॉय कर रही हैं, सोशल मीडिया पर बेबी बंप के साथ तस्वीरें शेयर करती हैं। इसके अलावा जल्द ही वह 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तमिल' को होस्ट करती हुई नजर आएंगी।

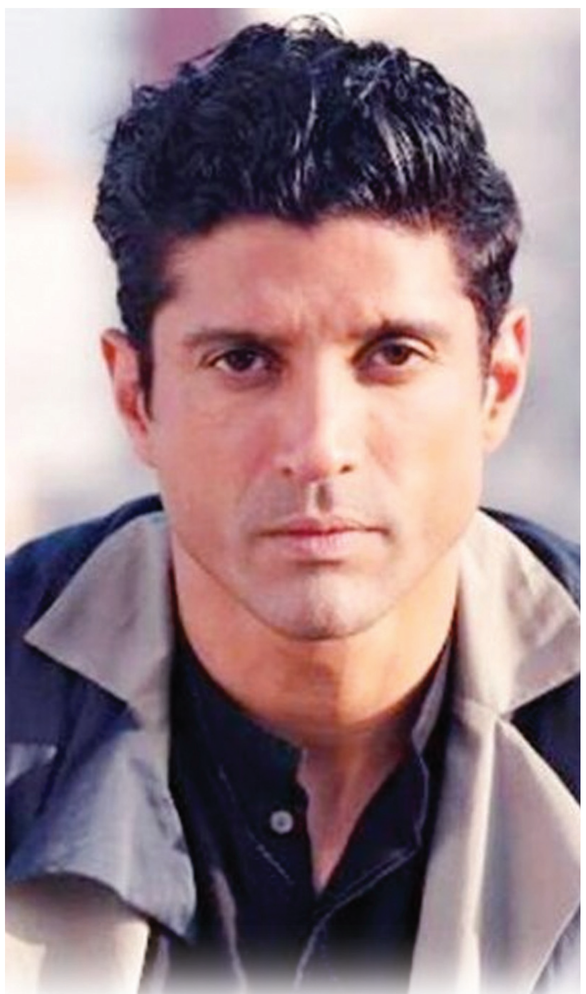

'मिर्जापुर द मूवी' पर बोले फरहान अख्तर;

जितेंद्र कुमार ने की ये गुजारिश

एक्टर-प्रोड्यूसर फरहान अख्तर ने 'मिर्जापुर' सीरीज को इतना प्यार देने के लिए फैंस का शुक्रिया अदा किया है। इसी प्यार की वजह से मेकर्स 'मिर्जापुर: द मूवी' बनाने के लिए प्रेरित हुए। 'मिर्जापुर: द मूवी' के ट्रेलर लॉन्च पर, प्रोड्यूसर फरहान अख्तर ने फिल्म की रिलीज डेट को लेकर दुनिया भर के फैंस के उत्साह का जिक्र किया। मीडिया से बात करते हुए फरहान ने कहा कि अपकमिंग फिल्म फैंस की मांग का नतीजा है। फरहान अख्तर ने कहा, 'यह शो फैंस के प्यार का नतीजा है। उन्होंने शो को तब से सपोर्ट किया है, जब यह पहली बार रिलीज हुआ था। अमेजन इसे दुनिया भर में ले गया। मैं जहां भी जाता था, लोग मुझसे पूछते थे, 'मिर्जापुर कब आ रहा है?' जब इसकी घोषणा हुई, तो लोग मुझसे रिलीज डेट पूछते थे, इसलिए असल में फैंस ने ही इस फिल्म की मांग की है। हम बहुत खुश और आभारी हैं कि हमने इसे ओरिजिनल कास्ट और शानदार नई कास्ट के साथ मिलकर बनाया है।'

क्या बोले जितेंद्र कुमार

वहीं जितेंद्र ने फैंस से एक गुजारिश की है। उन्होंने कहा 'बबलू भैया पर भी उतना ही प्यार बरसाएं, जितना उन्होंने 'पंचायत' में जीतू भैया पर बरसाया था, क्योंकि अब बबलू भैया की वापसी हो रही है।'

ट्रेलर में क्या है

मेकर्स ने आज 'मिर्जापुर: द मूवी' का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। यह सीजन 1 को आगे बढ़ाता है और फ्रेंचाइजी के कुछ सबसे पसंदीदा और आइकॉनिक किरदारों- जैसे कालीन भैया, मुन्ना भैया और गुड्डू पंडित- को एक साथ लाता है।

फिल्म की स्टारकास्ट

फिल्म में पंकज त्रिपाठी, दिव्येंदु, अली फजल, जितेंद्र कुमार, रवि किशन, अभिषेक बनर्जी, रसिका दुगल, मोहित मलिक, शीबा चड्ढा, राजेश तैलंग, प्रमोद पाठक, श्रिया पिलगांवकर, हर्षिता शेखर गौड़, श्वेता त्रिपाठी, सोनल एस. चौहान, अनंगशा बिस्वास, शाजी चौधरी, सत्येंद्र सोनी, कुलभूषण खरबंदा और सुशांत सिंह अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 4 सितंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

बिहार के गांव से निकला हूं, इसलिए आजादी को अलग तरह से देखता हूं

अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने खास बातचीत में बताया है कि उनके हिसाब से आजादी का क्या मतलब है। उन्होंने यह भी बताया है कि आज का भारत कैसा होना चाहिए।

आखिर आजादी की असली परीक्षा कब होती है? जब कोई हमें रोक रहा हो या तब, जब कोई रोकने वाला ही न हो? पर अभिनेता पंकज त्रिपाठी के पास इसका अपना जवाब है। बिहार के एक छोटे से गांव से निकलकर देश के अलग-अलग हिस्सों में काम करने और लोगों से मिलने वाले पंकज ने भारत को कई रंगों में देखा है। मगर उनके लिए इन सारे रंगों के पीछे एक चीज हमेशा एक जैसी रही- अपनापन।

एक चीज जो हम सबको जोड़ती है

पंकज कहते हैं, 'मेरे हिसाब से पिछले 80 वर्षों में हमने सबसे अच्छी चीज अपनी विविधता और साथ रहने की भावना को बचाया है। भारत में इतनी भाषाएं हैं, इतनी संस्कृतियां हैं, इतने अलग-अलग तरह के लोग हैं, फिर भी एक भारतीय होने की भावना हम सबको जोड़ती है। मैं बिहार के एक छोटे से गांव से आता हूं, वहां से निकलकर देश के अलग-अलग हिस्सों में काम करने और लोगों से मिलने का मौका मिला। हर जगह मुझे भारत का एक अलग रंग दिखाई दिया, लेकिन उस रंग के पीछे एक अपनापन हमेशा एक जैसा लगा।'

कहीं हम समझना और सुनना कम न कर दें

पंकज आगे कहते हैं, 'आज हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। तकनीक हमारे जीवन का बड़ा हिस्सा बन गई है। मगर इसी भागदौड़ में कहीं ऐसा न हो कि हम एक-दूसरे को समझना और सुनना कम कर दें। अब मुझे लगता है कि हमें अपनी संवेदनशीलता और इंसानियत को बचाना बहुत जरूरी है। विकास बहुत जरूरी है, लेकिन विकास के साथ अगर संवेदना बची रहे, तो वही असली तरक्की है। मुझे लगता है कि आने वाली पीढ़ी के लिए हमें सिर्फ बेहतर सड़कें और बेहतर इमारतें नहीं, बल्कि एक बेहतर समाज भी छोड़कर जाना है।'

जानता हूं अवसर मिलने का क्या मतलब होता है

'मुझे आज के भारत की ऊर्जा और आत्मविश्वास पर बहुत गर्व होता है। खासकर हमारे युवाओं को देखकर। आज का युवा छोटे शहर या गांव से निकलकर दुनिया में अपनी पहचान बना रहा है। वह बड़े सपने देखने से डरता नहीं। मुझे यह बदलाव बहुत अच्छा लगता है, क्योंकि मैं खुद एक छोटे से गांव से आया हूं और जानता हूं कि अवसर मिलने का क्या मतलब होता है।'

बच्चे के सपनों की सीमा तय ना करें

बातों ही बातों में पंकज ने कई मुद्दों पर बात की। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि हमें अभी समान अवसर और शिक्षा के मामले में बहुत आगे जाना है। मेरे लिए तरक्की का मतलब तभी पूरा होगा जब एक छोटे से गांव में रहने वाले बच्चे को भी यह महसूस हो कि उसके सपनों की कोई सीमा नहीं है। अगर प्रतिभा सिर्फ इसलिए पीछे रह जाए क्योंकि उसके पास संसाधन नहीं हैं, तो यह हमारे लिए सोचने की बात है। मैं चाहता हूं कि आने वाले वर्षों में हमारा भारत ऐसा हो, जहां किसी बच्चे का भविष्य इस बात से तय न हो कि वह किस घर में, किस शहर में या किस गांव में पैदा हुआ है। क्या है

आजादी का मतलब

'मेरे लिए आजादी का असली टेस्ट तब होता है जब आपको पूरी आजादी दी गई हो। जब कोई रोक रहा होता है, तब तो हमें पता होता है कि हमारे सामने एक दीवार है और हमें उससे लड़ना है। लेकिन जब कोई दीवार नहीं होती, कोई आपको नहीं रोक रहा होता, तब आप क्या चुनते हैं, वहीं आपकी असली आजादी और आपकी असली जिम्मेदारी सामने आती है।' मेरे लिए आजादी यह भी है कि मैं जो सही समझता हूं, उसकी जिम्मेदारी लेने की हिम्मत रखूं। मुझे अपने जीवन में भी यह महसूस हुआ है कि आजादी के साथ अनुशासन और जिम्मेदारी बहुत जरूरी हैं। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने जिस आजादी के लिए संघर्ष किया, वह सिर्फ अपने लिए जीने की आजादी नहीं थी। आज जब हमें इतनी आजादी मिली हुई है, तो हमें खुद से यह सवाल पूछना चाहिए कि हम इस आजादी का इस्तेमाल सिर्फ अपने लिए कर रहे हैं या अपने आसपास की दुनिया को थोड़ा बेहतर बनाने के लिए भी।

संक्षिप्त समाचार

क्रोमा की स्वतंत्रता दिवस सेल: होम अप्लायंसेज पर फ्लैट 20 प्रतिशत छूट, एक्सचेंज बोनस और अन्य ऑफर्स

▶▶ 16 अगस्त तक चलने वाले इस कैंपेन में होम अप्लायंसेज, लैपटॉप, स्मार्टफोन, टीवी और अन्य प्रोडक्ट्स पर शानदार बचत के मौके

मुंबई, एजेंसी। टाटा ग्रुप का एक हिस्सा और भारत का अग्रणी ओम्नी-चैनल इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर ब्रांड, क्रोमा ने अपनी स्वतंत्रता दिवस सेल की घोषणा की है। इसके तहत होम अप्लायंसेज, कंयूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और टेक्नोलॉजी प्रोडक्ट्स पर ऑफर्स की एक विस्तृत श्रृंखला पेश की गई है। ग्राहक टाटा नेउ रिवॉर्ड्स, बैंक कैशबैक, एक्सचेंज बेनिफिट्स और बोनस के जरिए अतिरिक्त लाभ उठा सकते हैं। होम अप्लायंसेज, किचन अप्लायंसेज और होम एंटरटेनमेंट पर फ्लैट 20 प्रतिशत की छूट यह सेल ग्राहकों को चुनिंदा प्रोडक्ट्स और रोजमर्रा की जरूरी चीजों पर आकर्षक बचत के साथ अपने घरों को अपग्रेड करने का अवसर देती है। इसमें टीवी, रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर, वाशिंग मशीन, किचन अप्लायंसेज, होम ऑडियो, एयर प्यूरीफायर और वैक्यूम क्लीनर जैसी कई कैटेगरीज शामिल हैं।

क्रेडिट कार्ड के साथ बचत बढ़ाएं; स्वतंत्रता दिवस की बचत को और बढ़ाते हुए, क्रोमा रुपे क्रेडिट कार्ड का उपयोग करने वाले ग्राहकों को अतिरिक्त लाभ दे रहा है। यह ऑफर सभी कैटेगरीज पर लागू है, चाहे कार्ड किसी भी बैंक का हो। ग्राहक खरीदारी के मूल्य के आधार पर तुरंत डिस्काउंट पा सकते हैं। फुल स्वाइप करने पर, 5,000 की खरीदारी पर 250 से डिस्काउंट शुरू होता है; जबकि ईएमआई पर, 20,000 की खरीदारी पर 1,250 से डिस्काउंट शुरू होता है। इसके अलावा, ग्राहक टाटा नेउ क्रेडिट कार्ड पर 5 प्रतिशत तक के नेउकॉइन्स के अतिरिक्त लाभ के साथ अपनी बचत को और अधिक बढ़ा सकते हैं।

रेखा झुनझुनवाला के पास 2532500 शेयर, अब इस दिग्गज ने लगा दिया बड़ा दांव

मुंबई, एजेंसी। दिग्गज निवेशक रेखा झुनझुनवाला के पोर्टफोलियो में शामिल कंपनी बाजार स्टाइल रिटेल लिमिटेड के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। बाजार स्टाइल रिटेल के शेयर सोमवार को क्र्स्श में 5 पर्सेंट चढ़कर 384.45 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी में सोमवार को एक बड़ी ब्लॉक डील हुई है। पिछले एक महीने में बाजार स्टाइल रिटेल लिमिटेड के शेयरों में 29 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 426.85 रुपये है।

45 लाख शेयरों की ब्लॉक डील; बाजार स्टाइल रिटेल लिमिटेड में 45 लाख शेयरों की ब्लॉक डील हुई है। इस ब्लॉक डील की वैल्यू 163 करोड़ रुपये रही है। उपलब्ध डेटा के मुताबिक, यह ब्लॉक डील 362 रुपये प्रति शेयर के दाम पर हुई है। आदित्य हलवासिया, इस ब्लॉक डील में बायर रहे हैं। यानी, उन्होंने बाजार स्टाइल रिटेल लिमिटेड के शेयर खरीदे हैं। ब्लॉक डील में किसने शेयर बेचे हैं, इसकी जानकारी फिलहाल नहीं मिल सकी है। जून 2026 तिमाही के आखिर में प्रमोटर और प्रमोटर ग्रुप की बाजार स्टाइल रिटेल लिमिटेड में 45 पर्सेंट हिस्सेदारी थी। वहीं, पब्लिक शेयरहोल्डर्स की बाजार स्टाइल रिटेल लिमिटेड में 55 पर्सेंट हिस्सेदारी थी। एक्सचेंजों पर उपलब्ध डेटा के मुताबिक, 30 जून 2026 तक बाजार स्टाइल रिटेल के पब्लिक शेयरहोल्डर्स की लिस्ट में आदित्य हलवासिया का नाम नहीं था।

रेखा झुनझुनवाला के पास हैं कंपनी के 2532500 शेयर शेयर मार्केट की दिग्गज इनवेस्टर रेखा झुनझुनवाला का बाजार स्टाइल रिटेल लिमिटेड पर बड़ा दांव है। रेखा झुनझुनवाला के पास बाजार स्टाइल रिटेल के 25,32,500 शेयर हैं। यानी, कंपनी में रेखा झुनझुनवाला की 3.33 पर्सेंट हिस्सेदारी है। कंडोम बनाने वाली कंपनी क्यूपिड लिमिटेड का भी बाजार स्टाइल रिटेल लिमिटेड पर बड़ा दांव है। क्यूपिड लिमिटेड के पास बाजार स्टाइल रिटेल के 15,00,000 शेयर हैं।

मुझे नहीं लगा डॉक्टरेट करने के लिए, पीएचडी छोड़ पकड़ा अलग रास्ता

अब 45 लाख सालाना का टर्नओवर

नई दिल्ली, एजेंसी। सोना मिश्रा मूल रूप से कानपुर की हैं। पीएचडी की पढ़ाई और अकादमिक करियर में बाधाएं आई तो उन्होंने निराश होने के बजाय नया रास्ता चुना। अपनी वैज्ञानिक समझ का इस्तेमाल खेती के क्षेत्र में लगाने का फैसला किया। साल 2022 में उन्होंने अपने स्टार्टअप की नींव रखी। इसका नाम न्यूट्रीलीफ्ज है। आज मथुरा में यह 3 एकड़ में हाई-टेक हाइड्रोपोनिक फार्मिंग कर रहा है। इस स्टार्टअप का सालाना रेवेन्यू 45 लाख रुपये पहुंच गया है। यह 100 स्थानीय ग्रामीण महिलाओं को रोजगार देकर उन्हें सशक्त बना रहा है। आइए, यहां सोना मिश्रा की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। पीएचडी छोड़कर बदला ट्रैक सोना मिश्रा ने बायोटेक्नोलॉजी में मास्टर्स किया है। साल 2012 में उन्होंने गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी से पीएचडी शुरू की थी। हालांकि, अकादमिक प्रक्रियाओं की दिक्कतों के कारण उन्होंने 2015 में यह प्रोग्राम छोड़ दिया। इसके बाद उन्होंने स्वतंत्र रूप से शोध करने और अपनी बायोटेक्नोलॉजी की जानकारी को भारतीय कृषि सुधार में लगाने का फैसला लिया। 2019-20 में उन्होंने नोएडा में एक कमर्शियल बिल्डिंग की छत पर 10 लाख रुपये से 4,000 पौधों का पहला ट्रायल सेटअप शुरू किया। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, उस स्टेज में मुझे नहीं लगा कि डॉक्टरेट करने के लिए और 7 साल बिताना व्यावहारिक था। मथुरा के गांव में लगाया दांव छत के सफल प्रयोग के बाद सोना ने 2021 में नोएडा के सेक्टर-137 में 1 एकड़ जमीन ली। वहां से उन्होंने 6-7 लाख रुपये का रेवेन्यू तो कमाया। लेकिन, खारे पानी और भूमि की खराब क्वालिटी जैसी चुनौतियों के चलते 2022 में इसे बंद कर दिया। इसके बाद वह मथुरा के मथैन खुर्द गांव पहुंचीं। वहां की 15 एकड़ जमीन में से 3 एकड़ पर उन्होंने आरओ प्लांट लगाकर खारे पानी का इलाज किया। फिर बिना मिट्टी वाली हाइड्रोपोनिक खेती शुरू की। गांव की महिलाओं को मिला रोजगार मथुरा के फार्म में सोना मुख्य रूप से खीरा, शिमला मिर्च और चेरी टमाटर की खेती सख्त क्रॉप रोटेशन सिस्टम के तहत करती हैं। फॉर्म में सालाना 30-35 टन खीरा, 15-16 टन शिमला मिर्च और 12 टन चेरी टमाटर का उत्पादन होता है। इस हाई-टेक फार्म के जरिए गांव की करीब 100 महिलाओं को रोजगार मिला है। इन्हें कटाई और छंटाई के काम के लिए 9,000 रुपये से 10,000 रुपये प्रति माह मिलते हैं।

ज़ैगल प्रीपेड का शेयर 20 प्रतिशत लुढ़का, Qv रिजल्ट के बाद बेचने की दिखी होड़

नई दिल्ली, एजेंसी। ज़ैगल प्रीपेड के शेयरों की कीमतों में 20 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों का दाम तिमाही नतीजों के लुढ़क गया। पहले क्वार्टर में कंपनी का प्रदर्शन उम्मीद के अनुरूप नहीं रहा है। जिसकी वजह से यह बिकवाली आज सोमवार को देखने को मिल रही है। बता दें, कंपनी के शेयर आज सोमवार को 186 रुपये के स्तर पर खुले थे। दिन में कंपनी के शेयरों का दाम लुढ़ककर 160.45 रुपये के इंट्रा-डे लो लेवल पर आ गया।

कंपनी के नेट प्रॉफिट में गिरावट; स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में कंपनी ने बताया है कि वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में कुल 17.50 करोड़ रुपये नेट प्रॉफिट रहा है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 26.10 करोड़ रुपये रहा था। यानी सालाना आधार पर कंपनी के नेट प्रॉफिट में 33 प्रतिशत की गिरावट आई है। कंपनी का रेवन्यू जून क्वार्टर के दौरान 423 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान यह 332 करोड़ रुपये रहा था। रेवन्यू में 27.50 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिला है। कंपनी का EBITDA पहली तिमाही में 31 करोड़ रुपये रहा है।

शेयर बाजार में संघर्ष कर रही है कंपनी; पिछले एक महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 23 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। वहीं, 6 महीने में यह स्टॉक 38 प्रतिशत लुढ़क चुका है। एक साल से शेयरों को होल्ड करने वाले इनवेस्टर्स को अबतक 56 प्रतिशत का नुकसान हो चुका है। जोकि सेंसेक्स इंडेक्स के 3.44 प्रतिशत की गिरावट की तुलना में काफी अधिक है। पिछले दो साल में कंपनी के शेयरों का दाम 57 प्रतिशत गिर चुका है।

लेंसकार्ट की पहल 'दृष्टि की दौड़': हर कदम के साथ आगे बढ़ेगा बेहतर विज़न का राष्ट्रव्यापी आंदोलन

मुंबई, एजेंसी। लेंसकार्ट 15 और 16 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस वीकेंड के दौरान अपने वर्चुअल रन इवेंट 'दृष्टि की दौड़'–रन फॉर विज़न का आयोजन कर रहा है। इस दौरान, जो भी यूजर लेंसकार्ट ऐप पर कम से कम 20,000 कदम पूरे करेगा, कंपनी उसकी तरफ से चार जोड़ी तक चश्मे दान करेगी। यह राष्ट्रव्यापी अभियान रोज़मर्रा की फिटनेस को सामाजिक प्रभाव के एक सामूहिक प्रयास में बदलने के लिए भारतीयों को एक साथ लाता है, क्योंकि आज भी कई लोगों के लिए विज़न केयर की सुविधा पहुँच से बाहर है। देश में लगभग 35 करोड़ से अधिक भारतीय विज़न केयर का खर्च उठाने में असमर्थ हैं। यह सारा डोनेशन लेंसकार्ट की गैर-लाभकारी शाखा 'लेंसकार्ट फाउंडेशन' के माध्यम से किया जाएगा। इस पहल पर लेंसकार्ट के सीईओ और फाउंडर पीयूष बंसल ने कहा, भारत में आई-केयर के भविष्य के लिए जागरूकता बढ़ाना और इसकी पहुँच को बेहतर बनाना सबसे ज़रूरी है। लेंसकार्ट फाउंडेशन के ज़रिए हमारा लक्ष्य एक ऐसा भारत बनाना है जहाँ हर किसी को आँखों की अच्छी देखभाल मिल सके। 'दृष्टि की दौड़' हमारी इसी सोच को आगे बढ़ाता है, जो रोज़मर्रा की एक आदत को एक सामूहिक योगदान में बदल रहा है। हमें उम्मीद है कि देशभर के लोग इस मुहिम से जुड़ेंगे और यह दिखाएंगे कि जब सब मिलकर प्रयास करते हैं, तो बड़े पैमाने पर एक सार्थक बदलाव लाया जा सकता है।

भाग लेने के लिए यूजर्स लेंसकार्ट ऐप खोलकर होम पेज पर दिए गए 'दृष्टि की दौड़' बैनर पर टैप कर सकते हैं और दिए गए निर्देशों के अनुसार इसे अपने फोन के किसी भी हेल्थ ऐप से सिंक कर सकते हैं। लेंसकार्ट फाउंडेशन द्वारा दान किए जाने वाले चश्मों की संख्या पूरे किए गए कदमों के आधार पर तय होगी, जिसमें 20,000 कदम पूरे होने पर एक जोड़ी, 30,000 कदम पर दो जोड़ी, 40,000 कदम पर तीन जोड़ी और 50,000 कदम पूरे होने पर चार जोड़ी चश्मे दान किए जाएंगे। इस चैलेंज को पूरा करने वाले लोग एक पर्सनलाइड डिजिटल फिनिशर फ्रेम डाउनलोड कर सकेंगे जिसे वे सोशल मीडिया पर पोस्ट कर सकते हैं, साथ ही उनका नाम हमेशा के लिए लेंसकार्ट फाउंडेशन के पेज पर दर्ज किया जाएगा। दुनिया की अग्रणी आईवियर कंपनी लेंसकार्ट ने विज़न केयर के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को चश्मों से आगे ले जाने और एक अधिक विज़न-जागरूक भारत की दिशा में काम करने के लिए लेंसकार्ट फाउंडेशन की स्थापना की थी। 'दृष्टि की दौड़' अभियान लेंसकार्ट के पिछले 'रन फॉर फ्रेम' आंदोलन की सफलता पर आधारित है, जिसमें भारत, थाईलैंड और सिंगापुर के लगभग दस लाख प्रतिभागियों ने रिवॉर्ड अनलॉक करने के लिए लेंसकार्ट ऐप के माध्यम से एक साथ हिस्सा लिया था। अब जब पूरा भारत स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए एक साथ आ रहा है, फाउंडेशन रोज़मर्रा की एक आम आदत को एक बड़े सामाजिक उद्देश्य से जोड़कर व्यक्तिगत प्रयासों को सामूहिक बदलाव में बदलने के लिए एक कदम और आगे बढ़ा रहा है।

टाटा पावर के रूफटॉप सोलर बिजनेस ने तय किया 2030 तक 30,000 करोड़ राजस्व कमाने का लक्ष्य

मुंबई, एजेंसी। टाटा पावर का रूफटॉप सोलर बिजनेस विकास के अगले चरण के लिए तैयार है। कंपनी ने 2030 तक 30,000 करोड़ का वार्षिक राजस्व हासिल करने का लक्ष्य तय किया है। उपभोक्ताओं द्वारा बढ़ती मांग, अनुकूल सरकारी नीतियों और घटती तकनीकी लागत के कारण भारत के विकेन्द्रीकृत सौर ऊर्जा बाजार (जैसे कि, घरों, सोसायटियों और फैक्ट्रियों की छतों पर लगने वाले सोलर सिस्टम के व्यवसाय) में तेजी आ रही है। कंपनी भारत भर में 5 लाख से अधिक रूफटॉप सोलर ग्राहकों को अपनी सेवाएं दे चुकी है और 2029 तक इस ग्राहक संख्या को बढ़ाकर 30 लाख करने का लक्ष्य है। टाटा पावर ने भारत के तेजी से बढ़ते रूफटॉप सोलर मार्केट में 25 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने का भी लक्ष्य रखा है।झ इस व्यवसाय ने पिछले चार वर्षों में राजस्व और मुनाफे दोनों में मजबूत वृद्धि दर्ज की है। वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही के 342 करोड़ से बढ़कर राजस्व वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में लगभग चार गुना होकर 1,350 करोड़ हो गया, जो 58 प्रतिशत की सीएजीआर को दर्शाता है। इसी अवधि के दौरान, ईबीआईटीडीए 74 प्रतिशत सीएजीआर के साथ 38 करोड़ से बढ़कर 197 करोड़ हो गया, जबकि टैक्स के बाद शुद्ध मुनाफा 84 प्रतिशत सीएजीआर के साथ 23 करोड़ से बढ़कर 145 करोड़ पर पहुंच गया है। टाटा पावर पारंपरिक सोलर इंस्टॉलेशन से आगे बढ़कर अपने रूफटॉप सोलर उत्पादों का विस्तार कर रही है। बैटरी एनर्जी स्टोरेज सॉल्यूशंस (ऊर्जा भंडारण समाधान) को जोड़कर, कंपनी इस व्यवसाय को एक एकीकृत घरेलू ऊर्जा प्लेटफॉर्म के रूप में स्थापित कर रही है। सोलर पैनल और बैटरी स्टोरेज का यह तालमेल ग्राहकों को सौर ऊर्जा का अधिकतम लाभ उठाने, बिना रुकावट बिजली पाने और बिजली के मामले में आत्मनिर्भर बनने में मदद करेगा। कंपनी को उम्मीद है कि इस नई शुरुआत से उनका बाजार काफी बड़ा हो जाएगा, क्योंकि आजकल लोग केवल सोलर पैनल लगाने के बजाय घर के लिए बिजली का पूरा और पक्का समाधान ढूंढ रहे हैं। भारत में स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ता झुकाव, अनुकूल सरकारी नीतियां, बिजली की बढ़ती मांग, तेजी से होता शहरीकरण, कम होती लागत और ग्राहकों में बढ़ती जागरूकता इस सेक्टर को लगातार आगे बढ़ाएगी। टाटा पावर का मानना है कि उनका देशव्यापी नेटवर्क, मजबूत ब्रांड, बेहतरीन सेवाएं और अत्याधुनिक तकनीक उसे इन दीर्घकालिक अवसरों का पूरा लाभ उठाने में मदद करेंगे। कंपनी को यह भी उम्मीद है कि आवासीय रूफटॉप सोलर के लिए सरकार का निरंतर सहयोग, बढ़ता विद्युतीकरण और भरोसेमंद, टिकाऊ व डिजिटल तकनीकों से लैस ऊर्जा समाधानों के प्रति ग्राहकों की बढ़ती पसंद उसके रूफटॉप सोलर बिजनेस के विस्तार को गति देगी।

इंडसइंड जनरल इंश्योरेंस ने कृतज्ञता की ताकत को समर्पित नया डिजिटल कैंपेन लॉन्च किया

▶▶ नया डिजिटल फिल्म कैंपेन उन 'रोजमर्रा के नायकों' को पहचानने और धन्यवाद देने का संदेश देता है, जिनके छोटे-छोटे प्रयास हमारे जीवन में बड़ा बदलाव लाते हैं

मुंबई, एजेंसी। इंडसइंड जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (पूर्व में रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड) ने कृतज्ञता की ताकत को रेखांकित करते हुए अपना नया डिजिटल कैंपेन लॉन्च किया है। यह कैंपेन कंपनी की नई ब्रांड यात्रा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। कंपनी ने कहा कि वह ग्राहकों और समुदायों के साथ अधिक गहरे और सार्थक संबंध बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। कैंपेन का केंद्र 'थैंक यू' यानी 'धन्यवाद' कहने की सरल लेकिन प्रभावशाली भावना है। इसका उद्देश्य लोगों को उन व्यक्तियों के प्रयासों को पहचानने और उनकी सराहना करने के लिए प्रेरित करना है, जिनके रोजमर्रा के छोटे-छोटे काम अक्सर नजरअंदाज हो जाते हैं, लेकिन हमारे जीवन पर उनका स्थायी प्रभाव पड़ता है। भावनात्मक रूप से जुड़ने वाली इस डिजिटल फिल्म में एक सामान्य कैब यात्रा के माध्यम से रोजमर्रा के कई अनुभवों, भावनाओं, बातचीत और मानवीय रिश्तों को सामने लाया गया है। कहानी आगे बढ़ते हुए एक महत्वपूर्ण संदेश देती है–दिल से किया गया आभार किसी सामान्य मुलाकात या बातचीत को भी एक सार्थक मानवीय जुड़ाव में बदल सकता है। फिल्म में दिल्ली के कैब ड्राइवर और कंटेंट क्रिएटर अंगकित नजर आते हैं। वास्तविक जीवन के अनुभवों और बातचीत से प्रेरित यह फिल्म कहानी को स्वाभाविक और विश्वसनीय बनाती है। उनके नजरिए से यह दिखाया गया है कि सराहना का एक छोटा-सा भाव भी यात्रा खत्म होने के काफी बाद तक अपना असर छोड़ सकता है। इंडसइंड जनरल इंश्योरेंस के मुताबिक, सार्थक रिश्तों की नींव भरोसे, संवेदनशीलता और आपसी सम्मान पर टिकी होती है। नई पहचान के साथ कंपनी अपनी नई यात्रा शुरू कर रही है और यह कैंपेन लोगों को अपनी गतिविधियों के केंद्र में रखने की उसकी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर वित्तीय, डिजिटल और टेक्नोलॉजी कौशल को आवश्यक जीवन कौशल बनाने पर दिया ज़ोर

मुंबई, एजेंसी। भारत युवा आबादी के लिहाज़ से विश्व में सबसे आगे है। फिर भी, हर साल लाखों युवा भारतीयों के सामने सबसे बड़ा सवाल यह नहीं होता कि रोज़गार कैसे हासिल हो, बल्कि सबसे बड़ी गुत्थी यह होती है कि कमाए गए धन का प्रबंधन कैसे किया जाए। आर्थिक रूप से स्वतंत्र कैसे बना जाए अपने पहले वेतन से क्या करना चाहिए निवेश कैसे शुरू किया जाए एआई आधारित दुनिया में कौन सा कौशल खुद को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए आवश्यक होगा देश के युवा ऐसे सवाल दृढ़ता से पूछ रहे हैं, और एचडीएफसी सिक्योरिटीज का मानना है कि इन पर भी करियर सलाह जितना ही ध्यान दिया जाना चाहिए। एचडीएफसी सिक्योरिटीज अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस (इंटरनेशनल यूथ डे) के अवसर पर, वित्तीय वित्तीय साक्षरता को भविष्य की सबसे महत्वपूर्ण कौशल में से एक के तौर पर रेखांकित कर रही है। जहां डिजिटल साक्षरता, एआई क्षमता और तकनीकी विशेषज्ञता रोज़गार की संभावनाओं को आकार दे रही हैं, वहीं वित्तीय साक्षरता यह तय करती है कि व्यक्ति अपनी आय को दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा में कैसे बदलता है। बजट बनाना, बचत करना, निवेश करना और भविष्य की योजना बनाना अब वैकल्पिक नहीं रह गया है, बल्कि यह ज़रूरी जीवन कौशल बनता जा रहा है।

भारत में अमीरों की संख्या बढ़ी, 100 करोड़ रुपये से अधिक आय वाले करदाता 576 हुए

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में उच आय वर्ग के करदाताओं की संख्या में तेजी से वृद्धि दर्ज की जा रही है। एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट के अनुसार, आकलन वर्ष 2026 में 100 करोड़ रुपये या उससे अधिक वार्षिक आय घोषित करने वाले करदाताओं की संख्या 39 फीसदी बढ़कर 576 हो गई है। एक वर्ष पहले आकलन वर्ष 2025 में यह संख्या 415 थी। यह वृद्धि देश में बढ़ती आय, व्यावसायिक विस्तार और आर्थिक गतिविधियों में तेजी का स्पष्ट संकेत है। रिपोर्ट बताती है कि केवल अति-उच आय वर्ग ही नहीं, बल्कि उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। आकलन वर्ष 2026 में इस श्रेणी के करदाताओं की 4,71,419 थी। यानी इस वर्ग में सालाना आधार पर 14 फीसदी की वद्धि दर्ज की वर्ग की तुलना में कहीं अधिक तेज रही है। 100 करोड़ रुपये से अधिक आय वाले करदाताओं की संख्या पिछले कुछ वर्षों में काफी उतार-चढ़ाव के साथ बढ़ी है। आकलन वर्ष 2022 में इस श्रेणी में केवल 142 करदाता थे। इसके बाद आकलन वर्ष 2023 में यह संख्या बढ़कर 301 हो गई, जो 112 फीसदी की भारी वृद्धि थी। वहीं, आकलन वर्ष 2024 में इसमें मामूली गिरावट आई और संख्या घटकर 284 रह गई। लेकिन इसके बाद फिर तेजी लौटी और आकलन वर्ष 2025 में यह बढ़कर 415 तक पहुंच गई। आकलन वर्ष 2026 करदाताओं की संख्या भी बढ़ी है एक करोड़ रुपये से अधिक आय वाले करदाताओं की संख्या लगातार स्थिर गति से बढ़ती रही है। आकलन वर्ष 2022 में इस वर्ग में 1,93,800 करदाता थे। यह संख्या आकलन वर्ष 2023 में बढ़कर 2,69,184 हो गई। आकलन वर्ष 2024 में यह 3,49,974 तक पहुंच गई। आकलन वर्ष 2025 में यह संख्या 4,71,419 थी। आकलन वर्ष 2026 में यह बढ़कर 5,35,672 तक पहुंच गई। रिपोर्ट के अनुसार, आकलन वर्ष 2022 के मुकाबले अब 1 करोड़ रुपये से अधिक रुपये से अधिक आय वाले करदाताओं की संख्या चार गुना बढ़ गई है। देश की अर्थव्यवस्था के लिए क्या अनुमान हैं एसबीआई रिसर्च ने अपनी रिपोर्ट में भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर भी सकारात्मक अनुमान जताए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर आठ फीसदी रहने का अनुमान है। इसके अलावा, ऋण वृद्धि 19.3 फीसदी रहने की संभावना जताई गई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारतीय रिजर्व बैंक की एफसीएनआर(बी) जमा विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 707 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। ये आंकड़े देश की आर्थिक स्थिति को और मजबूत करने का संकेत देते हैं।

क्या सभी क्षेत्रों में समान आर्थिक वृद्धि दिख रही है–रिपोर्ट ने यह भी संकेत दिया कि अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में समान मजबूती नहीं दिखाई दे रही है। जून तिमाही के दौरान स्वास्थ्य सेवा, सीमेंट और मनोरंजन जैसे कुछ क्षेत्रों में लाभ पर दबाव देखने को मिला। इससे पता चलता है कि शीर्ष आय वर्ग और कुछ व्यवसायों की मजबूत आय वृद्धि के बावजूद। कॉरपोरेट

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश से शर्मनाक हार के बाद ऑस्ट्रेलिया पर मंडराया दोहारा खतरा

बांग्लादेश के हाथों शर्मनाक हार झेलने के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम पर स्लो ओवर फेंकने पर 44,000 डॉलर का लग सकता है जुर्माना

डार्विन (एजेंसी)। बांग्लादेश के हाथों मिली शर्मनाक हार के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। टेस्ट मैच में करारी शिकस्त झेलने के बाद अब पैट कमिंस की कप्तानी वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम पर आईसीसी के स्लो ओवर-रेट नियमों के उल्लंघन का खतरा मंडरा रहा है। तीसरे दिन के खेल के दौरान ऑस्ट्रेलियाई टीम निर्धारित 90 ओवरों के मुकाबले महज 86 ओवर ही फेंक सकी थी। हालांकि यह मैच चौथे दिन ही खत्म हो गया, लेकिन नियम के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया पर ओवर-रेट पेनल्टी और भारी जुर्माने की तलवार लटक रही है।

मैच फीस पर कटौती :आईसीसी के नियमों के तहत, निर्धारित समय से कम ओवर फेंकने पर प्रति ओवर 5 प्रतिशत मैच फीस काटने का प्रावधान है। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की औसतन प्रति टेस्ट फीस लगभग 20,000 डॉलर मानी जाती है। ऐसे में 4 ओवर कम फेंकने के चलते पूरी प्लेइंग इलेवन पर संयुक्त रूप से 44,000 डॉलर (लगभग 4,000 प्रति खिलाड़ी) का जुर्माना लगाया जा सकता है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर साइमन कैटिच ने भी इस धीमी ओवर-गति पर नाराजगी जताते हुए इसे बेहद निराशाजनक करार दिया है।

डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में नुकसान का डर :ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए सबसे बड़ा झटका वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में लग सकता है। फिलहाल 84 अंकों और 77.78% पॉइंट्स परसेंटेज के साथ टॉप पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया को अगर 4 अंकों की पेनल्टी मिलती है, तो उनके अंक घटकर 80 रह जाएंगे। ऑस्ट्रेलियाई फैंस के लिए यह स्थिति बेहद दर्दनाक हो सकती है, क्योंकि डब्ल्यूटीसी 2019-2021 साइकल में भी 2020 के भारत के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में स्लो ओवर-रेट के कारण कटे 4 अंकों की वजह से ही टीम इंडिया से पीछे रहकर फाइनल में पहुंचने से चूक गई थी।

डार्विन की भीषण गर्मी बन सकती है बचाव का जरिया हालांकि, ऑस्ट्रेलिया को पूरी तरह दोषी ठहराए जाने से पहले मैच रेफरी का अंतिम फैसला आना बाकी है। माना जा रहा है कि डार्विन में पड़ी गर्मी और उमस को एक राहत देने वाले कारक के रूप में देखा जा सकता है। वैसे ओवर-रेट के मामले में सिर्फ ऑस्ट्रेलिया ही नहीं, बल्कि बांग्लादेश की टीम भी धीमी रही थी जिसने साढ़े छह घंटे के खेल में केवल 77 ओवर फेंके थे। अब देखना दिलचस्प होगा कि आईसीसी मैच रेफरी डार्विन के मौसम को ढाल मानते हैं या कमिंस की सेना पर सख्त रुख अपनाते हैं।

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप :भारतीय जोड़ी अर्जुन-हरिहरन ने राउंड ऑफ-32 में बनाई जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने घरेलू सरजमीं पर हो रही बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 में जीत के साथ अपना खाता खोला। पुरुष डबल्स में एमआर अर्जुन और हरिहरन अम्साकरुणन की भारतीय जोड़ी ने पहले दौर का मुकाबला जीतकर राउंड ऑफ-32 में जगह बना ली। आयरलैंड के स्कॉट गिल्डिया और पॉल रेनॉल्ड्स चोट के कारण मुकाबला पूरा नहीं कर सके।

पहले गेम में भारतीय जोड़ी का दबदबा :इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में अर्जुन और हरिहरन ने शुरुआत से ही शानदार नियंत्रण बनाए रखा। आयरिश जोड़ी ने कुछ मौकों पर भारतीय खिलाड़ियों को चुनौती जरूर दी, लेकिन अहम रैलियों में भारतीय जोड़ी ने धैर्य बनाए रखा। अर्जुन और हरिहरन ने पहला गेम 21-16 से अपने नाम कर मुकाबले में बढ़त हासिल कर ली।

दूसरे गेम में 6-4 की बढ़त, फिर आयरिश जोड़ी ने छोड़ा मैच :पहला गेम जीतने के बाद भारतीय जोड़ी ने दूसरे गेम में भी अपनी लय जारी रखी। अर्जुन और हरिहरन ने दूसरे गेम में 6-4 की बढ़त बना ली थी। हालांकि, इसके बाद आयरिश जोड़ी चोट की वजह से आगे नहीं खेल सकी और मुकाबला रोकना पड़ा। इस तरह भारतीय जोड़ी को वर्ल्ड चैंपियनशिप में जीत मिल गई और वह पुरुष डबल्स के राउंड ऑफ-32 में पहुंच गई।

पहला गेम रहा रोमांचक :पहले गेम में स्कॉट गिल्डिया और पॉल रेनॉल्ड्स ने भारतीय जोड़ी को आसानी से आगे नहीं बढ़ने दिया। दोनों टीमें कई रैलियों में बराबरी पर रहीं, लेकिन निर्णायक मौकों पर अर्जुन और हरिहरन ने बेहतर खेल दिखाया। भारतीय खिलाड़ियों ने मौके का फायदा उठाते हुए गेम को 21-16 से अपने नाम किया।

पीवी सिंधु विश्व रिकॉर्ड से सिर्फ एक मेडल दूर

विश्व चैंपियनशिप में घरेलू दर्शकों के सामने 6वां मेडल जीतने का लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की मेजबानी में 17 साल बाद बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप का आयोजन हो रहा है। दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ी इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं। टूर्नामेंट की मेजबानी दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम के पास है। टूर्नामेंट की शुरुआत हो गई है। सिंधु के नाम वर्ल्ड चैंपियनशिप में 5 मेडल हैं और वह रिकॉर्ड छठा मेडल जीतने के लक्ष्य के साथ उतरी। 23 अगस्त को सभी 5 कैटेगरी के फाइनल होंगे। इसमें पुरुष सिंगल्स, पुरुष डबल्स, महिला सिंगल्स, महिला डबल्स और मिक्स्ड डबल्स शामिल हैं।

पीवी सिंधु के पास इतिहास बचने का मौका :महिला सिंगल्स में भारत की स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधु भी उतरेंगी। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट सिंधु पहले राउंड में आज आयरलैंड की सोफिया नोबल का सामना करेंगी। 2019 की चैंपियन सिंधु के पास इस टूर्नामेंट में 5 मेडल हैं। 2019 में उन्होंने गोल्ड मेडल जीता था। इसके अलावा 2017 और 2018 में सिल्वर जबकि 2013 और 2014 में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। सिंधु के पास विश्व चैंपियनशिप के महिला सिंगल्स में सबसे ज्यादा मेडल जीतने का रिकॉर्ड अपने नाम करने का मौका है।

चीन की स्टार खिलाड़ी झांग निंग ने 2001 से 2007 के बीच विश्व चैंपियनशिप में 5 मेडल जीते थे। उनके नाम भी एक गोल्ड के अलावा दो सिल्वर और दो ही ब्रॉन्ज मेडला था। पीवी सिंधु के पास घरेलू दर्शकों के सामने निंग को पछाड़ने का मौका होगा।

विश्व चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन : भारत ने 1983 में अपना पहला मेडल जीता था, जब प्रकाश पादुकोण ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया था। 2011 से भारत ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप के हर एडिशन में कम से कम एक मेडल जीता है। लगातार 11 एडिशन में कुल 14 मेडल जीते हैं, जो लगातार अच्छा प्रदर्शन करने का ऐसा रिकॉर्ड है जिसकी बराबरी सिर्फ चीन ने की है। हालांकि पीवी सिंधु के अलावा किसी भी भारतीय खिलाड़ी के पास गोल्ड मेडल नहीं है।

---

60 एक्स्ट्रा रन मिले और श्रीलंका खिलाड़ियों की 146 रन की पार्टनरशिप भी हो गई!

केएल राहुल छोड़ा एक बेहद आसान कैच, टीम इंडिया को भारी पड़ गया

गॉल (एजेंसी)। भारत को 178 रन की बढ़त, श्रीलंका 284 पर ऑलआउट हो गई। सुथार ने 4,तो जडेजा ने 3 विकेट लिए। गॉल टेस्ट के तीसरे दिन श्रीलंका की पहली पारी 284 रन पर सिमट गई। इसके साथ ही भारत को पहली पारी में 178 रन की बढ़त मिल गई। भारत ने पहली पारी में 462 रन बनाए थे। खराब रोशनी के चलते दिन का खेल समय से पहले खत्म कर दिया गया। श्रीलंका के स्टार मिडल ऑर्डर बल्लेबाज निरोशन डिकवेला की 80 रन की शानदार पारी ने गॉल टेस्ट में भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ा दीं। लेकिन इस मजबूत पारी की नींव केएल राहुल के एक बेहद आसान कैच टपकाने से पड़ी थी। केएल राहुल ने इस मैच में डिकवेला का कैच एक ऐसे समय पर छोड़ दिया जब वे हाफ सेंचुरी तक भी नहीं पहुंचे थे। जिसके चलते टीम इंडिया को एक बड़ा नुकसान चुकाना पड़ा। मैच के उस मोड़ पर भारत का पलड़ा पूरी तरह भारी था क्योंकि श्रीलंका की आधी टीम महज 90 रन के स्कोर पर पवेलियन लौट चुकी थी। भारत के पास निचले क्रम को जल्द समेटकर शिकंजा कसने की पूरी गुंजाइश थी। 20 रन पर खेल रहे डिकवेला का यह आसान कैच हाथ से छूटते ही पूरी भारतीय टीम और गेंदबाज निराश हो गए।

146 रन की हुई पार्टनरशिप :इस मिले जीवनदान का डिकवेला ने पूरा फायदा उठाया और सोनल दिनुषा के साथ मिलकर 146 रनों की बड़ी साझेदारी रच डाली।

इसे कहते हैं संस्कार!

अरिहा पंगंबम को वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद भी घमंड नहीं, घर आते ही माता-पिता से यूं लिया आशीर्वाद

मणिपुर (एजेंसी)। होनहार जिम्नास्ट अरिहा पंगंबम ने एशियन जिम्नास्टिक चैंपियनशिप में भारत का परचम लहराते हुए ऐतिहासिक गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया है। क्वालिफिकेशन राउंड में तीसरे स्थान पर रहने के बाद अरिहा ने फाइनल डे पर शानदार प्रदर्शन करते हुए टॉप स्थान हासिल किया और देश का नाम रोशन किया।

चौथे-पांचवें स्थान से तय किया गोल्ड तक का सफर :अरिहा के लिए इस मुकाम तक पहुंचना आसान नहीं था। इससे पहले भी एशियन चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचकर वह चौथे और पांचवें स्थान पर रह चुकी थीं, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। पिछली नाकामियों से सीख लेकर उन्होंने ठान लिया था कि वह अगली चैंपियनशिप से देश के लिए मेडल लेकर ही लौटेंगी और आखिरकार उनकी सालों की कड़ी मेहनत रंग लाई।

जीत के बाद सादगी ने जीता दिल, माता-पिता के पैर छूकर लिया आशीर्वाद :गोल्ड मेडल जीतकर जब अरिहा पंगंबम अपने घर पहुंचीं, तो उन्होंने एक ऐसा काम किया जिसने हर भारतीय का दिल जीत लिया। देश का नाम रोशन कर लौटीं अरिहा ने सबसे पहले झुककर अपने माता-पिता के पैर छुए और उनका आशीर्वाद लिया। सोशल मीडिया पर उनके इस खूबसूरत पल का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसकी लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं।

रविंद्र जडेजा के 350 विकेट पूरे, एक-दो नहीं बनाए तीन बड़े रिकॉर्ड

गॉल (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट के तीसरे दिन भारतीय ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा के 350 टेस्ट विकेट पूरे हो गए हैं। इसी के साथ ही यह भारतीय ऑलराउंडर लेफ्ट-आर्म स्पिनरों में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाला तीसरा खिलाड़ी बन गया है। इसी के साथ ही वह टेस्ट क्रिकेट में 350 विकेट पूरे करने वाले और 350 विकेट तथा 4000 टेस्ट रन बनाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। जडेजा ने केशरा नुवानथा को आउट करके 350 विकेट पूरे किए।

लेफ्ट-आर्म स्पिनरों में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले खिलाड़ियों में रंगना हेराथ पहले स्थान पर हैं जिन्होंने 433 विकेट लिए हैं। दूसरे स्थान पर 362 विकेट के साथ डैनियल विटोरी है। इसके बाद अब 350 टेस्ट विकेट्स के साथ जडेजा हैं। चौथे स्थान पर डेरेक अंडरवुड और पांचवें पर तैजुल इस्लाम हैं जिन्होंने लेफ्ट-आर्म स्पिनर के तौर पर क्रमशः 297 और 271 विकेट झटके हैं।

जडेजा ने खास मुकाम हासिल किया :अपने स्पेल के दौरान जडेजा ने एक और उपलब्धि अपने नाम की। वे टेस्ट में 4000 रन और 350 विकेट का डबल पूरा करने वाले चौथे खिलाड़ी बन गए।

लेफ्ट-आर्म स्पिनरों में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट

433 - रंगना हेराथ
362 - डैनियल विटोरी
350* - रवींद्र जडेजा
297 - डेरेक अंडरवुड
271 - तैजुल इस्लाम

कम से कम 125 टेस्ट विकेट लेने वाले सभी लेफ़्ट-आर्म स्पिनरों में, सिर्फ़ केशव महाराज का स्ट्राइक-रेट (56.4) जडेजा के 58.1 से बेहतर है।

टेस्ट क्रिकेट में 350 और उससे अधिक विकेट लेने वाले भारतीय

अनिल कुंबले - 619
रविचंद्रन अश्विन - 537
कपिल देव - 434
हरभजन सिंह - 417

इस फ़ॉर्मेट में केवल दो अन्य भारतीयों ने 300 से ज्यादा विकेट लिए हैं जिसमें इशांत शर्मा और जहीर खान (दोनों के 311 विकेट) शामिल हैं।

---

30 टेस्ट, 30 अलग मैदान

यशस्वी जायसवाल ने सचिन और मांजरेकर के खास क्लब में बनाई जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ गाले में खेले जा रहे पहले टेस्ट में भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल ने मैदान पर उतरते ही एक खास रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। गाले टेस्ट उनके टेस्ट करियर का 30वां मुकाबला है और दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने अपने शुरुआती सभी 30 टेस्ट अलग-अलग मैदानों पर खेले हैं। इसी के साथ जायसवाल ने भारत के उन चुनिंदा बल्लेबाजों के क्लब में जगह बना ली, जिसमें सचिन तेंदुलकर और संजय मांजरेकर जैसे दिग्गज शामिल हैं।

30 टेस्ट, 30 अलग-अलग वेन्यू :यशस्वी जायसवाल ने अपने टेस्ट करियर की शुरुआत से लेकर 30वें मुकाबले तक किसी भी वेन्यू पर दोबारा टेस्ट नहीं खेला है। उनके सभी 30 टेस्ट अलग-अलग स्टेडियम में हुए हैं। इस उपलब्धि के साथ जायसवाल भारत के तीसरे ऐसे बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने अपने टेस्ट करियर के शुरुआती मुकाबले इतने अलग-अलग मैदानों पर खेले। उनसे पहले संजय मांजरेकर ने लगातार 33 टेस्ट और सचिन तेंदुलकर ने लगातार 32 टेस्ट अलग-अलग वेन्यू पर खेले थे।

गाले में 32 रन बनाकर हुए रन आउट :गाले टेस्ट में टॉस जीतकर भारत ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। यशस्वी जायसवाल ने केएल राहुल के साथ मिलकर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए अच्छी साझेदारी बन रही थी, लेकिन 11वें ओवर की आखिरी गेंद पर दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से जायसवाल रन आउट हो गए। एक रन लेने के प्रयास में फील्डर केशाना नुवंथा से टकराने के बाद जायसवाल फिसल गए। इस दौरान दोनों बल्लेबाज एक ही छोर पर पहुंच गए और जायसवाल को अपना विकेट गंवाना पड़ा। वह 32 रन बनाकर आउट हुए। टेस्ट क्रिकेट में यह जायसवाल के करियर का तीसरा रन आउट था।

राहुल और पडिक्कल ने संभाली पारी :जायसवाल के आउट होने के बाद केएल राहुल और देवदत्त पडिक्कल ने भारतीय पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए शानदार 162 रनों की साझेदारी की। राहुल ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 82 रन बनाए, जबकि पडिक्कल ने अपने टेस्ट करियर की सबसे यादगार पारियों में से एक खेली।

एफआईएच वर्ल्ड कप

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अंक हासिल करने उतरेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

एमस्टेलवीन (एजेंसी)। चीन के साथ कड़े मुकाबले में 2-2 से ड्रॉ खेलने के बाद अपनी पहली जीत की उम्मीद में भारतीय महिला टीम कल एफआईएच वर्ल्ड कप हॉकी टूर्नामेंट में अपने दूसरे पूल डी मैच में दक्षिण अफ्रीका का सामना करेगी। भारत ने चीन के खिलाफ अच्छी शुरुआत की, जिसमें नवनीत और दीपिका ने गोल करके अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी। चीन ने दो बार वापसी करते हुए बराबरी की, लेकिन भारत की अनुशासित रक्षापंक्ति और लड़ने के जज्बे ने उन्हें टूर्नामेंट की प्रमुख टीमों में से एक के खिलाफ एक अहम अंक दिलाने में मदद की।

इस नतीजे से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले मैच से पहले भारत का आत्मविश्वास बढ़ेगा, साथ ही यह भी पता चलेगा कि अपनी सकारात्मक लय को तीन अंक में बदलना कितना जरूरी है। वहीं, दक्षिण अफ्रीका अपने पहले मैच में इंग्लैंड से 4-0 से हारने के बाद वापसी करने के लिए उत्सुक होगा। इंग्लैंड अभी पूल में सबसे आगे है, जबकि भारत और चीन पहले दिन ड्रॉ खेलने के बाद अंक के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। टूर्नामेंट के पहले चरण से हर पूल की शीर्ष दो टीमें आगे बढ़ेंगी और सेमीफाइनल की दौड़ में बनी रहेंगी, इसलिए हर अंक बहुत अहम हो जाता है। भारत इस मुकाबले में यह जानते हुए उतरेगा कि जीत से उनके क्वालिफिकेशन की उम्मीदों को बड़ा बढ़ावा मिल सकता है।

भारतीय टीम के मुख्य को मारिजने ने कहा, हम कैलकुलेशन या इस बात पर ध्यान नहीं दे रहे हैं कि कौन किसके खिलाफ जीत रहा है। हमारे लिए खुद पर और अपनी खूबियों पर ध्यान देना सबसे जरूरी है। हमने (चीन के खिलाफ) मौके बनाए। यह बहुत सकारात्मक बात थी। मुझे लगता है कि डिफेंस के मामले में हम बहुत मजबूत थे। हमें डबल टर्नओवर पर काम करने की जरूरत है। बॉल जीतना और बॉल को अपने पास रखना। यह ऐसी चीज़ है जिसे हम बेहतर कर सकते हैं।

उन्होंने कहा, अब हमारा सामना दक्षिण अफ्रीका से है और मैंने लड़कियों से कहा है कि वे चीजों को हल्के में न लें। दक्षिण अफ्रीका भी एक अच्छी टीम है। इसलिए हमें उसके लिए तैयार रहना होगा। भारत के लिए चुनौती यह होगी कि वे चीन के खिलाफ दिखाई गई तीव्रता और संयम को बनाए रखें और साथ ही अटैकिंग थर्ड में और अधिक सटीक खेलें। टूर्नामेंट की शुरुआत में नवनीत और दीपिका की फॉर्म आत्मविश्वास का बड़ा स्रोत होगी, जबकि दबाव झेलने की टीम की क्षमता का फिर से परीक्षण किया जाएगा। दूसरी ओर, दक्षिण अफ्रीका अपनी शुरुआती हार के बाद मजबूत वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार होगा। भारत को एक ऐसी टीम से कड़े मुकाबले की उम्मीद करनी चाहिए जिसके पास दांव पर लगाने के लिए बहुत कुछ है। भारतीय टीम चीन के खिलाफ दिखाए गए भरोसे और जीतने की जबरदस्त इच्छाशक्ति से आत्मविश्वास हासिल करेगी। अब, इस विश्व कप में अपनी पहली जीत पर नजर रखते हुए, भारत उसी आधार को आगे बढ़ाना चाहेगा, तीन अहम अंक हासिल करना चाहेगा और कड़े मुकाबले वाले पूल डी में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहेगा।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com | epaper.pratahkiran.com
@Pratahkiran | @Pratahkiran

भारतीय सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ को नेपाली सेना के मानद जनरल की उपाधि

प्रात: किरण संवाददाता

काठमांडू। भारतीय सेना के प्रमुख जनरल धीरज सेठ को सोमवार को यहां राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने एक विशेष अलंकरण समारोह में नेपाली सेना के मानद जनरल की उपाधि प्रदान की। यह समारोह शीतल निवास में आयोजित किया गया। जनरल सेठ नेपाली सेना के जनरल अशोक राज सिग्देल के निमंत्रण पर चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा के लिए रविवार को नेपाल पहुंचे थे। राष्ट्रपति पौडेल के सचिवालय की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, समारोह में नेपाल के उपराष्ट्रपति राम सहाय प्रसाद यादव, विदेश मंत्री शिशिर खनाल, नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव तथा नेपाली सेना और सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। मानद सैन्य पद प्रदान करने की यह परंपरा 1950 में शुरू हुई थी। इसके तहत भारत और नेपाल एक-दूसरे के सेना प्रमुखों को मानद जनरल की उपाधि प्रदान करते हैं। जनरल सेठ ने सोमवार को नेपाली सेना के मुख्यालय में जनरल सिग्देल से भी मुलाकात की। दोनों सैन्य प्रमुखों ने आपसी हित के मुद्दों तथा द्विपक्षीय सैन्य संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। भारतीय दूतावास ने कहा कि सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ की नेपाल यात्रा दोनों देशों के बीच साझा मूल्यों, परस्पर विश्वास और लंबे समय से कायम सैन्य संबंधों पर आधारित विशिष्ट एवं समय की कसौटी पर खरी उतरी रक्षा साझेदारी की पुष्टि करती है। दूतावास के अनुसार, जनरल सेठ ने भारतीय दूतावास में राजदूत श्रीवास्तव से भी मुलाकात की। दोनों ने नई दिल्ली और काठमांडू के बीच व्यापक संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। जनरल सेठ ने सोमवार को नेपाली सेना को कुछ सैन्य और चिकित्सा उपकरण भी सौंपे। नेपाली सेना की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, उन्होंने नेपाली सेना के मुख्यालय परिसर में पौधारोपण किया तथा गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया। नेपाली सेना ने कहा, जनरल सेठ की यात्रा से नेपाल और भारत की सेनाओं के बीच आपसी विश्वास तथा सहयोग और मजबूत होने की उम्मीद है।

अमेरिका-ईरान के बीच 60-दिन का समझौता बेनतीजा

वाशिंगटन/तेहरान। अमेरिका और ईरान के बीच 17 जून को हुए 60-दिन के समझौते की समय सीमा सोमवार को समाप्त हो गई, लेकिन दोनों देश युद्ध समाप्त करने, ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर समझौता करने और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह खोलने पर सहमति नहीं बना सके। इससे आगे की बातचीत और क्षेत्र में शांति की संभावनाएं अनिश्चित हो गई हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरान के बीच फ्रांस के वर्साय में हुए समझौते का उद्देश्य अस्थाई संघर्ष विराम को स्थाई समझौते में बदलना था। इसके तहत 60 दिनों में ईरान के परमाणु कार्यक्रम, संघर्ष की समाप्ति और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने पर व्यापक समझौता किया जाना था। इन तीनों प्रमुख उद्देश्यों में से कोई भी पूरा नहीं हो सका। कुछ ही सप्ताह में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाना शुरू कर दिया। प्रत्यक्ष बातचीत भी रुक गई और ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिकी नाकाबंदी जारी रही। होर्मुज जलडमरूमध्य में भी सामान्य आवाजाही बहाल नहीं हो सकी। वर्तमान में केवल पांच मालवाहक जहाजों को इसके रास्ते गुजरने की अनुमति है, जबकि सामान्य परिस्थितियों में प्रतिदिन करीब 130 से 140 जहाज इस महत्वपूर्ण जलमार्ग से गुजरते हैं। समझौते के तहत ईरान को जलडमरूमध्य खोलने में मदद करनी थी और अमेरिका को तेहरान पर दबाव कम करना था। लेकिन दोनों पक्ष इस बात पर सहमत नहीं हो सके कि जलमार्ग पर यातायात किसके नियंत्रण में और किन शर्तों के तहत संचालित होगा। ईरान ने जलडमरूमध्य खोलने के लिए अमेरिकी नाकाबंदी हटाने की शर्त रखी है, जबकि अमेरिका ने इसे स्वीकार नहीं किया है। तेहरान ने होर्मुज में जहाजों की आवाजाही पर नियंत्रण और संभावित शुल्क वसूलने में भूमिका की भी मांग की है। तनाव आठ जुलाई को और बढ़ गया, जब श्री ट्रंप ने नाटो सम्मेलन के दौरान समझौते को समाप्त घोषित कर दिया। इसके बाद अमेरिका ने ईरान के सैन्य और तटीय ठिकानों पर हमले किए।

बच्चों पर सोशल मीडिया के असर को लेकर मेटा के खिलाफ अपील पर कैलिफोर्निया में सुनवाई

प्रात: किरण संवाददाता

सैन फ्रांसिस्को। मेटा के खिलाफ बच्चों की सुरक्षा से जुड़े हजारों मुकदमों में से कैलिफोर्निया में इस सप्ताह शुरू होने वाली सुनवाई को सबसे महत्वपूर्ण मामलों में से एक माना जा रहा है। अमेरिका के कई राज्य मेटा से व्यापक वित्तीय हर्जाने की मांग कर रहे हैं जो सैद्धांतिक रूप से 1.4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर तक हो सकता है। इसके अलावा राज्यों ने फेसबुक और इंस्टाग्राम के संचालन के तरीके में बदलाव की भी मांग की है। मुकदमे में सोशल मीडिया कंपनी पर युवा मानसिक स्वास्थ्य संकट को बढ़ावा देने का आरोप लगाया गया है। राज्यों का कहना है कि मेटा ने जानबूझकर ऐसे फीचर तैयार किए, जिनसे बच्चे उसके प्लेटफॉर्म के आदी हो जाएं। मुकदमे में यह भी आरोप लगाया गया है कि मेटा नियमित रूप से 13 साल से कम उम्र के बच्चों का उनके माता-पिता की सहमति के बिना डेटा एकत्र करती है, जो संघीय कानून का उल्लंघन है। मुकदमे में कहा गया है, मेटा ने युवाओं और किशोरों को आकर्षित करने, जोड़े रखने और अंततः अपने जाल में फंसाने के लिए शक्तिशाली और अभूतपूर्व तकनीकों का इस्तेमाल किया है। उसका मकसद मुनाफा कमाना है। दर्जनों राज्यों ने तीन साल पहले मुकदमा दायर किया था। मंगलवार से कैलिफोर्निया के ऑकलैंड की संघीय अदालत में शुरू होने वाले मुकदमे में चार राज्य– कैलिफोर्निया, कोलोराडो, केंटकी और न्यू जर्सी–वादी हैं। अन्य 25 राज्यों में बाद में सुनवाई होने की उम्मीद है। मेटा ने आरोपों से इनकार किया है। कंपनी ने कहा कि सुनवाई के दौरान पेश किए जाने वाले साक्ष्य युवाओं की मदद के लिए उसकी प्रतिबद्धता को दशाएंगे। कंपनी ने एक बयान में कहा, हमने माता-पिता की बात सुनी है, विशेषज्ञों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ काम किया है तथा उन मुद्दों को समझने के लिए गहन शोध किया है, जो सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं। मेटा के लिए यह मामला बेहद महत्वपूर्ण है। कंपनी इस साल बच्चों और किशोरों को होने वाले नुकसान से जुड़े दो अहम मामलों में पहले ही हार चुकी है। कंपनी ने पिछले महीने मुनाफे में असामान्य गिरावट दर्ज की थी, जिसमें 2.4 अरब डॉलर के कानूनी खर्च की भी भूमिका रही। मेटा ने एक कानूनी दस्तावेज में 1.4 लाख करोड़ डॉलर के संभावित हर्जाने का उल्लेख किया है। यह राशि कैलिफोर्निया के मेनलो पार्क स्थित कंपनी के कुल बाजार पूंजीकरण के लगभग बराबर है। इतनी बड़ी राशि का भुगतान कंपनी को दिवालिया कर सकता है और संभवतः उसके स्वामित्व को राज्यों के हाथों में पहुंचा सकता है। मेटा ने हाल के वर्षों में नाबालिगों की सुरक्षा के लिए कई नए फीचर पेश किए हैं। वर्ष 2024 में कंपनी ने इंस्टाग्राम पर ह्यटीन अकाउंटह्न शुरू किए, जो निजी होते हैं और इनमें संदेश तथा सामग्री पर प्रतिबंध के साथ माता-पिता के लिए नियंत्रण के विकल्प भी हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,